हरिभूमि

जबलपुर

मंगलवार 25 नवंबर 2025

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

350वां शहीदी दिवस

श्री गुरु तेग़ बहादुर जी

भाई मती दास जी,
भाई सती दास जी,
भाई दयाला जी

श्री आनंदपुर साहिब में होने वाले समागमों का विवरण

25 नवंबर, 2025

- श्री अखंड पाठ साहिब के भोग की संपूर्णता
- राज्य स्तरीय रक्तदान मुहिम
- 3.50 लाख पौधे लगाने की राज्य स्तरीय मुहिम
- गुरुवाणी कीर्तन
- सरबत दा भला एकत्रता
- ड्रोन शो

श्री अमृतसर साहिब अंदरून सिटी, तलवंडी साबो और श्री आनंदपुर साहिब को पवित्र शहर का दर्जा दिया गया

शहीदी दिवस को समर्पित पंजाब सरकार द्वारा आयोजित कार्यक्रम और पहलकदमियां

- पंजाब सरकार द्वारा नौवें पातशाह श्री गुरु तेग़ बहादुर जी के शहीदी दिवस को समर्पित विभिन्न राज्यों में कार्यक्रम आयोजित किए गए
- कार्यक्रमों की शुरुआत गुरुद्वारा श्री शीश गंज साहिब, नई दिल्ली से की गई
- गुरुद्वारा श्री रकाब गंज साहिब में विशाल कीर्तन दरबार का आयोजन किया गया
- श्री गुरु तेग़ बहादुर जी के चरण-स्पर्श प्राप्त 142 गाँवों और शहरों के विकास के लिए 71 करोड़ रुपये प्रदान किए गए। प्रत्येक गाँव और शहर को 50 लाख रुपये दिए गए

  1 नवंबर से पंजाब के सभी ज़िलों में लाइट एंड साउंड शो आयोजित किए गए, जो अब श्री आनंदपुर साहिब में करवाए जा रहे हैं, जिनमें श्री गुरु तेग़ बहादुर जी के महान जीवन और दर्शन को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया
- गुरु साहिब जी के चरण-स्पर्श प्राप्त नगरों और शहरों में कीर्तन कार्यक्रम आयोजित किए गए
- 18 नवंबर को श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर) में कीर्तन दरबार आयोजित किया गया। 19 नवंबर को श्रीनगर से नगर कीर्तन सजाया गया। 20 नवंबर को तलवंडी साबो, फ़रीदकोट और गुरदासपुर से तीन नगर कीर्तन सजाये गये। ये चारों नगर कीर्तन 22 नवंबर की शाम और 23 नवंबर को अमृत वेले के समय श्री आनंदपुर साहिब पहुँचकर सम्पन्न हुए।
- श्री आनंदपुर साहिब में बड़ी संख्या में पहुँचने वाले श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए टेंट सिटी बना ई गई, जिसका नाम 'चक्क नानकी' रखा गया है
  - इस पवित्र नगरी में सर्व-धर्म सम्मेलन आयोजित किया गया
  - गुरु साहिब के जीवन और दर्शन को दर्शाती प्रदर्शनी और ड्रोन शो आयोजित किए गए
  - कीर्तन दरबार, कथा, गत्तका और गाइडेड टूर का आयोजन किया गया

आइए, श्री आनंदपुर साहिब में नतमस्तक हों

सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, पंजाब

तुम मुझे यूं भुला ना पाओगे

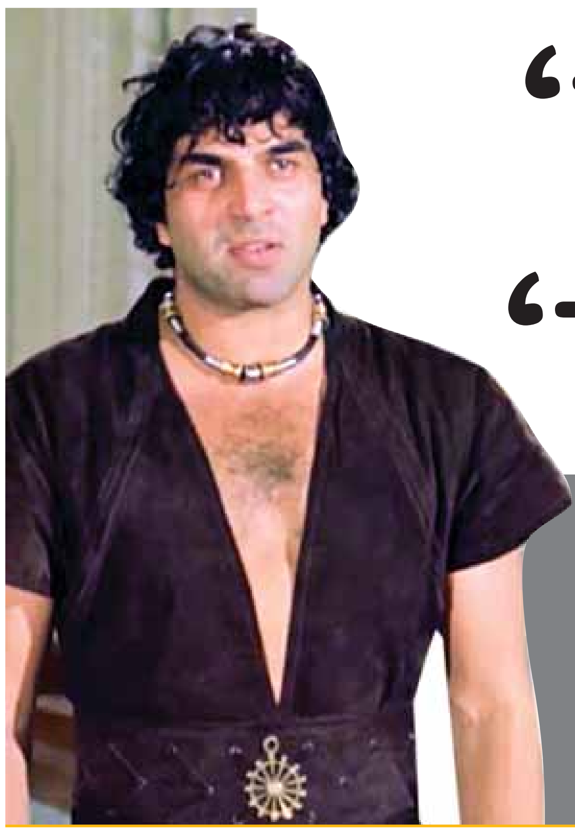

'रील' से 'रियल' तक 'ही-मैन' ही रहे धर्मेंद्र

'रील से रियल' तक 'ही-मैन' रहे धर्म पाजी यानी अभिनेता धर्मेंद्र अब हमारे बीच नहीं रहे। 8 दिसंबर 1935 को पंजाब के नसराली गांव में जन्में धर्मेंद्र ने जब दिलीप कुमार की फिल्म शहीद देखी तो बेचैन हो उठे। उन्होंने सिनेमा हॉल से बाहर निकलते ही मन ही मन ठान लिया कि अब उन्हें दिलीप कुमार जैसा ही बनना है। इसी संकल्प के साथ धर्मेंद्र ने अपना कॅरियर शुरु किया फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। कामयाबी ऐसी मिली की कोई उन्हें, ही-मैन कहने लगा तो कोई धर्म पाजी। जैसे-जैसे फिल्में हिट होती गई वैसे-वैसे धर्मेंद्र के उप नाम भी बढ़ते गए। कुल मिलाकर 6 दशक में 300 फिल्में और करीब दो दर्जन बड़े अवार्ड उनके खाते में आ गए। इस बीच उन्होंने पूरे देश को हंसाया, गुदगुदाया और एक बेहतरीन कलाकार को गढ़कर सबके चहते बन गए। ये सफर कब पूरा हो गया किसी को पता ही नहीं चला। अब सिर्फ उनकी यादें हैं और आंखों में आंसू के सिवाए कुछ नहीं है। धर्मेंद्र से जुड़ीं कुछ यादें 'हरिभूमि' अपने पाठकों तक पहुंचाने का प्रयास कर रहा है।

1 200 रुपए के लिए गैराज में करते थे काम

जब धर्मेंद्र फिल्मों में काम करने की चाह लिए मुंबई पहुंचे तो उस वक्त गुजारा करने के लिए न उनकी जेब में पैसे थे और उनके पास रहने के लिए कोई ठिया था। अपना गुजारा करने के लिए वो एक गैराज में काम करते थे। वहां काम करने के लिए उन्हें 200 रुपए मिलते थे। इतने पैसों में उनका गुजारा नहीं हो पाता था, इसलिए वो ओवरटाइम भी करते थे और फिर रात में गैराज में ही सो जाते थे। जब दिल भी तेरा हम भी तेरे फिल्म के जरिए उन्हें बॉलीवुड में पहला ब्रेक मिला तो उन्हें ऐसी उम्मीद थी कि उन्हें इस पिक्चर के लिए कम से कम 5 हजार रुपए मिलेंगे। हालांकि, उन्हें सिर्फ 51 रुपए मिले थे, वो भी तीन लोगों ने मिलकर 17-17 करके उन्हें 51 रुपए दिए थे। ये फीस भले ही कम थी, लेकिन धर्मेंद्र उस 51 रुपए को काफी लकी मानते थे। कुछ साल पहले धर्मेंद्र एक सिंगिंग रियलिटी शो पर पहुंचे थे, उस वक्त एक्टर ने स्ट्रगल को लेकर बात की थी।

2 जब मां ने ये कहा रोज पीया करो बेटा

धर्मेंद्र सोने से पहले हमेशा अपनी मां सतवंत कौर के पैर दबाया करते थे। धर्मेंद्र तब तक पैर दबाते थे, जब तक मां उन्हें सोने को नहीं कहतीं। एक दिन धर्मेंद्र शराब पीकर आए और अपनी मां के पैर दबाने लगे। मां की नींद लग गई और उन्होंने धर्मेंद्र से रुकने को ही नहीं कहा। वो रात भर मां के पैर दबाते ही रहे। जब मां की नींद खुली तो

उन्होंने कहा, बेटा, शराब पीकर इतने अच्छे पैर दबाते हो, रोज पीया करो। ये किस्सा खुद धर्मेंद्र ने सारेगामापा शो में सुनाया था। इसी तरह एक किस्सा और है जब 1971 में ऋषिकेश मुखर्जी फिल्म 'आनंद' प्लान कर रहे थे तो सबसे पहले उन्होंने इसकी कहानी बेंगलुरु से मुंबई फ्लाइट के दौरान धर्मेंद्र को सुनाई थी। धर्मेंद्र बड़े खुश हुए। उन्हें गलतफहमी हुई कि ऋषिकेश दा शायद उन्हें ही फिल्म में लेंगे। कुछ दिनों बाद अखबार में खबर छपी कि फिल्म के हीरो राजेश खन्ना होंगे। धर्मेंद्र ने जमकर शराब पी और फिर देर रात ऋषिकेश दा को कॉल किया और कहा कि आप मेरे साथ ऐसा कैसे कर सकते हैं, ऋषि दा... ऋषिकेश उन्हें शांति से समझाते रहे और कहते रहे कि धरम हम सुबह बात करेंगे, लेकिन धर्मेंद्र थे कि लगातार अपनी बात दोहराए जा रहे थे। ऐसा करते-करते उन्होंने रातभर ऋषिकेश दा को परेशान किया। इसके बावजूद ऋषिकेश मुखर्जी और धर्मेंद्र की दोस्ती बरकरार रही।

3 हेमा के साथ सीन के लिए दिए थे 2 हजार

रमेश सिप्पी शोले फिल्म के दूसरे हीरो के लिए एक ऐसे एक्टर की तलाश में थे, जो ज्यादा पॉपुलर न हो। ऐसे में धर्मेंद्र ने ही अमिताभ के नाम का सुझाव दिया। धर्मेंद्र इस फिल्म में वीरू की जगह ठाकुर का रोल निभाने में अड़े हुए थे, लेकिन संजीव कुमार को पहले ही कास्ट कर चुके रमेश सिप्पी उन्हे बदलने के पक्ष में नहीं थे। जब धर्मेंद्र ने जिद नहीं छोड़ी तो रमेश ने उन्हें समझाया कि अगर वो ठाकुर बने तो उन्हें हेमा के साथ कम सीन मिलेंगे, लेकिन अगर वीरू बने तो उन्हें बसंती बनीं हेमा के साथ रोमांस करने का मौका मिलेगा। इस बात को सुनकर धर्मेंद्र मान गए। धर्मेंद्र हेमा को इस कदर पसंद करते थे कि जब बसंती को गन चलाना सिखाने वाला सीन शूट हो रहा था। धर्मेंद्र ने स्पॉटबॉय को 2000 रुपए दिए, जिससे बार-बार सीन खराब हो और रीटेक करना पड़े। स्पॉटबॉय ने रिश्वत लेकर बार-बार सीन दोहराने में धर्मेंद्र की मदद की और धर्मेंद्र बार-बार हेमा के नजदीक जाते रहे। बाद में 1980 में हेमा मालिनी से शादी की।

4 शशि कपूर अपने घर लेकर गए थे और भरपेट खाना खिलाया

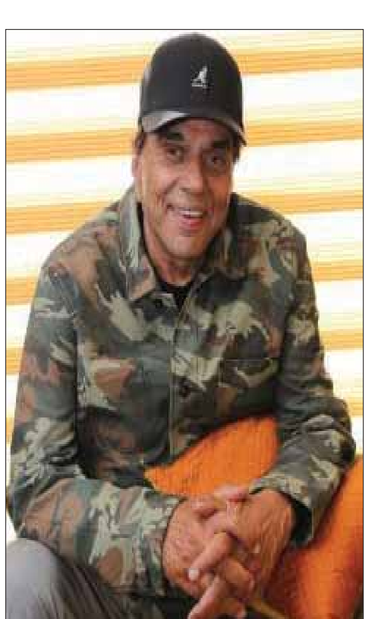

वैसे तो अभिनेता धर्मेंद्र को लेकर कई किस्से है लेकिन जो सर्वाधिक चर्चा में रहे है उनमें एक किस्सा धर्मेंद्र का शुरुआती एक्टिंग करियर संघर्ष से भरा था। उन्होंने कई रातें चने खाकर रेलवे स्टेशन पर गुजारी थीं। वह रोल पाने के लिए प्रोड्यूसर्स के यहां मीलों पैदल चलकर जाते थे, जिससे कुछ पैसे बचा सकें और वह खाना खा सकें। एक बार शशि कपूर उन्हें अपने घर लेकर गए थे और भरपेट खाना खिलाया था। इसके अलावा धर्मेंद्र और दिलीप कुमार का रिश्ता भी बड़ा खास था। धर्मेंद्र दिलीप साहब को अपना बड़ा भाई मानते थे। वह जब भी दिलीप कुमार से मिलते तो उनके पैरों के पास बैठते थे। वक्त-वक्त पर वह दिलीप कुमार से मिलने उनके घर जाया करते थे। धर्मेंद्र का नाम एक वक्त में मीना कुमारी के साथ भी जोड़ा गया। मीना कुमारी को शायरी का शौक था। कहा जाता है कि मीना कुमारी की संगत में रहकर ही धर्मेंद्र को भी शायरी का शौक हुआ। इसी तरह गोविंदा जब फिल्मों में हिट हुए थे तो कुछ गुंडे लोगों ने उन्हें परेशान करना शुरू कर दिया। ऐसे में गोविंदा ने धर्मेंद्र से मदद मांगी थी। तब धर्मेंद्र ने ऐलान किया था कि वह गोविंदा की मदद करेंगे। इसके बाद गोविंदा को किसी ने परेशान नहीं किया। धर्मेंद्र अपनी एक्शन फिल्मों के लिए दर्शकों के बीच मशहूर थे। वह फिल्मों में अपने एक्शन सीन्स खुद किया करते थे। कभी भी धर्मेंद ने बॉडी डबल की मदद एक्शन सीन्स के लिए नहीं ली। एक फिल्म में धर्मेंद्र ने असल में चीते से लड़ाई लड़ी थी।

5 मुझे लगता सनी मेरे पास बैठे, पर मैं भी अपने पापा के पास नहीं बैठता था

बॉलीवुड अभिनेता धर्मेंद्र ने एक पुराने इंटरव्यू में कहा था कि उनके मां-बाप उनके वक्त के लिए तरसते रहे, और आज वही कमी उन्हें खुद भी महसूस होती है। अभिनेता ने कहा था कि पेरेंटस और बच्चों के बीच दोस्ती का रशिता होना चाहिए। बॉलीवुड-बॉलीवुड को दिए एक पुराने इंटरव्यू में अभिनेता धर्मेंद्र से पूछा गया था कि क्या उन्हें लगता है कि उनके ऊपर उनके पिता की छाप है, क्योंकि वे खुद भी एक सख्त पिता माने जाते हैं। इस सवाल पर धर्मेंद्र मुस्कराते हुए कहते हैं, 'हां, यह बात सही है। सनी बाबू भी मुझसे डरता है। मुझे हमेशा लगता है कि वो मेरे पास बैठे, मुझसे बातें करे, आज सोचता हूं कि काश मेरे बाबूजी मेरे दोस्त होते, दोस्ती होना बहुत जरूरी है। मैं बहुत मिस करता हूं और वे लोग कभी मेरे साथ बैठते नहीं है। वो इंटरव्यू में आगे बताते हैं, सनी आता है और बस इतना कहता है-

पापा, मैं शूटिंग पर जा रहा हूं। ऐसे ही मैं करता था। मुझे अपने पिताजी याद आते हैं। वो उस वक्त अपनी छड़ी लेकर बैठे रहते थे और कुछ सोचते रहते थे। जब मैं पूछता था, क्या सोच रहे हैं बाबूजी?' तो वो कहते थे, जल्दी आ जाया करो शूटिंग से। मैं उन्हें गले लगाकर निकल जाता था। शाम को जब लौटता था तो मां ठुड्डी पर हाथ रखे बैठी रहती थीं, जब उनसे पूछो कि क्या हुआ, तो भी वही जवाब देती थी। आज महसूस होता है कि हमारे मां-बाप भी हमारा साथ चाहते थे। वो चाहते थे कि हम उन्हें वही प्यार, वही लाड़-दुलार दें, जो उन्होंने हमें बचपन में दिया था। आज वो बात समझ आती है। आज, वही कमी सबसे ज्यादा महसूस होती है।

कुछ इस तरह का सफर रहा धर्मेंद्र का

जन्म: 8 दिसंबर 1935
मृत्यु: 24 नवंबर 2025
परिवार: पूरा नाम धरम सिंह देओल है। उनके पिता केवल किशन सिंह देओल एक स्कूल शिक्षक थे।
शिक्षा: स्कूली शिक्षा फगवाड़ा के लालटन कलां से पूरी की और पंजाब यूनिवर्सिटी से उच्च शिक्षा प्राप्त की।
फिल्मों में आने का कारण: फिल्मफेयर मैगजीन के एक टैलेंट हंट प्रतियोगिता के विजेता बनने के बाद, उन्होंने अभिनय की चाहत में मुंबई का रुख किया।
करियर : धर्मेंद्र ने 1960 में 'दिल भी तेरा हम भी तेरे' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की।
सफलता: 1966 की फिल्म 'फूल और पत्थर' ने उन्हें एक एक्शन हीरो के रूप में स्थापित किया।
अभिनय: फिल्मों में एक्शन और रोमानी दोनों तरह के किरदार निभाए हैं, लेकिन उनकी 'सत्यकाम' और 'शोले' जैसी फिल्मों में उनके काम को काफी सराहा गया है।
ही-मैन: बॉलीवुड के ही-मैन के रूप में जाना जाता है और उन्होंने अपने पांच दशक से अधिक लंबे करियर में 300 से अधिक फिल्मों में काम किया है।

कुल फिल्में 300
हिट फिल्में 74
ब्लॉकबस्टर 07
सुपरहिट 13

ही मैन का निजी जीवन

पहली शादी: धर्मेंद्र की पहली शादी प्रकाश कौर से हुई थी, जिनसे उनके चार बच्चे हैं: सनी देओल, बॉबी देओल, विजेता और अजिता।
दूसरी शादी: अभिनेत्री हेमा मालिनी से शादी की, जिनसे उनकी दो बेटियां हैं: ईशा देओल और अहाना देओल।
राजनीति: धर्मेंद्र ने राजनीति में भी कदम रखा और भाजपा के सदस्य के रूप में 2004 में राजस्थान के बीकानेर निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा सांसद चुने गए।

ढेरों पुरस्कार और पद्म भूषण से भी सम्मानित

- धर्मेंद्र ने फिल्मों में सिर्फ एक्टिंग की नहीं की, बल्कि वह प्रोड्यूसर भी रहे हैं। भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए उन्हें 2012 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। इसके अलावा उन्होंने नेशनल अवॉर्ड जीता और फिल्मफेयर के लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड के अलावा करीब दो दर्जन सम्मान उन्हे मिले हैं। जिसमें ये प्रमुख हैं।
- साल 2012 में उन्हें भारत सरकार ने पद्म भूषण से सम्मानित किया था।

- धर्मेंद्र की प्रोड्यूस फिल्म 'घायल' को साल 1990 में बेस्ट पॉपुलर फिल्म का नेशनल अवॉर्ड मिला था। इस फिल्म में उनके बेटे सनी देओल ने लीड रोल किया था।
- धर्मेंद्र को साल 1997 में फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट्स अवॉर्ड मिला था। वहीं 1991 में उनकी प्रोड्यूस फिल्म घायल को बेस्ट फिल्म का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला था।

मेहनत से कमाई... करीब 5.35 अरब की संपत्ति

धर्मेंद्र की संपत्ति और नेट वर्थ की बात करें, तो रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह 500 से 535 करोड़ रुपए (5.35 अरब) के आसपास बताई जाती है। यह अथाह संपत्ति उन्होंने फिल्मों में एक्टिंग के अलावा प्रोडक्शन, ब्रांड एंडोर्समेंट्स और इनवेस्टमेंट से जुटाई। धर्मेंद्र खास पढ़े-लिखे नहीं हैं, पर इसने कभी भी उनकी सफलता की राह में रोड़े नहीं अटकाए। धर्मेंद्र ने अपनी कड़ी मेहनत से हर मुश्किल को आसान बना लिया। धर्मंद्र अब काफी समय से महाराष्ट्र के लोनावला स्थित अपने फार्महाउस पर रह रहे हैं। इसमें स्वीमिंग पूल समेत सारी लग्जरी सुविधाएं हैं। यहां धर्मेंद्र खेती भी करते हैं और काफी स्टाफ भी

रखा हुआ है। धर्मेंद्र वीडियोज इंस्टाग्राम पर शेयर करते रहते थे। उनके इस फार्महाउस की कीमत 120 करोड़ रुपए बताई जाती है। धर्मेंद्र के पास दो घर भी हैं, जिनमें से एक 20 करोड़ तो दूसरा 48 करोड़ रुपए के आसपास है। रिपोर्ट के मुताबिक, धर्मेंद्र के पास 17 करोड़ रुपए की और भी संपत्ति है, जो महाराष्ट्र में ही है। 1 करोड़ 55 लाख रुपए की खेती की जमीन है, जिस पर धर्मेंद्र का रिजॉर्ट बनाने का प्लान था। धर्मेंद्र के पास कई लग्जरी गाड़ियां भी हैं, जिनमें 1960 में खरीदी उनकी फिएट से लेकर विंटेज फिएट और मर्सिडीज बेंज तक, शामिल हैं।

धरम पाजी की वो फिल्में... जिनके किरदारों ने उन्हे बुलंदियों तक पहुंचाया

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com जबलपुर, मंगलवार 25 नवंबर 2025

'धरम-युग' का अंत...

65 साल रहे सिल्वर स्क्रीन पर | **मौत की खबरों को बार-बार मात दी** | **आखिर, पर्दा गिर गया.. पर 'नायक' कभी नहीं मरा करते**

पल-पल 'दिल के पास' रहेंगे धरम जी

जन्म	8 दिसंबर 1935
मृत्यु	24 नवंबर 2025

खास बातें

- 89 साल के धर्मेंद्र लंबे वक्त से डिस्पेनिया की बीमारी से लड़ रहे थे सांस लेने में दिक्कत थी
- सांस या कार्डियोवैस्कुलर सिस्टम की समस्याओं जैसे अस्थमा, निमोनिया, हार्ट फेलियर या एनीमिया के कारण डिस्पेनिया होता है
- मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में कई बार भर्ती रहे, बाद में उनको उनके बंगले में शिफ्ट किया गया
- सोमवार दोपहर उन्होंने अपने घर में ही अंतिम सांस ली, विले पार्ले श्मशान घाट में हुआ अंतिम संस्कार बड़े बेटे सनी ने दी मुखाग्नि
- वे अपने जीवन के अंतिम वक्त तक पर्दे पर सक्रिय रहे, उनकी अंतिम फिल्म 21 हाल ही में रिलीज होगी
- वे बीकानेर से 1984 में सांसद भी रहे पर लोकसभा में वे बहुत कम ही दिखे, तब वहां उनके गुमशुदा के पोस्टर लगाए गए थे
- उनके दो पत्नियां व 6 बच्चे, 13 नाती-पोते, पहली पत्नी प्रकाश कौर से दो बेटे-दो बेटी, दूसरी पत्नी हेमामालिनी से दो बेटियां

एजेंसी ▶▶ मुंबई

लंबी बीमारी से संघर्ष करते-करते 89 साल के हिंदी सिनेमा के प्रख्यात और धाकड़ अभिनेता धर्मेंद्र सोमवार दोपहर अनंत यात्रा पर निकल गए। उन्होंने मुंबई के अपने बंगले पर आखिरी सांस ली। मृत्यु से ठीक पहले उनका भरा-पूरा परिवार उनके सामने था। दोनों पत्नियां, बेटे बेटियां और नाती-पोते। धर्मेंद्र एक जीवंत अभिनेता ही नहीं, जीवंत मनुष्य भी थे। वे सरलता व सादगी से रहते थे। स्टारडम को उनको कोई घमंड नहीं था। उनको उनके दर्शक समाज ने विभिन्न भूमिकाओं में गढ़ा था।

वे अपने से लगते थे। देओल परिवार भले ही उनकी बीमारी व निधन को व्यक्तिगत क्षति मानता हो पर उनके दर्शक समाज के लिए यह सार्वजनिक क्षति है। उनको याद करके एक आम दर्शक की आंखों में आंसू हैं। जिनके साथ उन्होंने काम किया है, वे भी भावुक हैं।

उनकी 'ही-मैन' की छवि यूं बनी

फिल्मी दुनिया में जब सिक्स पैक एब्स का चलन नहीं था, तब धर्मेंद्र सबसे हैंडसम हीरो थे। उनसे पूछा गया था कि ये डोले-शोले कैसे बने? उन्होंने कहा था कि वे एक सामान्य पृष्ठभूमि से थे। युवावस्था में परिवहन के साधन न होने पर एक ही दिन में करीब 50 मील की साइक्लिंग करते थे। इसके अलावा घर में हैंडपंप न होने के कारण पानी कुए से भरा जाता था, वे कई घंटे तक बिना थके पानी भरा करते थे। मवेशियों के लिए हरा चारा काटने के लिए वे हाथों से चलने वाली मशीन भी चलाया करते थे।

जब भी मेरे कदम डगमगाए...

गांव के कच्चे रास्तों की धूल की खुशबू ने मुझे भटकने से बचा लिया

वे कहते थे- 65 साल हो गए इंडस्ट्री में आए हुए, मेरे अंदर से साहनेवाल का धर्मेंद्र नहीं जाता। वो मुझे बहुत संभालता है। शोहरत की इस चौंधिया देने वाली रौशनी में, जब भी मेरे कदम डगमगाए, मेरी आत्मा में रची मेरे गांव के कच्चे रास्तों की धूल की खुशबू ने मुझे भटकने से बचा लिया... वही हूं मैं, वैसा ही रहूंगा, इसलिए लोग मुझे प्यार करते हैं।

'मरजाणे' तुझे तो किसी अमीर के घर पैदा होना चाहिए था

बकौल धर्मेंद्र-एक्टर के लिए शरारती, विटी, इमोशनल, मासूम और जज्बाती होना जरूरी है। उन्होंने चौथी क्लास में अपने ननिहाल का किस्सा साझा करते हुए बताया था कि गांव में उनके परिवार की बड़ी इज्जत थी। मां को लोग बड़ी बीबी कहा करते थे। अंगुली पकड़कर चलते समय से गोद में चढ़ने की जिद करने पर मां ने कहा, मरजाणे तुझे तो किसी अमीर के घर पैदा होना चाहिए था। इस पर मैंने कहा- दे दो किसी को।

उनको दिलीप कुमार की 'शहीद' से मिली प्रेरणा

अभिनेता बनने के पीछे की प्रेरणा का जिक्र करते हुए उन्होंने एक बार कहा था, दिलीप कुमार अभिनीत शहीद फिल्म देखने के बाद उन्हें एक्टिंग की प्रेरणा मिली। देश के बंटवारे के कुछ ही समय बाद उन्होंने नौवीं कक्षा में पढ़ाई करने के दौरान फिल्म देखी थी। उनसे मिली प्रेरणा के बाद धर्मेंद्र ने अपनी लेखनी से कुछ पंक्तियां भी लिखीं।- इतना प्यारा इंसान यार, मुझे भी उनपर इतना प्यार आ रहा था, मुझे लगा उन्हें भी वैसा ही प्यार मिलना चाहिए, मुझे भी लोग प्यार करें, नौकरी करता, साइकल पर आता जाता, फिल्मी पोस्टर्स में अपनी झलक देखता, रातों को जागता, अनहोने ख्वाब देखता, सुबह उठकर आइने से पूछता, मैं दिलीप कुमार बन सकता हूं क्या?

श्रद्धासुमन

उन्होंने अनगिनत लोगों के दिलों को छुआ

धर्मेंद्र जी के जाने से इंडियन सिनेमा में एक युग का अंत हो गया है। वह एक आइकॉनिक फिल्म पर्सनैलिटी थे, एक जबरदस्त एक्टर थे जो अपने हर रोल में चार्म और गहराई लाते थे। जिस तरह से उन्होंने अलग-अलग रोल किए, उसने अनगिनत लोगों के दिलों को छुआ है। धर्मेंद्र जी अपनी सादगी, विनम्रता और प्यार के लिए भी उतने ही जाने जाते थे। इस दुख की घड़ी में, मेरी दुआएं उनके परिवार, दोस्तों और अनगिनत फैंस के साथ हैं।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

शानदार करियर में कई यादगार प्रस्तुतियां दी

वरिष्ठ अभिनेता और पूर्व सांसद धर्मेंद्र जी का निधन भारतीय सिनेमा के लिए एक अपूरणीय क्षति है। वे सबसे लोकप्रिय अभिनेताओं में से एक थे, उन्होंने अपने दशकों लंबे शानदार करियर में कई यादगार प्रस्तुतियां दीं।

श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति

सिनेमा में 'अद्वितीय' योगदान

सिनेमा जगत को समृद्ध करने में उनका 'अद्वितीय' योगदान और अभिनय सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

डॉ. मोहन यादव, सीएम, मप्र

ऐसा लगा भीषण जाम

रायसेन में 6 साल की मासूम के साथ दुष्कर्म | **गुस्साए परिजनों और लोगों ने मंडीदीप-औब्दुल्लागंज हाईवे साढ़े तीन घंटे तक लगाया 14 किमी लंबा जाम** | **रायसेन कलेक्टर अरुण विश्वकर्मा बच्ची को देखने एम्स पहुंचे**

6 जिलों की पुलिस कर रही है तलाश, दरिंदे के पास मोबाइल नहीं, इसलिए लोकेशन ट्रेस करने में परेशानी

जंगल में हो रही ड्रोन से सर्चिंग, करीब 4 हजार जवान दरिंदे की तलाश में जुटे

रायसेन। 6 साल की मासूम के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में पुलिस के होश उड़े हुए हैं। 6 जिलों की पुलिस के करीब 4 हजार जवान जंगल-जंगल भटक रहे हैं। ड्रोन उड़ाकर दरिंदे सलमान की सर्चिंग चल रही है। लेकिन, आरोपी इतना शातिर है कि उसने अपना मोबाइल कहीं छोड़ दिया है। इसलिए, उसकी लोकेशन ट्रेस नहीं हो पा रही है। लिहाजा, वारदात के 72 घंटे बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं। सीएम डॉ. मोहन यादव खुद मामले की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। वे पल-पल की अपडेट ले रहे हैं। पुलिस के हाथ-पांव फूले हुए हैं। इधर, परिजनों व लोगों ने ने सोमवार को मंडीदीप औब्दुल्लागंज नेशनल हाईवे जाम कर दिया। करीब डेढ़ घंटे तक वाहन फंसे रहे। इसके बाद पुलिस और प्रशासन की टीम पहुंची। पीड़ित परिजनों को समझाइए देकर नेशनल हाईवे का जाम खुलवाया। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि जल्द आरोपी गिरफ्तारी हो जाएगी। वहीं, रायसेन में महिला और बच्चों का प्रदर्शन लगातार जारी है। जिले के सुल्तानपुर, गौहरगंज, बिनेका तथा रायसेन, मंडीदीप नगर में हिंदू संगठनों द्वारा जगह-जगह धरना प्रदर्शन चक्का जाम किए जा रहे हैं। मंडीदीप में भी सोमवार को सैकड़ों युवाओं ने भोपाल-होशंगाबाद हाइवे पर जबरदस्त प्रदर्शन किया। प्रथम ढाबे के सामने सुबह करीब 11 बजे शुरू हुआ धरना शाम लगभग 4 बजे तक चला।

जिले के सुल्तानपुर, गौहरगंज, बिनेका, रायसेन व मंडीदीप नगर में हिंदू संगठनों द्वारा जगह-जगह धरना प्रदर्शन और चक्का जाम किए जा रहे हैं

बच्ची की हालत में भोपाल एम्स में अब थोड़ा सुधार,उसे आईसीयू से सामान्य वार्ड में शिफ्ट किया

प्रदर्शन करते लोग

घटना के विरोध में बाजार बंद रहा

वारदात के 72 घंटे बाद भी पुलिस के हाथ खाली

सीएम डॉ. मोहन यादव खुद मामले की मॉनिटरिंग कर रहे हैं, वे पल-पल की अपडेट ले रहे हैं

एडिशनल एसपी बोले-आरोपी के बारे में मिला सुराग

एडिशनल एसपी कमलेश कुमार का कहना है कि रायसेन के अलावा आसपास के इलाकों में भी सर्च किया जा रहा है। हरदा-बैतूल आसपास के नर्मदापुरम के क्षेत्र से भी पुलिस का बल बुलाया गया है।

घने जंगलों में पुलिस कर रही है सर्चिंग: एसडीएम

गोहरगंज एसडीएम चंद्रशेखर श्रीवास्तव का कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी के बारे में लगातार 10 से 12 टीम में सर्चिंग कर रही है। श्रीवास्तव ने एक अहम जानकारी देते हुए बताया कि युवक के पास आरोपी के पास कोई मोबाइल फोन नहीं है।

बीएमओ डॉ. अमृता जीवने को हटाया, डॉ. गौर को जिम्मेदारी

औबेदुल्लागंज ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी (बीएमओ) डॉ. अमृता जीवने को तत्काल प्रभाव से हटाया गया है। उनकी जगह डॉ. धर्मेंद्र गौर को बीएमओ की जिम्मेदारी सौंपी गई है। डॉ. अमृता जीवने की ड्यूटी आगामी आदेश तक तत्काल प्रभाव से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खरबई (सांची) में लगाई है।

रील बनाने वाली महिलाएं मासूमों को बचाएं... फॉलोअर्स बढ़ाने से तो यह बेहतर कदम होगा

हरिभूमि की महिला पत्रकार मधुरिमा राजपाल का हस्तक्षेप

'पापा मेरे पेट में बहुत दर्द हो रहा है। सलमान अंकल ने मेरे साथ ऐसा क्यों किया? मैं तो बस चॉकलेट लेने गई थी... जब 6 साल की मासूम अपने पिता से इस तरह के सवाल करे, तो यह शब्द सिर्फ किसी के दिल को नहीं मन, मस्तिष्क और आत्मा तक को झकझोर देते हैं। रायसेन जिले के गौहरगंज में शुक्रवार रात जो हुआ, उसने पूरे क्षेत्र की रूह को हिला दिया। जब 6 वर्षीय मासूम बच्ची पड़ोस में टमाटर देने गई थी, लेकिन काफी समय तक घर न लौटने पर घरवालों की बेचैनी बढ़ी। तलाश शुरू हुई तो कुछ देर बाद वह खेतों से खून से लथपथ हालत में लड़खड़ाती हुई आती दिखाई दी। पूछने पर उसने टूटती हुई आवाज में अपने पड़ोसी सलमान का नाम लिया और उसी क्षण एक परिवार की दुनिया बिखर गई। यह घटना सिर्फ 'कुकृत्य' या 'अपराध' कह देने भर से समझ नहीं आती। यह वह प्रतिबिंब है जहां एक मासूम का शरीर ही नहीं, उसकी आत्मा, उसका भरोसा और उसका बचपन भी निर्ममता से तोड़ा गया। जिस दर्द को वह बच्ची झेल रही है, उसकी पीड़ा को शब्दों में बांधना असंभव है। पर उससे भी कठिन वह क्षण है जिसे उसका परिवार हर सांस के साथ जी रहा है। यह वारदात पुरुष वर्ग से नहीं, उस मातृशक्ति समाज से एक बड़ा सवाल पूछती है, जो अपने फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए विभिन्न जगहों पर रील बनाने में व्यस्त हैं, महंगे होटलों में अलग-अलग थीम की ड्रेस वाली किटी खेलने में व्यस्त हैं पर उनको छोटी बस्तियों में जाकर मासूम बच्चियों को बदलते समाज की दुष्प्रवृत्तियों के बारे में समझाने का वक्त नहीं है। काश, यदि ये महिलाएं ऐसा करें तो मासूम बच्चियां तो बचेंगी ही, उनकी रील ही नहीं, रीयल लाइफ भी सार्थक हो सकेगी। बच्चियों के मन व मस्तिष्क पर महिलाओं के समझाने का ज्यादा असर होता है।

बाइक पर सवार होकर आए थे नकाबपोश

ज्वेलरी शॉप में 10 मिनट में 25 फायर.. आगरा के कैटर्स जैन को गोली लगी

बाइक सवार बदमाश गोलियां दागते हुए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

ग्वालियर के उपनगर मुरार के सदर बाजार में सोमवार दोपहर नकाबपोश बाइक सवार बदमाशों ने सराफा दुकान को टारगेट कर 10 मिनट में 25 गोलियां चलाई। चार गोलियां दुकान में लगी हैं जबकि तीन से चार गोलियां आसपास की दुकानों में लगी हैं। आगरा के एक कैटर्स गुड्डू जैन को भी गोली लगी है। जिससे वो घायल हो गए हैं। यह मामला जमीन पर कब्जे से जुड़ा बताया जा रहा है। घटना का एक सीसीटीवी भी सामने आया है। सदर बाजार में बाइक से आए बदमाशों ने पहले तो हवा में पिस्टल और देशी कट्टे लहराते हुए ताबड़तोड़ फायरिंग की। इसके बाद सराफा कारोबारी महावीर जैन की दुकान को टारगेट कर गोलियां चलाई। बताया गया है कि पुलिस ने सोमवार सुबह शॉर्ट एनकाउंटर में बदमाश कपिल यादव को गोली मारकर पकड़ा है।

- घटना के विरोध में सराफा कारोबारियों ने बाजार बंद किया

सिर में तेज दर्द और बेहोशी की शिकायत की

एसआईआर प्रक्रिया के दौरान बीएलओ को हुआ ब्रेन हेमरेज

रीवा में परिजन बोले- बुखार था, फिर भी नोडल अधिकारी 'सर्वे' पूरा करने का दबाव बनाते रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रीवा

रीवा जिले में सोमवार को एसआईआर प्रक्रिया के दौरान एक बीएलओ को ब्रेन हेमरेज हो गया। उन्हें फौरन रीवा ले जाकर अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुष्पराज नगर में पदस्थ सहायक शिक्षक विजय पांडेय की बीएलओ के तौर पर ड्यूटी लगी थी। पूरा मामला सोमवार का है। परिजन का आरोप है कि वे कई दिनों से एसआईआर सर्वे में लगे हुए थे। इसी दौरान उन्हें हल्का बुखार भी था। तबीयत बिगड़ने के बाद भी नोडल अधिकारी लगातार सर्वे पूरा करने का दबाव बनाते रहे।

परिजन का कहना है कि जिम्मेदार अधिकारी न केवल बीमारी को अनदेखा कर रहे थे, बल्कि समय-सीमा के नाम पर मानसिक दबाव भी डाल रहे थे। बीएलओ विजय पांडेय ने बताया कि मेरी तबीयत गुरुवार देर शाम से खराब था। शनिवार और रविवार को तेज बुखार था। सिर में तेज दर्द और बेहोशी की शिकायत पर परिवार के लोग मुझे अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने ब्रेन हेमरेज की पुष्टि की। घटना के बाद परिजन जांच की मांग कर रहे हैं।

विजय पांडेय बीएलओ उपचार लेते हुए

समारोह में करीब 6 हजार विशिष्ट मेहमान बुलाए गए

4 मिनट के अभिजीत मुहूर्त में पीएम मोदी राम मंदिर में करेंगे ध्वजारोहण....108 आचार्य करेंगे मंत्रोच्चार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अयोध्या एक बार फिर से ऐतिहासिक आध्यात्मिक क्षण का गवाह बनने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 नवंबर को राम जन्मभूमि मंदिर में एक खास ध्वजारोहण समारोह के लिए आने वाले हैं। ट्रस्ट ने इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के लिए लगभग 6,000 विशिष्ट मेहमान बुलाए हैं। मंदिर अधिकारियों ने घोषणा की है कि इस साल का उत्सव खास तौर पर बड़ा होगा।

फाइल फोटो

सजी अयोध्या

सुबह 11:52 से दोपहर 12:35 बजे का शुभ मुहूर्त

प्रधानमंत्री मोदी 25 नवंबर को अयोध्या में सुबह 11:52 से दोपहर 12:35 बजे के शुभ मुहूर्त में ध्वजारोहण करेंगे। इस दौरान चार मिनट का अभिजीत मुहूर्त भी होगा। ध्वजारोहण के बाद प्रधानमंत्री पूजा-अर्चना में शामिल होंगे और विशिष्ट अतिथियों को संबोधित भी करेंगे। सोमवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। इस अनुष्ठान को अयोध्या, काशी और दक्षिण भारत के वैदिक आचार्य संपन्न कराएंगे।

हरिभूमि सहेली
जबलपुर, मंगलवार
25 नवंबर 2025

किसी पर भी ऐसी बड़ी विपदा आ सकती है कि वह टूट जाए, जीवन में एकदम अकेला हो जाए। अगर वह स्त्री है तो उसके जीवन का संकट और गहरा हो जाता है। ऐसी स्थिति में समझदारी के साथ धैर्य और साहस से काम लिया जाए तो हम बड़े से बड़े संकट से उबर सकते हैं। आशा की नई किरणों से जीवन में छाए अंधेरे को छांटकर, खूबसूरत जिंदगी जी सकते हैं।

अकेले हैं तो क्या गम है नजरिया बदलें और खुश रहें

कवर स्टोरी

प्रतिभा अग्निहोत्री

अपने इकलौते युवा बेटे को एक दुर्घटना में खोने से गीता बहुत दिनों तक अपसेट रहीं, लेकिन फिर उन्होंने अपने आपको संभाला। अब वह जिंदादिली से अपना जीवन जी रही हैं। छोटे-बड़े किसी भी समारोह में पहुंचकर वह अपने मधुर स्वभाव से वहां का वातावरण खुशनुमा बना देती हैं, उनसे मिलकर हर इंसान सकारात्मकता से भर उठता है। गीता बताती हैं, 'पति के देहांत के बाद बेटा ही एकमात्र सहारा था। एक पल को ऐसा लगा था, मानो अब सब कुछ खत्म हो गया। अपने दुखों के बारे में सोचते-सोचते कभी-कभी तो मुझे इतना तनाव हो जाता था कि रात में नींद नहीं आती थी। खाना नहीं बनाती थी और यदि किसी तरह बन गया तो खाने की इच्छा ही नहीं होती थी। इसी तरह दिन गुजर रहे थे, फिर एक दिन लगा कि इंसान का जन्म बहुत मुश्किल से मिलता है। और एक मैं हूं कि अपनी इस जिंदगी को यूं ही बर्बाद किए जा रही हूं। इस तरह तो एक दिन बीमार होकर बेड पर आ जाऊंगीं फिर क्या होगा? बस उस दिन से दुःख, अवसाद और तनाव को हटाकर मैं यथार्थ में आ गई। लगा कि अभी तो बहुत कुछ करना शेष है, और उसी दिन से मेरा जीवन को देखने का नजरिया ही बदल गया।

तनाव को ना हावी होने दें: वास्तव में अकेलापन कोई समस्या नहीं है बल्कि हमारे ही नकारात्मक विचारों से उत्सर्जित तरंगों द्वारा निर्मित एक अहसास, मनोभाव और विचार है। काउंसलर कीर्ति वर्मा कहती हैं, 'अवसाद की शुरुआत तनाव से होती है। जब यह तनाव निरंतर मन-मस्तिष्क पर हावी रहता है तो इंसान अकेलेपन का शिकार हो जाता है। यह स्थिति लंबे समय तक रहती है तो फिर इंसान अवसाद में आ जाता है। इसलिए जरूरी है कि हम खुद पर अकेलेपन को हावी नहीं होने दें।'

वेबएमडी के एक सर्वे के अनुसार अकेलेपन के कारण 26 प्रतिशत तक समय पूर्व मृत्यु की और 32 प्रतिशत स्ट्रोक की आशंका बढ़ जाती है। इसलिए आवश्यक है कि जैसे ही यह खालीपन आपके मन-मस्तिष्क में जगह बनाने लगे तो सचेत होकर स्वयं को सकारात्मक दिशा में लगा दें ताकि समस्या और अधिक गंभीर न हो।

दोस्तों और परिवार से मिलें: मनोवैज्ञानिकों के अनुसार दोस्तों और परिवार के सदस्यों से मिलना-जुलना बेहद जरूरी है। जब हम अपने प्रियजनों और इष्टमित्रों से मिलते हैं तो डोपामाइन हार्मोन रिलीज होता है, जो हमारे विचारों में सकारात्मकता का समावेश करता है, इसलिए जब भी समय मिले, अपने परिवार और दोस्तों के साथ समय अवश्य बिताएं। अपनी सखियों के साथ घूमने जाएं, उन्हें भोजन पर बुलाएं, गेम खेलें परंतु केवल उन्हीं दोस्तों के साथ, जिनसे मिलकर आपको खुशी मिलती हो।

नजरिया हो सकारात्मक: जब भी अकेलेपन के तनाव के कारण अवसाद में जाने लगें तो जीवन को देखने का नजरिया बदलें। अपनी ही स्थिति पर हरदम दुःखी होते रहने की अपेक्षा अपने से कमतर लोगों को देखें, आप पाएंगी कि आपसे अधिक सुखी इस संसार में कोई दूसरा नहीं है। सुखी इंसान सौ प्रतिशत वही है, जो हाथ-पैर और दिलो-दिमाग से पूरी तरह फिट है। हमें यह समझना चाहिए कि सुख-दुख जीवन के दो पहलू हैं, जिसमें कभी एक पहलू कमजोर होता है तो कभी दूसरा।

नकारात्मक लोगों से बनाएं दूरी: नकारात्मकता जहां आपके सोचने-समझने की शक्ति को क्षीण करके मन-मस्तिष्क को तनावग्रस्त करती है, वहीं सकारात्मकता असीम ऊर्जा का संचार करके मनुष्य की रचनात्मक शक्ति में वृद्धि करती है। इसके लिए आवश्यक है कि आप नकारात्मक लोगों से दूर रहें, क्योंकि ये लोग निराशा से भरे होते हैं, अपने निराशा भरे विचार आपके पास छोड़ते हैं, जिससे आप भी प्रभावित होती हैं। गृहिणी अनीता कहती हैं, 'मैं नेगेटिव लोगों से दो फुट की दूरी बनाकर रखती हूं, क्योंकि ऐसे लोग जब भी मिलते हैं, मेरे अच्छे खासे दिमाग में अपना कचरा छोड़ जाते हैं, जिससे जीवन में रुकावटें आती हैं।'

छोटी-छोटी खुशियों को सेलिब्रेट करें: जीवन के प्रति सदैव सकारात्मकता से भरपूर रहने वाली अनुभा कहती हैं, 'मेरे लिए हर नया दिन एक उत्सव जैसा होता है। अपनी मीटिंग के सफल हो जाने पर मनचाही मूवी देख लेने पर, दी गई समय सीमा में कार्य पूर्ण हो जाने पर या सप्ताहांत का अवकाश, मुझे असीम खुशी देता है, क्योंकि मेरी नजर में खुश होना या खुशी मनाना एक अहसास है, जिसके लिए किसी बड़ी घटना, कार्य या बहुत पैसे का होना जरूरी नहीं है।'

खुशी देना सीखें: किसी सहेली की कोई रेसिपी या पेंटिंग, सिंगिंग की तारीफ या किसी के विवाह, जन्मदिन की वर्षगांठ पर मैसेज के स्थान पर फोन कॉल करके बधाई देना, आपको सकारात्मकता से भर देगा। किसी भूखे को खाना खिलाना, गार्ड या मेड को गरमा-गरम चाय पिलाने से उसके चेहरे पर आई खुशी आपको ऊर्जा से भर देगी।

जीवन को सरलतम तरीके से जिएं: कुछ लोग बेवजह का अहंकार पालकर अपने जीवन को दुरुह बना लेते हैं। इसकी अपेक्षा आप जीवन को जितने सरल तरीके से जिएंगी, जीवन आपको उतना ही खूबसूरत लगेगा। अपने एकाकी जीवन में अपनी सोच में बदलाव लाकर, उसे सकारात्मक बनाकर आप अपने बेशकीमती जीवन को खूबसूरत बना सकती हैं। a

फिट रहना है जरूरी

हम सदियों से सुनते आए हैं, निरोगी काया इस जीवन का सबसे बड़ा सुख है। इसके लिए आवश्यक है कि आप प्रतिदिन कम से कम 40 मिनट स्वयं को दें। इस अवधि में आप इच्छानुसार वॉकिंग, जिमिंग, योगा अथवा व्यायाम करें।

आहार हो पौष्टिक

अकसर देखा जाता है कि अकेला इंसान अपने लिए भोजन बनाने में आलस्य करता है या एक टाइम बनाकर दो या तीन टाइम तक बासी खाना खाता है। ऐसा करने की अपेक्षा हरदम पौष्टिक और ताजा भोजन खाने का प्रयास करें।

बच्चों को ना रखें डरा-धमका कर

कुछ पैरेंट्स अपने बच्चों को बहुत डरा-धमकाकर रखते हैं। इससे वे डरे-सहमे रहते हैं। उनके व्यक्तित्व का विकास बाधित होता है। पैरेंट्स बच्चों की परवरिश में किन बातों का ध्यान रखें कि वे दब्बू ना बनकर निर्भीक-साहसी बनें और सफल हों।

परवरिश

रेखा शाह आरबी

अकसर यह देखा जाता है, जब कभी छोटे बच्चे ज्यादा तंग-परेशान करते हैं तो पैरेंट्स यह कहकर उन्हें डराते हैं, 'चुपचाप सो जाओ, नहीं तो भूत आकर ले जाएगा।' इस तरह अलग-अलग तरीकों से बच्चों को डराया जाता है। हमें यह समझना चाहिए, बच्चों का मन बहुत कोमल होता है, वे डर जाते हैं। उनके मन में हमेशा के लिए भय का बीजारोपण हो जाता है। पैरेंट्स को यह अनुमान ही नहीं होता कि बच्चे के भीतर बचपन में एक डर समा रहा है। पैरेंट्स अलग-अलग डर से बच्चों को डराते हैं। ऐसा करना गलत है, उनके व्यक्तित्व विकास में बाधक है।

जीवन भर रहता है प्रभाव: हम सब जीवन भर किसी न किसी डर का सामना करते रहते हैं। ऐसा कोई भी नहीं है, जो किसी बात से डरता ना हो। कभी-कभी हमारे जीवन में ऐसे अनेक अवसर आते हैं कि हम अपने जीवन में बहुत आगे बढ़ सकते हैं, लेकिन अपने डर के कारण हम उन मौकों को गंवा देते हैं। बाद में जब उसी काम को करके दूसरों को सफल होते देखते हैं तो सोचते हैं, 'काश! हमने भी यह प्रयास किया होता।' यह 'काश' की नींव हमारे बचपन में हमारे पैरेंट्स रखते हैं, मतलब हम सफल होंगे या असफल।

पैरेंट्स से सीखता है डरना: हमें याद रखना चाहिए कि जब हम जन्म लेते हैं तो हमारे भीतर किसी वस्तु या स्थान के प्रति कोई भय नहीं होता है। एक छोटा बच्चा मात्र दो चीजों से डरता है- एक तेज आवाज और दूसरे नीचे गिरने से। बाकी दुनिया के सारे डर बच्चा अपने भाई-बहनों और माता-पिता से सीखता है। जब भी कोई शिशु नई वस्तु या किसी नई परिस्थिति में पड़ता है तो पैरेंट्स की तरफ देखता है। जब वह पैरेंट्स को भयभीत देखता है तो वह भी सहम जाता है। यदि निडर देखता है तो वह भी निडरता का व्यवहार करने लगता है। आप एक शिशु के सामने कोई खूंखार जानवर खड़ा कर दीजिए, वह भयभीत नहीं होगा। क्योंकि उसे नहीं मालूम कि वह खतरनाक है या नहीं। वह उस खूंखार जानवर के साथ अपने माता-पिता के व्यवहार को ऑब्जर्व करता है। यदि माता-पिता डरते हैं तो वह भी डरता है, यदि नहीं डरते हैं तो बच्चा भी नहीं डरता है। दुनिया भर के डर, बच्चों को अपने माता-पिता और परिजनों द्वारा मिलते हैं। हम कई बार अपने अनुचित डर के कारण भी पिछड़ते और कुंठित होते चले जाते हैं। यानी बच्चों को सारे डर अपने परिवार से ही मिलते हैं। निडरता और साहस भी अपने परिवार से मिलता है। अगर बचपन से ही बच्चों पर ध्यान दिया जाए, उन्हें गैर जरूरी चीजों से डराया ना जाए तो उनका ज्यादा बेहतर तरीके से विकास होगा। इसलिए जरूरी है, बच्चे डरकर नहीं रहें, खुलकर बोलें और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करें, ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो। a

बात-बात पर डांटने का पड़ता है बुरा असर

कुछ बच्चों को अपनी बात किसी के सामने निर्भय होकर रखने में एक डर लगता है। बच्चा यही सोचता है कि सामने वाला उसके बारे में क्या सोचेगा? इस तरह वह खुलकर कभी बोल ही नहीं पाता। यह एक सामाजिक डर है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि बचपन में कई बार पैरेंट्स बच्चों को डांट कर चुप कराते रहते हैं। उन्हें उनकी मन की बात नहीं कहने देते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि आगे चलकर बच्चा किसी के सामने कोई बात कहने में संकोच करता है। अपनी बात खुलकर कभी नहीं कह पाता।

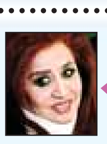

स्किन केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

सर्दियों में ऐसे करें पैरों की स्किन केयर

सर्दियां आते ही वातावरण में नमी की कमी की वजह से पैरों की त्वचा रूखी और बेजान लगने लगती है। इस दौरान पैरों की एड़ियां भी फटने लगती हैं या पैरों में खुजली और इरिटेशन होने लगती है। इसके कारण कई बार चलने में भी परेशानी होने लगती हैं। इससे बचाव के लिए पैरों की एक्स्ट्रा केयर करने की जरूरत होती है। इस मौसम में पैरों की देखभाल के लिए घरेलू उपाय काफी कारगर साबित हो सकते हैं।

स्किन रहेगी मॉयश्चराइज: अपने पैरों के प्रभावित एरिया और दरारों पर जैतून का तेल लगाने से त्वचा को पोषण मिलता है। इससे रूखेपन को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। जैतून के तेल को गुनगुना करके पैर के तलवों की मालिश करने से पैरों की अकड़न दूर होती है। आप एक बाउल में थोड़ा जैतून का तेल लेकर उसे हल्का गर्म करें। अब इसमें लैवेंडर एसेंशियल ऑयल की तीन-चार बूंदें मिक्स करें। इसके बाद इस ऑयल से अपने पैरों की मालिश करें। इससे आपको कुछ ही देर में आराम का अहसास होगा। जैतून ऑयल में विटामिन-ई होता है इसलिए इसे लगाने से आपके पैर मुलायम होंगे और आप रिलैक्स महसूस करेंगी। गर्म पानी में व्हाइट विनेगर डालें और फिर पांच मिनट के लिए पैरों को इसमें भिगोएं। अब आप जैतून के तेल की कुछ बूंदों को क्यूटिकल्स पर लगाएं और इसे लगभग 10 मिनट तक फिर पानी में भीगने दें। जैतून का तेल पैरों की त्वचा को मॉयश्चराइज रखने में मदद करता है। आप इस तेल को एक जेंटल मॉयश्चराइजर के रूप में भी उपयोग कर सकती हैं। यह उन्हें क्रैक होने से बचाता है और डेड स्किन साफ करता है।

स्किन ऐसे रहेगी सॉफ्ट: सर्दियों में पैरों की त्वचा को नरम बनाए रखने के लिए नहाते वक्त पैर धोने के लिए गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। लेकिन गर्म पानी का इस्तेमाल कतई न करें क्योंकि इससे पैर ड्राय हो सकते हैं, जिससे स्किन फट सकती है। गुनगुने पानी से ब्लड सर्कुलेशन सही रहता है।

मसाज करें: सोने से पहले पैरों की हल्के हाथ से मसाज करें। इसके लिए सरसों या नारियल तेल को एक कटोरे में गुनगुना कर लें। इस तेल से पंजों और पैर के बाकी हिस्सों की मालिश करें। इससे पैरों में ब्लड सर्कुलेशन तेज होगा, जिससे पैरों में गर्माहट आएगी और पैर सुंदर दिखेंगे। पैरों की देखभाल के लिए हाइड्रो थेरेपी भी लाभदायक साबित होती है। इसके लिए आपको पहले ठंडे पानी में पैरों को 2 मिनट तक डुबोकर रखना होगा। फिर पैरों को 1 मिनट के लिए गर्म पानी में डुबोना होगा। ऐसा ही 15-20 मिनट तक करती रहें। फिर पैरों को पानी से निकाल लें और तौलिए से अच्छी तरह पोंछ कर मोजे पहन लें। a

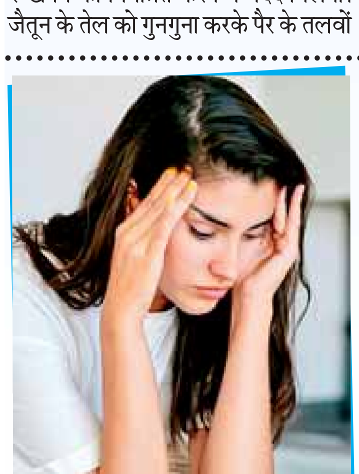

जब एंग्जायटी सताए ऐसे करें बचाव

अलग-अलग वजहों से अनेक महिलाएं एंग्जायटी की शिकार हो जाती हैं। इससे बचाव के लिए आपको अपनी डाइट और लाइफस्टाइल में सुधार करना होगा। यहां आपको बता रहे हैं, इससे रिलेटेड बहुत ही यूजफुल सजेशंस।

सजेशन

निकिता चौहान

आजकल की भाग-दौड़ भरी लाइफस्टाइल में मानसिक तनाव एक सामान्य समस्या बन गई है। महिलाओं में यह समस्या काफी ज्यादा देखी जा रही है, क्योंकि वर्किंग महिलाएं हों या हाउसवाइफ, उनके पास घर और बाहर की दोहरी जिम्मेदारी होती हैं। इस वजह से कई महिलाएं एंग्जायटी, तनाव या चिंताग्रस्त रहने लगती हैं। इसके कारण उनकी रोजमर्रा की जिंदगी भी प्रभावित होने लगती है।

हो सकते हैं कई कारण: डॉक्टर्स के अनुसार महिलाओं में चिंता के कई कारण हो सकते हैं, जैसे- हार्मोनल बदलाव। पीरियड्स, प्रेग्नेंसी और मेनोपॉज के दौरान हार्मोनल बदलाव की वजह से यह समस्या और बढ़ जाती है। इसके अलावा, काम का दबाव, परिवार की जिम्मेदारियां और सामाजिक अपेक्षाएं भी तनाव को जन्म देती हैं। अगर आप या आपके परिवार या दोस्तों में कोई महिला बार-बार घबराहट, बेचैनी या तनाव महसूस करती है, तो उसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यह संकेत हो सकते हैं कि उन्हें मेंटल हेल्थ कंसल्टेशन की जरूरत है। ऐसे समय में तुरंत मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह लेना बहुत जरूरी है, क्योंकि सही डायग्नोसिस और उपचार से एंग्जायटी को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जा सकता है। इसलिए अपने और अपने संपर्क में रहने वाली महिलाओं की मानसिक स्थिति पर ध्यान दें, खुलकर उनसे बात करें, उन्हें सहारा दें और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से मदद लेने से ना हिचकिचाएं। इससे न केवल चिंताओं से मुक्ति मिलेगी, बल्कि खुशहाल जीवन जीने में मदद मिलेगी।

संतुलित आहार लें: ताजे फल, सब्जियां, दालें, नट्स, और साबुत अनाज से भरपूर आहार आपकी मानसिक सेहत के लिए लाभकारी हैं। विटामिन-बी कॉम्प्लेक्स, विटामिन-डी और मैग्नीशियम से भरपूर भोजन चिंता को कम करने में मदद करते हैं।

कैफीन-शक्कर का सेवन सीमित करें: अधिक कैफीन और शक्कर शरीर में एड्रेनलीन हॉर्मोन को बढ़ाते हैं, जिससे चिंता बढ़ सकती है।

ओमेगा-3 फैटी एसिड: मछली, अलसी, अखरोट में पाए जाने वाले ओमेगा-3 फैटी एसिड दिमाग की कार्यक्षमता सुधारते हैं और तनाव को कम करते हैं।

पर्याप्त पानी पिएं: डिहाइड्रेशन से मानसिक थकावट और चिंता बढ़ सकती है। इसलिए पानी खूब पिएं, नारियल पानी-जूस भी पिएं।

व्यायाम-योगाभ्यास: रोजाना 30 मिनट की हल्की-फुल्की एक्सरसाइज या योगाभ्यास करने से मानसिक तनाव कम होता है। रोज एक किलोमीटर की वॉक करें, यह एंग्जायटी रोकती है। साथ ही ध्यान, मानसिक स्थिति को शांत करता है और तनाव को कम करता है।

पर्याप्त नींद लें: नींद की कमी से भी चिंता और तनाव बढ़ता है, इसलिए डेली सात से आठ घंटे अच्छी नींद बहुत जरूरी है। a

(क्लिनिकल डाइटीशियन-कंसल्टेंट न्यूट्रिशनिस्ट कनिका मल्होत्रा से बातचीत पर आधारित)

अप्रतिनिधित्व क्षेत्रों में डीलरशिप एवं ASM या SR हेतु संपर्क करें
Mobile: 9285163700, Email: gdc.indore@gmail.com

हरिभूमि

जबलपुर

मंगलवार 25 नवंबर 2025
- अगहन मास कृष्ण पक्ष-5
- वर्ष : 20, अंक : 207
- पृष्ठ 2+6+6=14 मूल्य : 3.00 *

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मौसम
अधि. 27
न्यून. 15

5 भारत को क्लीन स्वीप का खतरा...

विचार पेज
10 लोकतंत्र की गीता हमारा संविधान

हरियाणा के छोटे गांव पेटवाड़ से निकले जस्टिस सूर्यकांत दृढ़ इच्छाशक्ति व परिश्रम की सबसे बड़ी मिसाल

जस्टिस सूर्यकांत 53वें प्रधान न्यायाधीश बने, हिंदी में ली शपथ जस्टिस गवई ने लगाया गले, अपनी आधिकारिक कार भी छोड़ी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

धूप की तपिश में पसीने से तरबतर एक दुबला-पतला किशोर अपने भाइयों के साथ मेहनत करने में मशगूल था। अचानक उसने थ्रेशर मशीन बंद कर दी, आसमान की ओर देखा और बुलंद आवाज में कहा कि मैं अपनी जिंदगी को बदल दूंगा.... हरियाणा के छोटे गांव पेटवाड़ से निकले जस्टिस सूर्यकांत अब भारत के 53वें प्रधान न्यायाधीश बन गए हैं। राष्ट्रपति भवन में सोमवार को जस्टिस सूर्यकांत ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई, उनके शपथ ग्रहण की खास बात ये रही कि उन्होंने ये हिंदी में ली। जस्टिस सूर्यकांत 24 नवंबर, 2025 से 9 फरवरी, 2027 तक लगभग 15 महीने देश की सर्वोच्च अदालत का नेतृत्व करेंगे। इस समारोह के बाद पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई ने एक नई मिसाल पेश की और अपने उत्तराधिकारी जस्टिस सूर्यकांत के लिए अपनी आधिकारिक कार भी छोड़ी।

शपथ ग्रहण के बाद न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सुप्रीम कोर्ट में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की

जस्टिस सूर्यकांत 24 नवंबर 2025 से 9 फरवरी 2027 तक 15 महीने देश की सर्वोच्च अदालत का नेतृत्व करेंगे

राष्ट्रपपति द्रौपदी मुर्मू ने शपथ दिलाई

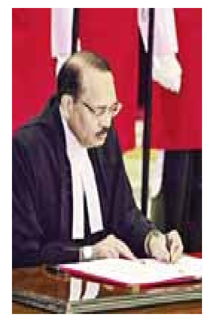
शपथ के बाद हस्ताक्षर

पूर्व सीजेआई ने गले लगाया

समारोह में पीएम मोदी समेत दिग्गज रहे मौजूद

छह देशों के चीफ जस्टिस परिजनों समेत हुए शामिल

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत का शपथ ग्रहण ऐतिहासिक रहा क्योंकि इसमें छह देशों- भूटान, केन्या, मलयेशिया, मॉरिशस, नेपाल और श्रीलंका के मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के जज शामिल हुए। यह पहली बार है कि किसी भारतीय मुख्य न्यायाधीश के शपथ ग्रहण में इतनी संख्या में विदेशी न्यायिक प्रतिनिधिमंडल शामिल हुए।

कोर्ट नंबर 1 में सीजेआई सूर्यकांत ने शुरू किया काम

सीजेआई सूर्यकांत ने सुप्रीम कोर्ट के कोर्ट नंबर 1 में अपना काम शुरू कर दिया है। कोर्टरूम में मौजूद वकीलों ने नए सीजेआई, जस्टिस सूर्यकांत का स्वागत किया और उन्हें बधाई दी, जब उन्होंने बेंच पर जस्टिस जॉयमाल्या बागची और अतुल एस. चंदुरकर के साथ सुप्रीम कोर्ट में आधिकारिक कार्यवाही शुरू की।

खबर संक्षेप

मनचले को दो महिलाओं जमकर धुन डाला

उज्जैन। नागदा में नाबालिग लड़की को परेशान करने के मामले में महिलाओं ने आरोपी की जमकर पिटाई कर दी। इसके बाद मौके पर मौजूद भीड़ ने भी आरोपी को पीटा, जिससे वह लहूलुहान हो गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। जिसमें दो महिलाएं अधेड़ उम्र के आरोपी को चप्पलों से पीटते दिख रही हैं।

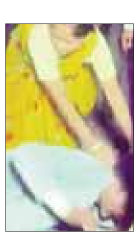

आजाद हिंद फौज के सिपाही शास्त्री नहीं रहे

बैतूल। आजाद हिंद फौज के सिपाही राधाकृष्ण (राधा किशन) सिंह शास्त्री का 105 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने सोमवार को अंतिम सांस ली। सिंह का जन्म 1 जनवरी 1920 को बर्मा (म्यांमार) में हुआ था। वे माता-पिता के साथ भारत-बर्मा आते-जाते रहते थे। स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में उन्हें सम्मानित किया था।

एंबुलेंस नहीं मिली, प्रसूता ने सड़क पर बच्ची जन्मी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शिवपुरी

शिवपुरी जिले के छर्च-पोहरी मार्ग पर एंबुलेंस न मिलने के कारण एक प्रसूता ने सड़क पर ही बच्ची को जन्म दिया। परिजनों ने स्वास्थ्य विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। यह घटना तब हुई जब महिला को छर्च के स्वास्थ्य केंद्र से पोहरी रेफर किया गया, लेकिन जननी 108 एंबुलेंस उपलब्ध नहीं हो पाई। छर्च गांव की 30 वर्षीय मंजू जाटव पत्नी राजू जाटव को सोमवार सुबह डिलीवरी के लिए छर्च के स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था। परिजनों के मुताबिक, उन्होंने 108 जननी एंबुलेंस के लिए कॉल किया, लेकिन उन्हें बताया गया कि एंबुलेंस आने में देरी होगी और किराए का वाहन लेने की सलाह दी गई। पोहरी से लगभग 15 किलोमीटर पहले मंजू की पीड़ा असहनीय हो गई। परिजनों ने उसे कार से उतारकर सड़क किनारे लाया, जहां उसने बच्ची को जन्म दिया। पोहरी के बीएमओ डॉ. दीक्षांत गुधैनियां ने कहा कि यदि एंबुलेंस समय पर उपलब्ध होती, तो शायद सड़क पर डिलीवरी की नौबत नहीं आती।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजधानी में वाटर शेड महोत्सव का किया शुभारंभ

जपं उपाध्यक्षों के सुझावों पर होगा अमल सरपंच 25 लाख रु. तक कर सकेंगे खर्च

जल गंगा संवर्धन अभियान में श्रेष्ठ कार्य करने वाले जिलों में खंडवा प्रथम, रायसेन द्वितीय, बालाघाट तृतीय

सीएम ने कहा कि पंचायतों को प्रशासनिक रूप से दक्ष, वित्तीय रूप से सक्षम और सामुदायिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना प्राथमिकता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जिला पंचायत और जनपद पंचायतों के उपाध्यक्ष अभी शिक्षा समितियों के अध्यक्ष होते हैं, लेकिन निरीक्षण के दौरान उनके सुझावों को शामिल नहीं किया जाता। अब उनकी ओर से किए विद्यालय के निरीक्षण और सुझावों को लिपिबद्ध किया जाएगा। राज्य शासन इन्हें अमल में लेकर कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने सरपंचों को पंचायत की गतिविधियों के लिए 25 लाख रुपए तक की राशि खर्च करने का अधिकार दिया है। यह तो केवल शुरुआत है, इस दिशा में आगे भी और पहल की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में पंचायतों को आत्मनिर्भर व समृद्ध बनाने के लिए आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी ने जब आत्मनिर्भर भारत और सुशासन का दृष्टिकोण रखा, तब उन्होंने स्पष्ट कहा था कि भारत की ताकत उसके गांवों, पंचायतों और जनसामान्य की सामूहिक शक्ति में निहित है।

मुख्यमंत्री ने जिलों के कलेक्टर एवं अधिकारियों को किया सम्मानित

घोषणाएं करते हुए सीएम डॉ.मोहन यादव

जिला, जनपद और पंचायत प्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यकः पटेल

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने कहा कि विकास और जनकल्याण गतिविधियों के बेहतर संचालन के लिए पंचायत प्रतिनिधियों और जिला जनपद अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। उन्होंने कहा कि गांवों में बीमारियां न हों, स्वच्छता के हरसंभव उपाय हों, गांव नशामुक्त हों, गांव में आपसी विवाद न हों और सामाजिक बुराइयों को रोकने में ग्राम पंचायतें सामूहिक इच्छा शक्ति के साथ कार्य करें, यह भी आदर्श आत्मनिर्भर पंचायत के लिए जरूरी है।

पंचायतें निवेश और निवास की बेहतर व्यवस्था के लिए बनाएं मास्टर प्लान

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पंचायतों को पीने के पानी का प्रबंध करने का अधिकार दिया है। निवेश और निवास की बेहतर व्यवस्था के लिए मास्टर प्लान बनाएं। इसकी शुरुआत विदिशा जिले से की जा रही है।

सीएम ने उत्कृष्टता के लिए सम्मान किया

संस्थाओं और नॉलेज पार्टनर संस्थाओं को पुरस्कृत किया

डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना वाटर शेड विकास 2.0 के तहत वाटर शेड महोत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों, सहयोगी संस्थाओं और नॉलेज पार्टनर संस्थाओं को पुरस्कृत भी किया। मुख्यमंत्री को पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद पटेल ने स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस मौके पर पंचायत और ग्रामीण विकास राज्यमंत्री श्रीमती राधा सिंह सहित बड़ी संख्या में जन-प्रतिनिधि, विषय-विशेषज्ञ व प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे। यह कार्यशाला 26 नवंबर तक चलेगी।

दिल्ली एयरपोर्ट पर टला बड़ा हादसा

आईएलएस सिग्नल खोया, अफगान की फ्लाइट गलत रनवे पर उतर गई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर रविवार को बड़ा हादसा होने से बच गया, जब काबुल से आ रही एरियाना अफगान एयरलाइंस की एक फ्लाइट गलती से उस रनवे पर उतर गई, जहां से उसी समय एक अन्य विमान टेक ऑफ कर रहा था। काबुल से दिल्ली आ रही अफगान एयरलाइंस फ्लाइट को रनवे 29 एल की अनुमति थी, लेकिन आईएलएस सिग्नल खोने के बाद वह 29 आर पर उतर गई।

आईएलएस एक प्रिसिजन रेडियो नेविगेशन सिस्टम

यह सिस्टम विमान को रनवे तक सुरक्षित पहुंचाता है

आईएलएस एक प्रिसिजन रेडियो नेविगेशन सिस्टम है, जो विमान को रात, खराब मौसम और कम दृश्यता की स्थिति में भी रनवे तक सुरक्षित तरीके से पहुंचाने में मदद करता है।

गुजरात से कुंजापुरी मंदिर दर्शन के लिए आए थे

बस लगभग 70 मीटर गहरी खाई में जा गिरी, 5 श्रद्धालुओं की मौत

टिहरी। जिले के नरेंद्रनगर कुंजापुरी मंदिर के समीप एक बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बस में 29 यात्री सवार थे, जो गुजरात से कुंजापुरी मंदिर दर्शन के लिए आए हुए थे। सोमवार दोपहर जिला नियंत्रण कक्ष टिहरी द्वारा एसडीआरएफ वाहिनी नियंत्रण कक्ष को थाना क्षेत्र नरेंद्रनगर के अंतर्गत कुंजापुरी–हिंडोलाखाल के पास एक बस के लगभग 70 मीटर गहरी खाई में गिरने की सूचना मिली। बस में 29 लोग सवार थे। मौके पर पहुंची पुलिस-प्रशासन की टीम ने बस से घायलों को निकालने के लिए रेस्क्यू शुरू किया। हादसे में पांच लोगों की मौत हुई है, जिनमें चार पुरुष और एक महिला शामिल है। तीन घायलों को एम्स ऋषिकेश और चार घायलों को श्रीदेव सुमन उप जिला चिकित्सालय नरेंद्रनगर में भर्ती कराया गया है। 17 लोग सामान्य है।

- **घायलों को नजदीक के अस्पतालों में भेजा गया**

खाई में गिरी हुई बस

एशियन जूडो चैंपियनशिप

सागर की यामिनी मौर्य ने चीन में जीता स्वर्ण पदक

कोरियाई खिलाड़ी को पटखनी दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सागर

हॉन्गकॉन्ग में आयोजित एशियन जूडो चैंपियनशिप में सागर की होनहार जूडो खिलाड़ी यामिनी मौर्य ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में कुल 18 देशों ने हिस्सा लिया था। यामिनी ने चारों मुकाबले जीते। फाइनल में उन्होंने कड़े मुकाबले में कोरिया की खिलाड़ी को हराकर गोल्ड मेडल हासिल किया। यामिनी मौर्य 57 किलोग्राम वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व कर रही थीं।

गोल्ड मेडल के साथ यामिनी

इंडिया गेट पर नक्सलियों का किया सपोर्ट

6 को पटियाला हाउस कोर्ट में किया गया पेश

पुलिस ने कोर्ट में दिखाए वीडियो

दिल्ली के प्रदूषण की 'आड़' में हिड़मा के समर्थन में लगाए नारे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के इंडिया गेट पर प्रदर्शन करने वालों में से 6 लोगों को सोमवार को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में 22 पर एफआईआर दर्ज की हैं। एक कर्तव्यपथ थाने में दूसरी पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने में एफआईआर दर्ज की गई है।

अदालत ने दिया महत्वपूर्ण फैसला

कोल्डड्रिंक में शराब पिलाकर नाबालिग से दुष्कर्म, तीन को आजीवन कारावास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बैतूल

जिले में विशेष न्यायालय (पॉक्सो एक्ट) ने नाबालिग बालिका से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में तीन आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने प्रत्येक आरोपी पर 38,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया है। यह फैसला अभियोजन द्वारा प्रस्तुत ठोस साक्ष्यों और डीएनए रिपोर्ट के आधार पर सुनाया गया।

बड़वानी में मानसिक रूप से कमजोर युवती से रेप

बड़वानी। *जिले के जुलवानिया थाना क्षेत्र में एक मानसिक रूप से विक्षिप्त युवती के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। सोमवार को पुलिस ने इस मामले में खरगोन जिले के बिस्टान निवासी आरोपी राकेश पिता सखाराम को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना रविवार रात में नीमघाट में हुई, जब 26 वर्षीय पीड़िता अलाव ताप रही थी।*

दो अलग खबरें

महोबा भाजपा जिला कार्यसमिति सदस्य पन्नालाल बिरयानी खाने से बीमार

40 की हाफ प्लेट में नेता जी को नहीं मिला स्वाद, पुलिस दुकान से उठा ले गई पतीले

बिरयानी को जब्त कर सैंपलिंग के लिए भेजा

पतीले ले जाती पुलिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छतरपुर

यहां भाजपा नेता को चिकन बिरयानी में मजा न आने पर नेता जी ने पुलिस से खराब बिरयानी होने की शिकायत कर दी। पुलिस ने नेता जी की शिकायत पर बिरयानी को जब्त कर सैंपलिंग के लिए भेजा है। जानकारी के मुताबिक छतरपुर शहर के थाना ओरछा रोड क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट नगर स्थित स्वादिष्ट चिकन बिरयानी की दुकान पर उस समय हड़कंप मच गया, जब महोबा भाजपा जिला कार्यसमिति सदस्य पन्नालाल अहिरवार बिरयानी खाने के बाद अचानक बीमार हो गए।

दरअसल, पन्नालाल अहिरवार एक मरीज को लेकर छतरपुर के निजी अस्पताल आए थे। दोपहर लगभग 12 बजे उन्होंने ट्रांसपोर्ट नगर में स्थित चिकन बिरयानी की दुकान से रु 40 की हाफ प्लेट बिरयानी खरीदी। बिरयानी खाने के दौरान उन्हें खराब स्वाद और गंध महसूस हुई। नेता जी बतौर फरियादी करीबी ओरछा रोड थाने पहुंच गए और बिरयानी वाले की शिकायत दर्ज कराई।

कुछ लोग कीमती वन्यजीव को ले जाकर तंत्र-क्रिया कर रहे थे

बालाघाट में कछुए से धन बरसाने की चल रही थी तैयारी, सभी 9 गिरफ्तार

अंधविश्वास से वन्यजीवों की तस्करी और क्रूरता के मामले बढ़े

म न्यूज ▶▶ बालाघाट

अंधविश्वास की गिरफ्त में आकर धनवर्षा की उम्मीद में कछुओं से तांत्रिक क्रिया करने निकले 9 लोगों को लांजी वन विभाग ने दबोच लिया।

टीम ने स्कॉर्पियो से दो जीवित कछुए बरामद किए, जो वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की अनुसूची-1 में शामिल अत्यंत संरक्षित प्रजाति है। वन परिक्षेत्र पश्चिम लांजी की टीम को देर रात सूचना मिली थी कि कुछ लोग कीमती वन्यजीव को ले जाकर तंत्र-क्रिया की तैयारी कर रहे हैं। सूचना मिलते ही कोसमारा–लांजी मार्ग पर फौरन नाकेबंदी कर दी गई। तलाशी के दौरान संदिग्ध स्कॉर्पियो (एमपी 39 बीबी 1128) रोकी गई। बैग चेक किए गए तो उनमें दो जीवित कछुए रखे मिले। गिरफ्तारी के बाद जब टीम ने आरोपियों से पूछताछ की तो बोले कि कछुओं से तंत्र कर धनवर्षा कराना चाहते थे।

जब्त किए गए कछुए

अनोखी बाइक! 1 लीटर तेल में चलती है 150 किमी

मीरजापुर में साइकिल का पंचर बनाने वाले शख्स ने एक अनोखी बाइक तैयार की है, जो एक लीटर पेट्रोल में 150 किलोमीटर तक चलती है। सुनकर अजीब लग रहा होगा, लेकिन यह सच है। शख्स ने पहली यात्रा मीरजापुर से अयोध्या तक पूरी की है। अब बाइक दौड़ाने के लिए पेट्रोल की चिंता नहीं पड़ेगी।

नई दिल्ली। बार-बार बाइक का फ्यूल मीटर नहीं देखना होगा। यूपी के मीरजापुर के एक शख्स ने कमाल कर दिया है। इस शख्स ने ऐसी बाइक तैयार की है जो एक लीटर पेट्रोल में 150 किलोमीटर तक जा सकेगी। लंबे सफर में पेट्रोल के बारे में नहीं सोचना पड़ेगा।

मीरजापुर के शख्स ने किया कमाल : मीरजापुर के अदलहाट स्थित विद्या संस्कार पब्लिक स्कूल कौड़ियांकला में आयोजित जनपद स्तरीय नवप्रवर्तन प्रदर्शनी में जय प्रकाश बिंद की इलेक्ट्रिक डोर मेट बाइक को पहला स्थान मिला है। यह बाइक 1 लीटर पेट्रोल से 150 किलोमीटर का सफर तय करती है। इसे पेटेंट के लिए भी चुना गया हैं। इस अनोखी बाइक को साइकिल की मरम्मत और पंचर बनाने वाले छानबे ब्लॉक के रायपुर सौनहा निवासी 50 वर्षीय लक्षनधारी बिंद ने तैयार किया है।

महज 40 हजार रुपए में हो गई तैयार

लक्षनधारी बिंद ने बताया कि इस बाइक को बनाने में करीब 40 हजार रुपए खर्च हुए हैं। इस मोटर साइकिल का नाम भी उन्होंने लक्षनधारी बाइक रखा है। लक्षनधारी विजयपुर बाजार में दूसरों की बाइक ठीक करते हैं। पांचवीं तक की पढ़ाई करने वाले लक्षनधारी बिंद ने कुछ समय पहले ही बाइक बनानी शुरू की। परिवार का पालन- पोषण करने के लिए वह साइकिल की मरम्मत और पंचर बनाने का काम भी करते थे।

मध्य प्रदेश की यात्रा की : इसके बाद उन्होंने मैहर देवी सतना मध्य प्रदेश की यात्रा की। उन्होंने बताया कि बाइक में साइकिल का पहिया लगा होने के कारण काफी आराम है। अगर वह खराब हो जाता है उसे नया लगवाने में 400 से 500 रुपए का खर्च आएगा। पंचर हो जाने पर करीब 15 रुपए का खर्च आएगा। जबकि बाइक का पहिया लगाने पर हजारों रुपए का खर्च आएगा।

5 लीटर पेट्रोल में 245 किलोमीटर का सफर

बाइक के लिए कई पार्ट्स उन्होंने कबाड़ से लिया। कुछ पार्ट्स अपने हाथों से बनाया। करीब साढ़े 3 महीने की अथक मेहनत के बाद उनकी बाइक बनकर तैयार हो गई। इस पर 40 हजार रुपये का खर्च आया। बाइक तैयार हो जाने के बाद उसकी गति का परीक्षण ब्लॉक की सड़कों पर किया गया। पहली बार इस बाइक से वह अयोध्या दर्शन करने गए। 5 लीटर पेट्रोल में वह करीब 245 किलोमीटर दूर अयोध्या राम मंदिर दर्शन करने पहुंच गए। साथ ही घर वापस भी आ गए।

डीएम ने दिया बाइक को पेटेंट कराने का आश्वासन

लक्षनधारी ने बताया कि उसकी बनाई गई बाइक को पेटेंट कराने के लिए जिलाधिकारी के माध्यम से आश्वासन मिला है। कहा गया है कि उसे अगर सरकारी स्तर पर सहयोग मिला तो वह हवा से चलने वाली कार भी बना सकता है, जो उनके दिमाग में बन चुका है. मदद मिलने पर उसे जमीन पर उतारना बाकी है।

हवा से चलने वाली कार बनाने की तमन्ना : गांव के ही विद्यालय में पढ़ने वाले लक्षनधारी बिंद को 6 संतान है। 2 लड़की, एक लड़के की शादी करने के साथ ही परिवार की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। जिन्हें बाइक पेटेंट होने के बाद हवा से चलने वाली कार बनाने की तमन्ना है। लक्षनधारी बिंद ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है वह अपने सपने को पूरा कर सकते हैं। बस उन्हें सरकारी मदद की चाह है।

अदाणी कॉन्क्लेव में राम और कृष्ण ने बताया- समय बदला है आदर्श नहीं

रीवा। अदाणी कॉर्पोरेट हाउस में आयोजित ग्लोबल इंडोलॉजी कॉन्क्लेव में दुनिया भर से आए विद्वान इंडोलॉजी, भारतीय दर्शन और सांस्कृतिक अध्ययन पर अपने शोध और अनुभव साझा कर रहे हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य वैश्विक अकादमिक जगत में भारतीय ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देना है। राम की शांति और कृष्ण की बुद्धि ने अदाणी कॉन्क्लेव को खास बना दिया। अदाणी ने शिक्षा मंत्रालय के इंडियन नॉलेज सिस्टम के साथ मिलकर आयोजित तीन दिवसीय ग्लोबल इंडोलॉजी कॉन्क्लेव में भारतीय सभ्यता, भाषा, दर्शन और सांस्कृतिक विरासत पर केंद्रित खास चर्चा की। एक विशेष सत्र में टीवी धारावाहिकों में राम और कृष्ण की भूमिका निभाने वाले प्रमुख कलाकार अरुण गोविल और नीतीश भारद्धाज ने समकालीन जीवन में इन दोनों पात्रों की प्रासंगिकता पर विस्तार से विचार रखे।

अदाणी ग्लोबल इंडोलॉजी कॉन्क्लेव के समारोह में अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने भारत नॉलेज ग्राफ निर्माण के लिए एक ऐतिहासिक प्रतिबद्धता की घोषणा की, उन्होनें कहा, "एक शुरुआत के तौर पर मैं भारत नॉलेज ग्राफ के निर्माण और इस इंडोलॉजी मिशन में योगदान देने वाले विद्वानों और तकनीकी विशेषज्ञों के समर्थन के लिए 100 करोड़ रुपये के संस्थापक योगदान की घोषणा करते हुए विनम्र महसूस कर रहा हूँ। यह एक सभ्यतागत ऋण की अदायगी है।" इस सत्र में भाग लेते हुए मेरठ से सांसद और रामायण में 'राम' की भूमिका निभा चुके अरुण गोविल ने कहा कि राम केवल एक धार्मिक पात्र नहीं बल्कि "मूर्तिमंत्र" हैं एक ऐसा आदर्श जो व्यक्ति और समाज दोनों को मार्ग दिखाता है। उन्होंने कहा कि रामायण केवल धर्मग्रंथ नहीं बल्कि पारिवारिक और सामाजिक रिश्तों का विस्तृत तानाबाना है, जो हर युग में प्रासंगिक रहता है। गोविल ने बताया कि राम का जीवन इसलिए प्रेरक है क्योंकि उन्होंने पुत्रधर्म और राजधर्म दोनों को समान संतुलन के साथ निभाया। उनके अनुसार, राम नैतिकता, मानवीय मूल्यों और सकारात्मकता के प्रतीक हैं और उनकी जीवन यात्रा अपने-आप में एक शिक्षावली सूत्र है।

महाभारत में 'कृष्ण' का किरदार निभाने वाले नीतीश भारद्धाज ने कहा कि कृष्ण ने त्रेता युग में स्थापित राम के आदर्शों को द्वापर युग में आगे बढ़ाया और उन्हें व्यावहारिक धरातल पर लागू किया। उन्होंने कहा, "सनातन हिंदू सभ्यता को विकसित करना ही धर्म है। कृष्ण ने परिवार, समाज और राष्ट्र के हित में निर्णय लेकर धर्म के व्यावहारिक स्वरूप को स्थापित किया।" भारद्धाज ने स्पष्ट किया कि राम और कृष्ण का चरित्र केवल पौराणिक संदर्भों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज और परिवार के कल्याण के लिए समयानुसार उचित निर्णय लेने की प्रेरणा देता है।

एग्रोविजन 2025 में सीएँनजी /सीबीजी ट्रैक्टर प्रदर्शित करके सोनालिका ने खेती में एक नए युग की शुरुआत का मार्ग प्रशस्त किया

नई दिल्ली। भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर 1 ब्रांड, सोनालीका ट्रैक्टर्स ने महाराष्ट्र के नागपुर में आयोजित भारत के प्रीमियर एग्री समिट 16वें एग्रोविजन 2025 में देश की हरित और लाभदायक कृषि हेतु एक बड़ी पहल की है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार शिवराज सिंह चौहान की गरिमामयी उपस्थिति में, सोनालीका ने अपना नया सीएनजी/सीबीजी ईंधन द्वारा संचालित ट्रैक्टर पेश किया है। यह ऐतिहासिक पेशकश भारत सरकार के सतत और गोबरधन कार्यक्रमों के साथ निकटता से जुड़ी हुई है, जिनका उद्देश्य देश के स्वच्छ ऊर्जा पारिस्थिति को मज़बूत करना है। इस नए अनावरण के साथ, सोनालीका ने भविष्य के लिए तैयार ट्रैक्टर बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को और मज़बूत किया है।

सोनालीका का बिल्कुल नया सीएँनजी /सीबीजी ट्रैक्टर विशेष रूप से हैवी-ड्यूटी ढुलाई के लिए डिज़ाइन किया गया है, जहाँ टॉर्क, विश्वसनीयता और ईंधन दक्षता महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसमें 2000 रेटेड RPM वाला एक ताक़तवर एवं ईंधन कुशल इंजन, साइड शिफ्ट गियर सिस्टम के साथ 12+3 कॉन्स्टेंट मेश ट्रांसमिशन और 14.9x28 पिछले टायर हैं जो बेहतर ढुलाई क्षमता प्रदान करते हैं। इसकी ईंधन क्षमता 40 किलोग्राम (14 किलोग्राम + 27 किलोग्राम) है, जिससे ईंधन भरने के अंतराल से जुड़ी चुनौतियाँ कम हो जाती हैं। एग्रोविज़न 2025 में, सोनालीका ने एक मज़बूत ट्रैक्टर + ट्रॉली सिस्टम प्रदर्शित किया है, जिसे अधिक कुशलता प्रदान करने और ग्रामीण भारत में सीएँनजी ईंधन हेतु तेज़ी से बढ़ते बुनियादी ढाँचे का लाभ उठाने के लिए विकसित किया गया है।

इस ऐतिहासिक अवसर पर अपने विचार साझा करते हुए, रमन मित्तल, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड, ने ट्रैक्टर के अनावरण के लिए श्री गडकरी के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा, "सोनालीका हमेशा इंजीनियरिंग की सफलताओं में सबसे आगे रहा है, और नया सीएँनजी/सीबीजी ट्रैक्टर हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। भारतीय खेती का भविष्य स्वच्छ, स्मार्ट और आर्थिक रूप से किफ़ायती तकनीकों में निहित है और हमें अपने नए सीएँनजी /सीबीजी ट्रैक्टर प्रदर्शित करने पर गर्व है जो सतत और गोबरधन योजनाओं के तहत भारत की हरित गतिशीलता को मज़बूत करने में एक निर्णायक कदम होगा। यह हैवी-ड्यूटी प्रदर्शन और विश्वसनीय समाधान का एक सही तालमेल प्रस्तुत करता है क्योंकि यह बेहतर ढुलाई क्षमता, संचालन खर्च में कमी और पर्यावरण के अनुकूल ईंधन प्रणाली प्रदान करता है। इनोवेशन सदा हमें आगे बढ़ाता है और हम स्वच्छ कल के निर्माण में योगदान करते हुए किसानों को समृद्ध कृषि भविष्य के साथ सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

इकलौता जीव! जो परमाणु हमलों के बाद भी लेता रहेगा सांस!

वॉशिंगटन। आज हम धरती पर मौजूद ऐसे जीव के बारे में बात कर रहे हैं जो परमाणु हमलों के बीच भी सांस लेता रह सकता हैं। जरा सोचकर देखिए कि शहरों पर परमाणु बम गिरने लगे चारों ओर धुआं और आग के गुबार हो, जमीन जल उठी हो हवा जहर बन गई हो। इंसान समेत सभी पशु पक्षियों का नामोनिशान मिट चुका हो और ऐसी तबाही के बीच तपती हुई धरती पर एक छोटा सा जीव जिंदा हो। आखिर इस जीव में ऐसी कौन सी शक्ति है जो न रेडिएशन से मरता है, न गर्मी से जलता हैं। हम धरती पर मौजूद जिस जीव की बात कर रहे हैं वो कोई और नहीं बल्कि कॉकरोच हैं। दरअसल, जब दूसरे विश्व युद्ध के दौरान 6 अगस्त 1945 को अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम से हमला किया तो विनाश का वो मंजर दिखा जिसने दुनिया को परमाणु पर नए सिरे से सोचने पर मजबूर कर दिया।

राशिफल

मेष — कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में व्यवधान आ सकते हैं, खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष — कार्यों के प्रति उत्साह रहेगा, परंतु बातचीत में संतुलित रहें। मन अशांत रहेगा, धर्म-कर्म के प्रति रुझान बढ़ेगा। खर्चों में वृद्धि होगी,स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

मिथुन — अपनी भावनाओं को वश में रखें, आत्मविश्वास में कमी आएगी। क्रोध के अतिरेक से बचें, पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती है।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी आएगी, शांत रहें। सुस्वाद खान-पान में रुचि बढ़ेगी,संचित धन में कमी आएगी, लेखनादि, बौद्धिक कार्यों से धर्नाजन हो सकता है।

सिंह — पठन-पाठन में रुचि रहेगी, पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, संपत्ति का विस्तार हो सकता है।

कन्या — नौकरी में परिवर्तन के साथ दूसरे स्थान पर भी जाना पड़ सकता है। आयात-निर्यात कारोबार में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला — आलस्य की अधिकता रहेगी, घर-परिवार की सुख सुविधाओं का विस्तार होगा। जीवन साथी से मनमुटाव हो सकता है। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

वृश्चिक — वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे,वस्त्रों आदि के प्रति रूझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। संचित धन में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं।

धनु — रहन-सहन में असहज रहेंगे, मीठे खान-पान की ओर रूझान बढ़ेगा। संपत्ति से आय में बढ़ोत्तरी हो सकती है, नौकरी में स्थान परिवर्तन संभव है।

मकर — आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, अध्ययन में रूचि रहेगी। संपत्ति के रखरखाव पर खर्चे बढ़ सकते हैं। चिकित्सा कार्यों में खर्च बढ़ सकते हैं।

कुंभ — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाना हो सकता है। खान-पान के प्रति सचेत रहें, स्वास्थ्य में गड़बड़ी हो सकती है।

मीन — रहन-सहन कष्टकारी हो सकता है, अफसरों का सहयोग मिलेगा। परिवार का भी सहयोग मिलेगा, वस्त्रों आदि पर खर्चों में वृद्धि हो सकती है।

किसी भी पल आग का दरिया बन सकते हैं ये देश

दुनिया के इन 5 देशों में मौजूद हैं सबसे ज्यादा ज्वालामुखी

लंदन। ज्वालामुखी धरती की ऊपरी परतो में बने शक्तिशाली छेद होते हैं और इनमें जमीन के नीचे से गर्म लावा, राख और गैसें बाहर निकलती हैं। कुछ देशों में ये इसलिए ज्यादा होते हैं क्योंकि ये धरती के सबसे सक्रिय टेक्टोनिक सीमाओं पर मौजूद हैं। आइए जानते हैं कि किन देशों में सबसे ज्यादा ज्वालामुखी हैं।

कैसे बनते हैं ज्वालामुखी?

ज्वालामुखी तब बनते हैं जब पिघली हुई चट्टान धरती की ऊपरी परत की दरारों से ऊपर आती है। यह अक्सर उन जगहों पर होता है जहां टेक्टोनिक प्लेटों की सीमाएं मिलती हैं और प्लेटें अलग-अलग दिशाओं में चलती हैं।

रूस

रूस के कामचटका प्रायद्वीप में लगभग 30 सक्रिय ज्वालामुखी हैं।इस क्षेत्र में दुनिया के कुछ सबसे ऊंचे और ज्यादा विस्फोट करने वाले ज्वालामुखी हैं।कामचटका की ऊबड़-खाबड़ जमीन प्रशांत प्लेट के यूरेशियन प्लेट के नीचे धंसने से बनी है।

चिली

चिली में एंडीज पर्वतमाला में 90 से ज्यादा सक्रिय ज्वालामुखी फैले हुए हैं। यहां लगातार और शक्तिशाली विस्फोट होते हैं जिसकी वजह नाज्का प्लेट का दक्षिण अमेरिका प्लेट के नीचे गति करना है। यहां विलारिका और लाइमा जैसे ज्वालामुखी हैं।

जापान

जापान में 100 से भी ज्यादा एक्टिव ज्वालामुखी मौजूद हैं क्योंकि यह 4 मुख्य टेक्टोनिक प्लेटों के मिलने की जगह पर स्थित है। इस कारण से जापान मे नियमित रूप से विस्फोट और हर साल हजारों भूकंप के झटके आते हैं।

संयुक्त राज्य अमेरिका

संयुक्त राज्य अमेरिका में लगभग 65 सक्रिय ज्वालामुखी हैं जिसमें से ज्यादातर ज्वालामुखी अलास्का में स्थित है। अकेले अलास्का में ज्वालामुखी गतिविधि कई देशों से ज्यादा है, क्योंकि यह रिंग ऑफ फायर के उत्तरी किनारे पर मौजूद हैं।

इंडोनेशिया

इंडोनेशिया में 130 से ज्यादा सक्रिय ज्वालामुखी मौजूद हैं जो पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा है। यह देश इंडो-ऑस्ट्रेलियन प्लेट, पैसिफिक प्लेट और यूरेशियन प्लेट के बीच में स्थित है, जिस वजह से यहां ज्वालामुखियों की संख्या इतनी ज्यादा है।

दुनिया की पहली ट्रांसपेरेंट जीप आर-पार दिखते हैं हर पार्ट्स

नई दिल्ली। अगर आप नई-नई कार और जीप के शौकीन हैं, तो आपको इस जीप की भी सवारी जरूर करनी चाहिए, लेकिन इसके लिए आपको अपनी जेब ज्यादा ही ढीली करनी पड़ सकती है। दरअसल, हम आपको बताने और दिखाने जा रहे हैं, दुनिया की पहली ट्रांसपेरेंट जीप, जो दूर से देखने में चांदी की तरह चमक रही है। सोशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो में एक शख्स को इस ट्रांसपेरेंट जीप के बारे में बताते देखा जा रहा है और साथ ही यह शख्स इसे स्टार्ट करने के बाद दिखा रहा है कि इसके कौन-कौन से इंटरनल पार्ट काम करते हैं।

शीशे की तरह चमक रही

वीडियो में आप देखेंगे कि चांदी और शीशे जैसी चमक रही ये जीप दिखने में कितनी सुंदर है। वीडियो में शख्स ने बताया है कि यह कोई शो पीस नहीं बल्कि चलने वाली कार है। सबसे पहले वह जीप के आगे लगी ग्रिल को दिखाता है और फिर इस जीप के इंजन की तरफ कैमरा ले जाता है। इंजन एरिया में आप जीप का एक-एक इंटरनल पार्ट आसानी से देख सकते हैं। यहां तक कि जीप का टर्बो भी साफ-साफ नजर आ रहा है। फिर यह शख्स इस जीप का सस्पेंशन दिखाता है और फिर इसका पिछला हिस्सा और इसकी ट्रांसपेरेंट सीट दिखाता है, जोकि शीशे की तरह चमक रही है।

बेटे ने बंक किया स्कूल तो पिता ने लगाई डांट, चाकू से कर दिया ताबड़तोड़ वार

कुआलालंपुर। बच्चों के गलती करने पर मां-बाप डांट लगाते ही है। घर में माता-पिता का डांटना बच्चों के लिए कभी-कभी सीख बन जाता है, लेकिन मलेशिया के सेतापाक इलाके में ये एक खौफनाक त्रासदी में बदल गया। 17 साल का एक फॉर्म 5 का स्टूडेंट, जो अभी पढ़ाई के आखिरी साल में था, स्कूल बंक करने पर पिता की साधारण सी डांट से इतना भड़क गया कि उसने घर में रखे चाकू से पिता पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। पीड़ित पिता, 47 साल का एक आम मजदूर है। इस अटैक में उसकी पीठ और बाएं हाथ पर गहरे घाव हो गए। खून से लथपथ हालत में उसे तुरंत कुआलालंपुर हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टर्स ने उसे कई टांके लगाए। रॉयल मलेशिया पुलिस ने लड़के को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। घटना की जांच चल रही है और तब तक बेटे को रिमांड पर रखा गया है। वॉन्गसा माजू डिस्ट्रिक्ट पुलिस चीफ एसीपी मोहम्मद लाजिम इस्माइल ने बताया कि घटना 17 नवंबर की शाम 6:42 बजे हुई, जब परिवार के घर में एक छोटी सी नोकझोंक ने हिंसक रूप ले लिया। पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, लड़का स्कूल नहीं गया था।

शब्द पहेली - 6058

बाएँ से दाएँ
1.महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाकाव्य-5
4.आज्ञापत्र, पतंगा-4
7.शरीर, बदन-2
8.होशियार, हुनरमंद-3
9.नस, नाड़ी-2
10.तीर रखने का पात्र-4
11.गधा, गर्दभ-2
13.जो बंदी हो-3
14.पत्नी, भार्या-2
15.दृष्टि, निगाह-3
17.खैरात, दक्षिणा-2
19.अपने ही घर में कैद होना-5
22.भाग्यवाला-5
25.जी, इच्छा-2
26.तन, काया-3
28.दुनिया, संसार-2
29.वेतन-3
30.भीगा हुआ-2
32.सागौन, एक प्रकार की मूल्यवान लकड़ी-4
34.परिणाम,हल,फ्रूट-2
36.सचेग-3
37.राजकपूर,नरगिस की फिल्म-2
38.चाणक्य के समय मगध की राजधानी-4
39.निरस्त करना-2,3

ऊपर से नीचे
1.आमिर,मनीषा कोइराला की फिल्म-2
2.रवि, सूर्य-3
3.तमाशा देखनेवाले-5
4.परीक्षण,जांच-3
5.सप्ताह का दिन-2
6.जो नापसंद हो (उर्दू-4)
7.गोविंदा व खुशबू की फिल्म-2,3
10.भाग्य,किस्मत-4
12.क्रिकेट में बनते हैं-2
16.नसीरुद्दीन शाह की एक फिल्म -3
17.खुजली-2
18.रस्सी पर अपराधी को लटकाना-2
20.आवश्यक-3
21.कैदी, बंधक-2
22.इसाई साध्वी-2
23.बालकपन-4
24.असावधान-5
25.महासमुद्र-5
26.सज्जनता, भद्रता-4
27.अभिषेक की फिल्म-2
31.मुद्दा (उर्दू-3)
33.वाचन करनेवाला-3
35.उद्देश्य-2
37.आगमन,आने का भाव-2

शब्द पहेली- 6057 का हल

उ	थ	ल	पु	थ	ल	■	मा	न	व	ता
त	न	■	ल	■	ल	ब्धा	ई	■	श	र
रा	■	आ	क	र्ष	क	■	न	स	■	को
धि	क्का	र	ना	■	■	अ	■	च	प	ल
का	■	क्ष	■	भा	गी	दा	र	■	र	■
र	म	ण	यो	ग्य	■	व	ज	न	दा	र
■	ह	■	ग	फ	ल	त	■	म	■	ह
द	ल	ना	■	ल	■	■	य	की	न	न
श	■	का	व्य	■	त	न	म	न	■	स
ह	य	■	स	ला	मी	■	रा	■	रा	ह
रा	ह	ज	न	■	ज	हा	ज	चा	ल	न

सूडोकु नवताल - 6068

मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6067 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

इटली ने लगातार तीसरी बार जीता डेविस कप, स्पेन को हराकर बादशाहत रखी बरकरार

मैटियो बेरेटिनी

एजेंसी ▶▶| बोलोग्ना

इटली ने यानिक सिनर की अनुपस्थिति के बावजूद स्पेन को हराकर लगातार तीसरी बार डेविस कप का खिताब जीता और इस तरह से इस प्रतिष्ठित टेनिस टूर्नामेंट में अपनी बादशाहत बरकरार रखी। सिनर की अनुपस्थिति में मैटियो बेरेटिनी और फ्लेवियो कोबोली इटली के लिए स्टार रहे।

इन दोनों ने अपने एकल मैच जीतकर इटली को फाइनल में स्पेन पर 2-0 की अजेय बढ़त दिलाई। यह इटली का लगातार तीसरा और कुल चौथा डेविस कप खिताब है। लगातार तीन खिताब जीतने वाला आखिरी देश अमेरिका था, जिसने 1968 से 1972 तक लगातार पांच खिताब जीते थे।

- सिनर की अनुपस्थिति में बेरेटिनी और कोबोली रहे स्टार
- इटली ने क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रिया और सेमीफाइनल में बेल्जियम को हराया था

सिनर ने नहीं लिया स्पर्धा में भाग

पिछले दो वर्षों में इटली को डेविस कप का खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले विश्व में दूसरे नंबर के खिलाड़ी सिनर ने अगले सत्र की तैयारी के लिए इस बार डेविस कप में भाग नहीं लिया। यही नहीं इटली के विश्व में आठवें नंबर के खिलाड़ी लोरेंजो मुसेट्टी भी नहीं खेल रहे थे। इटली को उनकी जरूरत नहीं पड़ी। उसने इस सप्ताह बोलोग्ना के सुपरटेनिस एरेना में अपने तीनों मैच 2-0 से जीते।

इटली ने पहली बार 1976 में जीता था डेविस कप

इटली ने क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रिया तथा सेमीफाइनल में बेल्जियम को हराया। स्पेन भी अपने स्टार खिलाड़ी और विश्व में शीर्ष रैंकिंग वाले कार्लोस अल्काराज के बिना खेल रहा था। फाइनल में बेरेटिनी ने पाब्लो कैरेनो बुस्टा को 6-3, 6-4 से हराया। उसके बाद कोबोली ने जौम मुनार को 1-6, 7-6 (5), 7-5 से हराकर इटली की जीत सुनिश्चित की। इटली ने पहली बार 1976 में डेविस कप जीता था। उसके बाद उसने 2023 और 2024 में मलागा में खिताब जीता था। यह पहली बार है जब उसने अपनी धरती पर जीत हासिल की है। छह बार का चैंपियन स्पेन 2019 के बाद पहली बार खिताबी मुकाबले में खेल रहा था।

डेविस कप की मेजबानी के इच्छुक दिल्ली, कर्नाटक

नई दिल्ली। भारत अगले साल फरवरी में नीदरलैंड के खिलाफ डेविस कप क्वालीफायर की मेजबानी करेगा और यह मुकाबला हार्डकोर्ट पर ही होने की संभावना है क्योंकि दिल्ली और कर्नाटक दोनों ने मैचों की मेजबानी की इच्छा जताई है। भारत ने सितंबर में विश्व ग्रुप वन में स्विटजरलैंड को 3-1 से हराकर क्वालीफायर में प्रवेश किया। वहीं डच टीम को क्वालीफायर के दूसरे दौर में अर्जेंटीना ने इसी अंतर से मात दी। क्वालीफायर का पहला दौर छह या सात फरवरी या सात और आठ फरवरी को होगा। ड्रॉ रविवार की शाम को निकाले गए। पिछली बार दोनों टीमों का सामना 2003 में हुआ था जब नीदरलैंड ने भारत को 5- 0 से मात दी थी।

खबर संक्षेप

पाकिस्तान ने जिम्बाब्वे को हराया, तारिक ने लगाई हैट्रिक

रावलपिंडी। रहस्यमयी स्पिनर उस्मान तारिक की हैट्रिक की बदौलत पाकिस्तान ने जिम्बाब्वे को 69 रन से हराकर टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में प्रवेश कर लिया। तारिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 18 रन देकर चार विकेट लिए, जिससे ज़िम्बाब्वे 19 ओवर में 126 रन पर आउट हो गया। पाकिस्तान की यह टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत है। टूर्नामेंट की तीसरी टीम श्रीलंका है। जिम्बाब्वे के लिए रयान बर्ल ने 49 गेंदों पर नाबाद 67 रन बनाए। उन्होंने रिचर्ड नगारवा (05) के साथ आखिरी विकेट के लिए 44 रन की साझेदारी की। इससे पहले बाबर आजम (74) और साहिबजादा फरहान (63) के अर्धशतकों की बदौलत पाकिस्तान ने 20 ओवरों में पांच विकेट पर 195 रन बनाए। फखर जमां ने आखिरी क्षणों में 10 गेंदों पर नाबाद 27 रन की पारी खेली।

प्रो टी20 लीग खेलेंगे आकर्षण हरभजन-स्टेन

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन और हरभजन सिंह तथा दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज तेज गेंदबाज डेल स्टेन और ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर शेन वाटसन 26 जनवरी से 4 फरवरी तक गोवा में होने वाली लीजेंड्स प्रो टी20 लीग में आकर्षण का केंद्र होंगे। आयोजकों ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क को लीग आयुक्त नियुक्त किया गया है। इस लीग में छह फ्रेंचाइजी आधारित टीम और 90 दिग्गज खिलाड़ी हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिताओं के मुकाबलों का आयोजन 1919 स्पोर्ट्ज क्रिकेट स्टेडियम में किया जाएगा।

हेजलवुड ब्रिस्बेन टेस्ट से बाहर, कमिंस की वापसी!

पर्थ। ब्रिस्बेन में होने वाले दूसरे एशेज टेस्ट मैच से बाहर रहेंगे, जो गुलाबी गेंद से खेला जाएगा, लेकिन टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि वह सीरीज़ में आगे चलकर अहम भूमिका निभा सकते हैं, जबकि कप्तान पैट कमिंस अगले हफ़्ते गाबा में वापसी कर सकते हैं। दूसरा टेस्ट 29 दिसंबर से शुरू होगा। हेजलवुड शेफ़ील्ड शील्ड के दौरान हुई हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण पर्थ के पहले मैच से बाहर हो गए थे। वह अपना रिहैब जारी रखने के लिए ब्रिस्बेन में टीम से जुड़ेंगे और मुख्य कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड को उम्मीद है कि वह सीरीज के अंत में उपलब्ध रहेंगे। मैकडॉनल्ड ने कहा कि वह (हेजलवुड) अपने रिहैब के पहले हफ़्ते में काम कर रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि हमें इस बारे में कोई अपडेट देने की जरूरत है। एक बार जब वह आगे बढ़ेंगे और हमारे पास कुछ अनुमानित समय-सीमाएं होंगी।

गुवाहाटी टेस्ट : भारतीय बल्लेबाजों का गैर जिम्मेदाराना रवैया, पहली पारी 201 रन पर सिमटी

भारत को क्लीन स्वीप का खतरा, यानसन का कहर, दक्षिण अफ्रीका के पास 314 रन की लीड

एजेंसी ▶▶| गुवाहाटी

कप्तान ऋषभ पंत सहित प्रमुख बल्लेबाजों के गैर जिम्मेदाराना रवैए से अपने विकेट इनाम में देने के कारण भारतीय टीम सोमवार को अपनी पहली पारी में 201 रन पर सिमट गई, जिससे दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच में मजबूत शिकंजा कसकर श्रृंखला में क्लीन स्वीप करने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। अपनी पहली पारी में 489 रन बनाने वाले दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 288 रन की बढ़त हासिल की।

उसने भारत को फॉलोऑन देने की बजाय दूसरी पारी में बल्लेबाजी करना उचित समझा। उसने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 26 रन बनाए हैं और उसकी कुल बढ़त 314 रन की हो गई है। खराब रोशनी के कारण जब तीसरे दिन का खेल समाप्त घोषित किया गया तब एडेन मार्क्रम 12 और रयान रिकलेटन 13 रन पर खेल रहे थे।

10 साल बाद हुआ बड़ा कारनामा

मार्को यानसन 19.5 ओवर में 48 रन देकर भारत के 6 बल्लेबाजों का शिकार किया। इसके साथ ही यानसन ने भारतीय सरजमीं पर बड़ा कारनामा कर दिखाया। यानसन भारत की धरती पर टेस्ट क्रिकेट में 5 या उससे ज्यादा विकेट चटकाने वाले महज चौथे साउथ अफ्रीकी तेज गेंदबाज बन गए हैं। यही नहीं, 10 साल बाद भारत में कोई साउथ अफ्रीकी तेज गेंदबाज 5 विकेट टेस्ट में हासिल करने में कामयाब हुआ है। इससे पहले लांस क्लूसनर (1996), डेल स्टेन (2008, 2010) और काइल एबॉट (2015) ने यह बड़ा कारनामा किया था।

सुंदर -कुलदीप ने जोड़े 8वें विकेट के लिए 72 रन

भारतीय बल्लेबाजों को अपने निचले क्रम के बल्लेबाज वाशिंगटन सुंदर (92 गेंद पर 48 रन) और कुलदीप यादव (134 गेंद पर 19 रन) से सीख लेनी चाहिए, जिन्होंने सात विकेट 122 रन पर गिरने के बाद आठवें विकेट के लिए 72 रन जोड़े। उनकी साझेदारी टूटने के बाद भारतीय पारी सिमटने में देर नहीं लगी। यशस्वी जायसवाल (97 गेंदों में 58 रन) ने स्ट्रोक्स से भरपूर अर्धशतक जड़ा, लेकिन हार्मर की एक गेंद ने अचानक उछाल लिया, जिस पर वह गच्चा खा गए और यानसन को कैच दे बैठे। केएल राहुल (22) आउट होने वाले पहले बल्लेबाज थे। वह भी जायसवाल के साथ 65 रन की साझेदारी के दौरान अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे लेकिन केशव महाराज और हार्मर की दो गेंद ऐसी थी, जिसने सुबह के सत्र का रुख पूरी तरह बदल दिया।

जायसवाल खास क्लब में शामिल

जायसवाल सचिन तेंदुलकर के बाद दूसरे ऐसे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने 24 साल की उम्र से पहले सबसे ज्यादा 50 से ज़्यादा स्कोर बनाए हैं और 21वीं सदी में ऐसा करने वाले पहले खिलाड़ी हैं। टेस्ट क्रिकेट के 148 साल के इतिहास में सिर्फ छह खिलाड़ियों ने यह अनोखी कामयाबी हासिल की है, जिसमें एलिस्टर कुक और केन विलियमसन ही ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने जनरेशन बदलने के बाद से ऐसा किया है। सचिन तेंदुलकर ने अपने 24वें तक जन्मदिन तक 1989 से 1997 के बीच 29 बार टेस्ट में 50 प्लस का स्कोर किया था।

यानसन ने 48 रन देकर लिए 6 विकेट

दक्षिण अफ्रीका की तरफ से मार्को यानसन सबसे सफल गेंदबाज रहे। दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी में 93 रन बनाने वाले इस तेज गेंदबाज ने 48 रन देकर 6 विकेट लिए। उन्होंने अपने लंबे कद का अच्छा फायदा उठाकर भारतीय बल्लेबाजों को अपनी शॉर्ट पिच गेंदों से निशाना बनाया। ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर (64 रन देकर तीन विकेट) ने उनका अच्छा साथ दिया। मार्क्रम ने पांच कैच लेकर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्कोर बोर्ड

दक्षिण अफ्रीका पहली पारी: 489

भारत पहली पारी	रन	गेंद	4	6
जायसवाल का यानसेन बो हार्मर	58	97	7	1
राहुल का मारक्रम बो महाराज	22	63	2	0
सुदर्शन का रिकेल्टन बो हार्मर	15	40	2	0
जुरेल का महाराज बो यानसेन	00	11	0	0
पंत का वेरेनबो यानसेन	07	8	0	1
जडेजा का मारक्रम बो यानसेन	06	18	0	0
रेड्डी का मारक्रम बो यानसेन	10	18	1	0
सुंदर का मारक्रम बो हार्मर	48	92	2	1
यादव का मारक्रम बो यानसेन	19	134	3	0
बुमराह का वेरेन बो यानसेन	05	25	1	0
सिराज नाबाद	02	6	0	0

अतिरिक्त: 09, कुल : 83.5 ओवर में 201/10 रन
गेंदबाजी : यानसेन 19.5-5-48-6, मुल्डर 10-5-14-0, महाराज 15-1-39-1, हार्मर 27-6-64-3, मारक्रम 10-1-26-0, मुथुसामी 2-0-2-0

दक्षिण अफ्रीका दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
रेयान रिकेल्टन नाबाद	13	25	1	0
मारक्रम नाबाद	12	23	2	0

अतिरिक्त: 01, कुल : आठ ओवर में 26 रन
गेंदबाजी: बुमराह 3-0-13-0, सिराज 3-1-8-0, जडेजा 1-0-2-0, कुलदीप 1-0-2-0.

बधिर ओलंपिक

प्रांजलि का शानदार प्रदर्शन, जीता दूसरा गोल्ड मेडल, टॉप-5 में भारत

टोकियो। भारतीय निशानेबाज प्रांजलि प्रशांत धूमल ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, जो डेफलिम्पिक्स (बधिर ओलंपिक) में उनका तीसरा पदक है। इससे पहले उन्होंने अभिनव देशवाल के साथ मिश्रित पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण और महिला एयर पिस्टल में रजत पदक जीता था। महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में यूक्रेन की मोसिना हालिना ने रजत और कोरिया की जियोन जिवोन ने कांस्य पदक जीता। भारत की एक अन्य खिलाड़ी और महिलाओं की एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली अनुया प्रसाद चौथे स्थान पर रहीं। प्रांजलि ने 600 में से 573 अंक के नए क्वालीफिकेशन विश्व रिकॉर्ड के साथ फाइनल में प्रवेश किया था। उन्होंने पिछले वर्ष जर्मनी में विश्व बधिर निशानेबाजी चैंपियनशिप में बनाए गए अपने ही रिकॉर्ड में सुधार किया। अनुया प्रसाद क्वालीफिकेशन में 569 स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं।

भारतीय निशानेबाजों ने जीते प्रतियोगिता में 16 पदक

प्रांजलि ने फाइनल में 34 अंक बनाए, जो मोसिना से दो अंक ज़्यादा थे, जिन्होंने रजत पदक जीता। जियोन ने 30 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। उन्होंने शूटआउट में भारत की अनुया प्रसाद को हराया। रविवार को अभिनव देशवाल ने पुरुषों की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था जो बधिर ओलंपिक की निशानेबाजी प्रतियोगिता में भारत का 15वां पदक था। भारतीय निशानेबाजों ने बधिर ओलंपिक में अब तक सात स्वर्ण, छह रजत और तीन कांस्य सहित 16 पदक जीते हैं। निशानेबाजी स्पर्धाओं का समापन मंगलवार को पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा के साथ होगा।

टेनिस

17 से डब्ल्यूटीएल, एक टीम में मेदवेदेव और बोपन्ना

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

रूस के स्टार खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव और अनुभवी भारतीय रोहन बोपन्ना 17 से 20 दिसंबर तक होने वाली विश्व टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) के लिए एक ही टीम में खेलेंगे जबकि सुमित नागल उस टीम का हिस्सा हैं, जिसमें दुनिया के पूर्व नंबर छह खिलाड़ी गेल मोनफिल्स शामिल हैं।

निक किर्गियोस और कनाडा के स्टार डेनिस शापोवालोव भी चार टीम की इस फ्रेंचाइजी आधारित प्रतियोगिता में आकर्षण का केंद्र होंगे। एसएम कृष्णा टेनिस स्टेडियम में होने वाले 2025 सत्र में चार टीम में 16 अंतरराष्ट्रीय और भारतीय खिलाड़ी शामिल होंगे। यह टूर्नामेंट तीन सत्र के बाद पहली बार यूएई के बाहर आयोजित हो रहा है। पिछले महीने अल्माटी ओपन का खिताब जीतने वाले दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी मेदवेदेव मौजूदा चैंपियन गेम चेंजर्स फाल्कन्स के लिए खेलेंगे। टीम में उनके साथ दिग्गज युगल खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और अन्य खिलाड़ी भी होंगे।

टीमें इस प्रकार

गेम चेंजर्स फाल्कन्स : डेनियल मेदवेदेव, रोहन बोपन्ना, मैग्डा लिनेट और सहजा यमलापल्ली।
वीबी रियल्टी हॉक्स : डेनिस शापोवालोव, युकी भांबरी, एलिना स्वितोलिना और माया रेवती।
ऑसी मैवरिक्स काइट्स : निक किर्गियोस, दक्षिणेश्वर सुरेश, मार्टा कोस्त्युक और अंकिता रैना।
एओएस ईगल्स : गेल मोनफिल्स, सुमित नागल, पाउला बडोसा और श्रीवल्ली भामिदिपति।

टीम को मेदवेदेव के कोर्ट पर दबदबे का फायदा

गेम चेंजर्स फाल्कन्स के अमनदीप सिंह ने कहा, 'टीम को मेदवेदेव के कोर्ट पर दबदबे और बोपन्ना की युगल में विशेषज्ञता का फायदा मिलेगा। मैग्डा और सहजा के आने से टीम में गहराई और विविधता आएगी, जिससे हम आगे एक रोमांचक सत्र की उम्मीद कर रहे हैं।' शापोवालोव पदार्पण कर रहे वीबी रियल्टी हॉक्स की अगुआई करेंगे, जिसमें भारत के युकी भांबरी भी शामिल हैं। विंबलडन 2022 के फाइनल में जगह बनाने वाले किर्गियोस ऑसी मैवरिक्स काइट्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। मोनफिल्स और नागल को एओएस ईगल्स टीम में जगह मिली है।

विलियमसन की न्यूजीलैंड टीम में वापसी, वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलेंगे टेस्ट

वेलिंगटन। केन विलियमसन को अगले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए न्यूजीलैंड की 14 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। विलियमसन जिम्बाब्वे में न्यूजीलैंड की पिछली टेस्ट श्रृंखला और इस सत्र में अब तक सीमित ओवरों के अधिकतर मैचों में नहीं खेल पाए थे। विलियमसन का न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ सीमित अनुबंध है, जो उन्हें विदेशी लीगों में खेलने की अनुमति देता है, जबकि वे उपलब्ध होने पर न्यूजीलैंड के लिए भी खेल सकते हैं। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा, 'मैदान पर केन की क्षमता से सभी अच्छी तरह से अवगत हैं। उनकी वापसी से हमारी टेस्ट टीम को मजबूती मिलेगी।' तेज गेंदबाज जैक फॉल्क्स, जैकब डफी और ब्लेयर टिकनर को भी टीम में चुना गया है। फॉल्क्स ने अगस्त में ज़िम्बाब्वे के खिलाफ अपने पहले टेस्ट मैच में नौ विकेट लिए थे। टिकनर ने न्यूजीलैंड के लिए आखिरी टेस्ट मैच 2023 में खेला था। डेरिल मिशेल भी टीम में वापसी कर रहे हैं, जो वेस्ट इंडीज के खिलाफ न्यूजीलैंड की हालिया एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान लगी कमर की चोट से उबर चुके हैं।

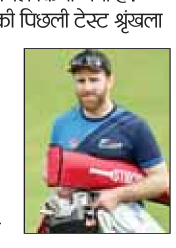

निखिल चौधरी ने ऑस्ट्रेलिया में रचा इतिहास शील्ड में सेंचुरी जड़ने वाले बने पहले भारतीय

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टीम इंडिया साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में व्यस्त है, वहीं एक भारतीय क्रिकेटर ऑस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित घरेलू प्रतियोगिता शेफील्ड शील्ड में अपने बल्ले से धमाल मचा रहा है। पंजाब की ओर से लिस्ट-ए क्रिकेट खेल चुके निखिल चौधरी ने इतिहास रचते हुए इस सदी में शेफील्ड शील्ड में शतक लगाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया है।

163 रनों की धमाकेदार पारी

निखिल चौधरी ने न्यू साउथ वेल्स के खिलाफ तस्मानिया की ओर से खेलते हुए 163 रन की विस्फोटक पारी खेली। उनकी बल्लेबाजी की बदौलत तस्मानिया ने तीसरे दिन देर शाम 8/623 पर घोषित करते हुए 232 रनों की विशाल बढ़त हासिल की। इससे पहले केलिब ज्वेल ने 102 रन बनाए थे, जबकि 24 नवंबर को टिम वॉर्ड और चौधरी दोनों ने शतक जड़े और टीम का स्कोर शील्ड इतिहास के अपने दूसरे सबसे बड़े टोटल तक पहुंचा दिया।

दिल्ली से ऑस्ट्रेलिया तक का सफर

29 साल के चौधरी 2020 में ऑस्ट्रेलिया आए और कोविड-19 महामारी के कारण वहीं फंस गए। बाद में वे ऑस्ट्रेलिया के स्थायी निवासी बने, हालांकि भारतीय नागरिकता उनकी अभी भी बरकरार है। क्वीनसलैंड की क्लब क्रिकेट में उनके प्रदर्शन ने तस्मानिया के असिस्टेंट कोच जेम्स होप्स का ध्यान खींचा, जिनकी सिफारिश पर उन्हें बीबीएल में मौका मिला। पिछले सीजन वे तस्मानिया शिफ्ट हो गए और इस साल उन्हें लिस्ट-ए और फर्स्ट-क्लास दोनों में मौके मिल रहे हैं।

आज से शुरू सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 टूर्नामेंट

श्रीकांत और प्रणय को करना होगा कड़ी चुनौती का सामना

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

सीनियर बैडमिंटन खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत और एचएस प्रणय इस सत्र का अंत जीत के साथ करना चाहेंगे लेकिन उन्हें मंगलवार 25 नवंबर से शुरू हो रहे सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 टूर्नामेंट में युवा खिलाड़ियों की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा, जो शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ खुद को परखने के लिए तैयार हैं।

इस 240,000 डॉलर इनामी प्रतियोगिता की चमक भी कुछ कम हो गई है, क्योंकि अमेरिकी ओपन चैंपियन आयुष शेट्टी ने हाल ही में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लेने के बाद अंतिम समय में इस प्रतियोगिता से अपना नाम वापस ले लिया। पूर्व चैंपियन श्रीकांत को मलेशिया मास्टर्स में उपविजेता बनकर नई ऊर्जा मिली थी, लेकिन वह उस लय को बरकरार नहीं रख पाए। अब घरेलू धरती पर होने वाले टूर्नामेंट से उन्हें साल का अंत सकारात्मक तरीके से करने का एक और मौका मिलेगा।

प्रणय जीत हासिल करने के लिए बेताब

प्रणय भी जीत हासिल करने के लिए बेताब हैं। उन्होंने हाल में जापान मास्टर्स और ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लिया था लेकिन वहां अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। वह अब घरेलू दर्शकों के सामने अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। पांचवीं वरीयता प्राप्त श्रीकांत का पहला मुकाबला मीराबा लुवांग मैसनाम से जबकि तीसरी वरीयता प्राप्त प्रणय का सामना पहले दौर में कविन थंगम से होगा। सभी की निगाहें छठे वरीय थारुण मन्नेपल्ली पर भी होंगी, जो सतीश कुमार करुणाकरण से भिड़ेंगे, जबकि एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम भी मनराज सिंह के खिलाफ अपने पहले मैच में अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे।

ओकुहारा होगी स्पर्धा में शामिल

महिला एकल वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त और पूर्व विश्व चैंपियन जापान की नोजोमी ओकुहारा इस प्रतियोगिता का आकर्षण होगी। भारतीय टीम में शीर्ष वरीयता प्राप्त उन्नति हुड्डा शामिल हैं, जो अपने पहले मैच में आकर्षि कश्यप से भिड़ेंगी। तस्नीम मीर का सामना अदिति भट्ट से होगा और अनमोल खरब अपने पहले मैच में जापान की पांचवीं वरीयता प्राप्त हिना अकेची से भिड़ेंगी। विश्व जूनियर रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा का मुकाबला अश्मिता चालिहा से होगा। इसके अलावा महिला एकल में आठवीं वरीयता प्राप्त अनुपमा उपाध्याय, तान्या हेमंत, इशरानी बरुआ, मानसी सिंह, श्रियांशी वलीशेट्टी, देविका सिहाग, रक्षिता श्री संतोष रामराज और श्रेया लेले भी अपनी चुनौती पेश करेंगी।

हाई कोर्ट ने विवाह विच्छेद पर लगाई मुहर

क्रूरता की श्रेणी में आता है विवाह का अपूर्णीय विघटन

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट ने अपने एक आदेश में कहा कि विवाह का अपूर्णीय विघटन यानि इरिटेबल ब्रेकडाउन क्रूरता की श्रेणी में आता है। जस्टिस विशाल धगट व बीपी शर्मा की डिवीजन बेंच ने कहा कि इस अवस्था में विवाह पूरी तरह टूट जाता है और दोनों पक्षों को दर्द होता है। रोजाना क्रूरता झेलनी पड़ती है। उन्हें अपनी पसंद और जिंदगी में अपने पार्टनर चुनने चुनने की इजाजत नहीं होती। दूसरा पक्ष तलाक की अर्जी का विरोध साथ रहने के लिए नहीं बल्कि पहले पक्ष की मुश्किलों और तनाव से खुशी पाने के लिए

करता है। उसका यह बर्ताव क्रूरता की श्रेणी में आता है। लिहाजा, इस मामले में विवाह विच्छेद की अपील स्वीकार की जाती है। दरअसल, छिंदवाड़ा निवासी महिला ने कुटुम्ब न्यायालय के द्वारा तलाक का आवेदन निरस्त किए जाने के विरुद्ध हाई कोर्ट में अपील दायर की थी।

पत्नी की ओर से लगाया गया आरोप

अपीलकर्ता पत्नी की ओर से तर्क दिया गया कि विवाह 24 मई, 2002 को छिंदवाड़ा में हिंदू रीति-रिवाजों के साथ हुई थी। शादी से बाद उसकी दो बेटियां पैदा हुईं, जो पति की अभिरक्षा में है। अपीलकर्ता का आरोप है कि अनावेदक पति दहेज की मांग करते हुए उसे मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित करता था। शराब के नशे में उसके साथ मारपीट करता था और चरित्र पर आरोप लगाया था। उसे जबरदस्ती साल 2009 तथा 2016 में घर से निकाल दिया गया था।

पति की ओर से लगाया गया आरोप

अनावेदक पति की ओर से तर्क दिया गया कि वह दोनों बेटियों की देखभाल कर रहा है।अपीलकर्ता ने जनवरी 2018 में बिना तलाक लिए दूसरी शादी कर ली थी। उसने अपीलकर्ता तथा उसके दूसरे पति के विरुद्ध केस दायर किया गया था। दोनों बेटियों ने अपने बयान में बताया है कि अपीलकर्ता उनके साथ क्रूरता करता था। तलाक के लिए झूठे आधार पर अपील दायर की गयी है। अपीलकर्ता ही उसके साथ क्रूरता कर रही थी।

हाईकोर्ट का निर्देश

विधायक को विधानसभा सचिव के माध्यम से कराओ नोटिस तामील

जबलपुर। हिस्ट्रीशीटर अब्दुल रज्जाक के आरोप के बाद हाईकोर्ट ने 31 अक्टूबर को कटनी विधायक संजय पाठक को नोटिस जारी किया था। मामले पर सोमवार को सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि विधायक के आवास में उपलब्ध नहीं होने के कारण नोटिस तामील नहीं हो पाया है। जस्टिस विवेक अग्रवाल एवं जस्टिस रामकुमार चौबे की डिवीजन बेंच ने विधानसभा सचिव के माध्यम से विधायक को नोटिस तामील करवाने के निर्देश दिए। मामले पर अगली सुनवाई 15 दिसंबर को होगी। पिछली सुनवाई के दौरान अब्दुल रज्जाक की ओर से खुलकर विधायक संजय पाठक पर आरोप लगाया गया था कि व्यावसायिक प्रतिद्वंद्विता के कारण याचिकाकर्ता के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई पूर्व कैबिनेट मंत्री व मौजूदा विधायक संजय पाठक के इशारे पर की जा रही है। विगत 29 अक्टूबर को हाईकोर्ट ने अब्दुल रज्जाक से पूछा था जिस विधायक व खनन कारोबारी पर वे आरोप लगा रहे हैं, उन्हें नामजद पक्षकार क्यों नहीं बना रहे।

पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पुलिस प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए पूछा था कि जब अब्दुल रज्जाक अगस्त 2021 से लगातार जेल में बंद था, तो उसी दौरान उसके खिलाफ अलग-अलग थानों में आपराधिक प्रकरण कैसे दर्ज कर लिए गए। अब्दुल रज्जाक की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मोहम्मद अली, शारिक अकील फारुकी व अमित रायजादा ने बताया कि विधायक के दबाव में सरकार द्वारा उनके मुवक्किल को लगातार परेशान किया जा रहा है। दलील दी गई कि रज्जाक के खिलाफ दर्ज कई मामलों में अभी तक अंतिम रिपोर्ट दाखिल नहीं की गई है। जैसे ही एक मामले में जमानत मिलती है, उसी समय दूसरे प्रकरण में गिरफ्तारी दिखा दी जाती है। यह न्यायिक प्रक्रिया के साथ छलावा है।

सड़क ठेका आवंटन प्रकरण

हाईकोर्ट ने निगमायुक्त से मांगा जवाब

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने नगर निगम आयुक्त, छिंदवाड़ा सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया है। मामला अपेक्षाकृत योग्य निविदाकर्ताओं के स्थान पर अयोग्य और अनुभवहीन निविदाकर्ता को ठेका स्वीकृत किए जाने के रवैये को चुनौती से संबंधित है। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन ने जवाब पेश करने के लिए दो दिसंबर तक का समय दिया। याचिकाकर्ता यूनिक इंफ्रास्ट्रक्चर की ओर से अधिवक्ता विट्ठलराव जुमड़े ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि पहाड़ी इलाके में सड़क निर्माण की निविदा अप्रैल, 2025 में निकाली गई थी। जिस अर्णव इंटरप्राजेस कंपनी की निविदा स्वीकार कर ली गई, उसने अनुभव प्रमाण-पत्र प्रस्तुत नहीं किया था। यही नहीं रेट भी अधिक कोट किया था। इसके बावजूद 17 अक्टूबर को ठेका स्वीकृत कर वर्क आर्डर जारी कर दिया गया। याचिकाकर्ता की ओर से जुलाई माह में आपत्ति दर्ज करा दी गई थी। लेकिन उस आपत्ति को दरकिनार कर दिया गया। इसीलिए हाई कोर्ट की शरण ली गई है।

जिला अदालत के वकीलों ने बनाई मानव श्रृंखला

आडिटोरियम की मांग पूरी न होने से आक्रोश

जबलपुर। जिला अदालत के वकीलों ने आडिटोरियम की मांग पूरी न होने से आक्रोशित होकर प्रदर्शन किया। इस दौरान मानव श्रृंखला बनाई गई। कलेक्ट्रेट चौराहे पर सैकड़ों की संख्या में वकील एकजुट दिखे। साथ ही मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष मिश्रा व सचिव ज्ञानप्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि 2018 से निरंतर मांग के बावजूद सिवाय आश्वासन के कुछ नहीं मिला है। यही हाल हाई कोर्ट के नवीन अधिवक्ता भवन का है। भूमि पूजन के बावजूद अब तक वित्तीय स्वीकृति नदारद है। इससे अधिवक्ता वर्ग बेहद आक्रोश में आ गया है। वह बड़े आंदोलन की रणनीति बनाने विवश है। अधिवक्ताओं के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना सहित अन्य को लेकर भी कोई ठोस प्रयास सामने नहीं आया है। इसके अलावा पुलिस का रवैया भी वकीलों के प्रति भेदभाव से भरा है। राजीनामा का दबाव अनुचित तरीके से बनाया जाता है। इससे वकील खुद को असुरक्षित अनुभव कर रहे हैं। आंदोलन के दौरान जिला बार उपाध्यक्ष मनोज तिवारी, महिला उपाध्यक्ष ज्योति राय, सह सचिव मनोज शिवहरे, कोषाध्यक्ष विनोद विश्वकर्मा, पुस्तकालय सचिव शैलेंद्र यादव, कार्यकारिणी सदस्य रवींद्र दत्त, सुदीप सिंह सैनी, प्रशांत नायक, अनुभव शर्मा सीपू, अर्जुन साहू, दुर्गेश मनाना व मनोज तिवारी उपस्थित थे।

कोठी नगर परिषद की दो दुकानों के आवंटन पर रोक

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट में एक याचिका दायर कर सतना के नगर परिषद कोठी में दुकान आवंटन में अनियमितता को चुनौती दी गई है। जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने दो दुकानों के आवंटन पर रोक लगा दी। कोर्ट ने कलेक्टर व नगर परिषद कोठी के सीएमओ को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सतना निवासी रामलखन तोमर ने याचिका दायर कर बताया कि वे पिछले 30 वर्षों से यहां दुकान संचालित कर रहे हैं। अधिवक्ता मनोज कुशवाहा एवं कौशलेंद्र सिंह ने दलील दी कि नगर परिषद कोठी ने नई दुकानें बनवाई हैं। याचिकाकर्ता को उसके स्थान पर पिछली गली में दुकान आवंटित कर दी गई। इसके पहले सिविल कोर्ट डिक्री पारित कर कहा था कि जिस व्यक्ति की पूर्व में जहां पर दुकान होगी, नए मार्केट में उसी स्थान पर आवंटन किया जाएगा। कोर्ट के समझौते के अनुसार याचिकाकर्ता को दुकान क्रमांक 34 दिया जाना था, परंतु 37 नंबर की दुकान दी गई है। इसे लेकर कलेक्टर को शिकायत की गई। कार्रवाई नहीं होने पर हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई।

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक

धान उपार्जन तैयारियों की हुई समीक्षा वेयरहाउस सत्यापन के दिए निर्देश

जबलपुर। खरीफ विपणन वर्ष 2025–26 के तहत धान उपार्जन की व्यवस्थाओं को लेकर कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में उपलब्ध वेयरहाउस की संख्या, उनकी कुल भंडारण क्षमता, वर्तमान में रिक्त क्षमता एवं वहां उपलब्ध भौतिक सुविधाओं की बारीकी से समीक्षा की गई।

कलेक्टर श्री सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विकासखंडों में स्थित वेयरहाउस का शत-प्रतिशत भौतिक सत्यापन सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए एक विशेष जांच दल गठित करने के निर्देश भी दिए गए, जो अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर भंडारण स्थलों की वास्तविक स्थिति की रिपोर्ट तैयार करेगा।

बैठक में पूर्व में कराए गए निरीक्षणों की रिपोर्ट की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन वेयरहाउस में क्षमता या बुनियादी सुविधाओं की कमी पाई गई है, वहां तत्काल सुधारात्मक कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि धान उपार्जन की प्रक्रिया समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से संचालित हो, इसके लिए किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने यह भी कहा कि किसानों को फसल विक्रय के दौरान अनावश्यक परेशानी न हो, इसके लिए पर्याप्त भंडारण की व्यवस्था पहले से सुनिश्चित की जाए। बैठक में खाद्य, नागरिक आपूर्ति, विपणन संघ और संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

समाधान योजना के प्रथम चरण में पूर्व क्षेत्र विद्युत कंपनी ने उपभोक्ताओं को दी बड़ी राहत

जबलपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा शुरू की गई "समाधान योजना 2025-26" के प्रथम चरण में मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने 63,827 उपभोक्ताओं को लाभान्वित किया। इसके तहत उपभोक्ताओं का कुल 5.13 करोड़ रुपये का सरचार्ज माफ किया गया और कंपनी को 17.73 करोड़ रुपये की बकाया राशि प्राप्त हुई। योजना के प्रथम चरण (3 नवम्बर से 31 दिसम्बर 2025) में बकायादार उपभोक्ताओं को 60% से 100% तक सरचार्ज छूट दी जा रही है। द्वितीय चरण 1 जनवरी से 28 फरवरी 2026 तक 50% से 90% तक छूट प्रदान करेगा। उपभोक्ता एकमुश्त या किश्तों में भुगतान कर योजना का लाभ ले सकते हैं। घरेलू एवं कृषि उपभोक्ताओं को कुल बकाया राशि का 10 प्रतिशत, जबकि गैर-घरेलू एवं औद्योगिक उपभोक्ताओं को 25 प्रतिशत राशि जमा कर योजना में पंजीकरण कराना होगा। योजना का उद्देश्य तीन माह से अधिक बकाया रखने वाले उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करना और कंपनी के लिए बकाया वसूली को सुनिश्चित करना है।

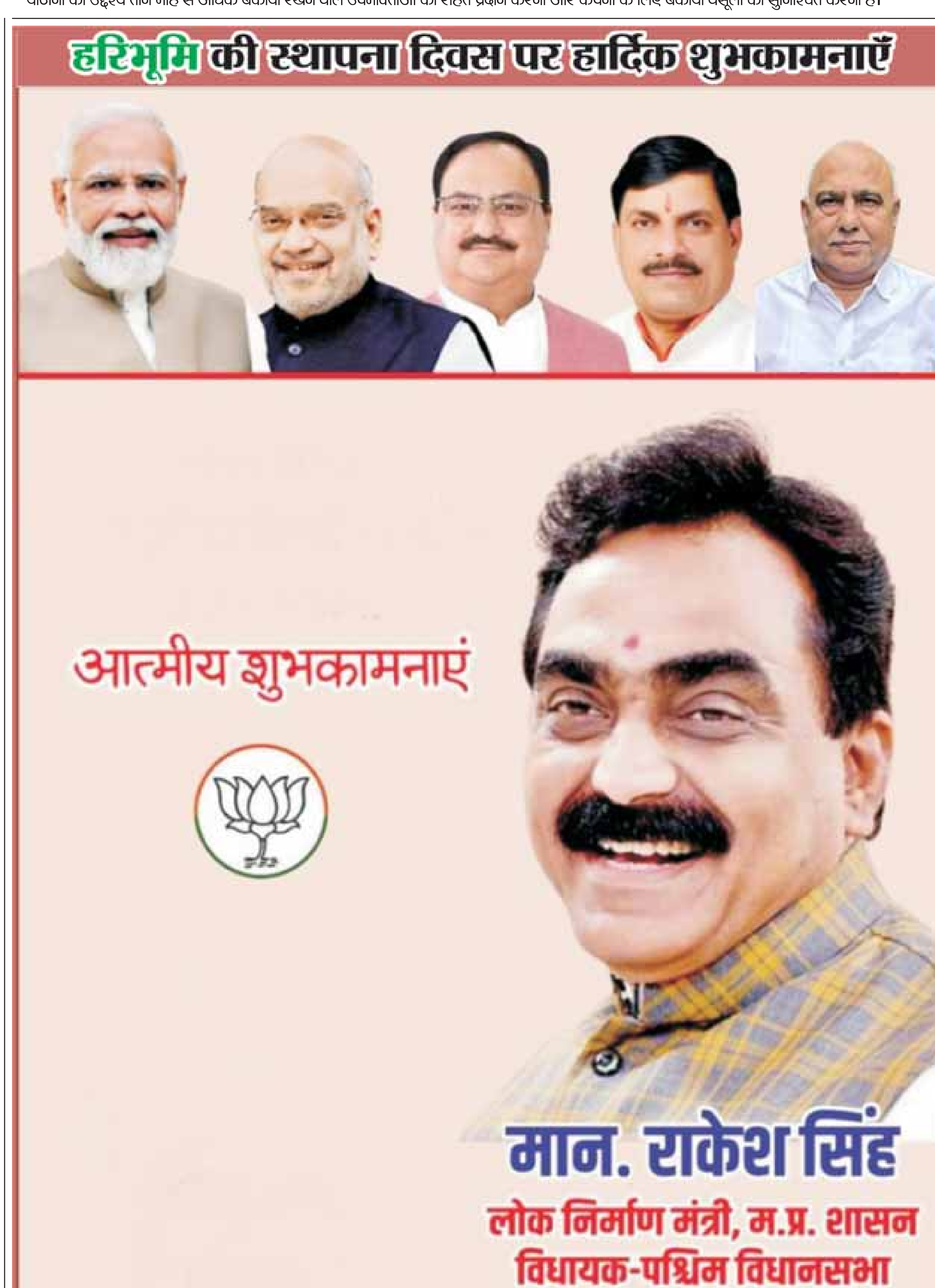

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240

दो मोटर पंप जब्त, सब्जियों और पानी के सैंपल जांच के लिए भेजे

गंदे नाले के पानी से सिंचाई करने वालों पर प्रशासन का सख्त प्रहार

हरिभूमि जबलपुर।

जन-स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले तत्वों के खिलाफ जिला प्रशासन ने लगातार दूसरे दिन भी कड़ी कार्रवाई करते हुए स्पष्ट संदेश दिया है कि आम जनता की सेहत के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। गंदे नाले के दूषित पानी का उपयोग कर सब्जियों की सिंचाई करने वाले किसानों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। यह अभियान कलेक्टर राघवेंद्र सिंह एवं नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में चलाया गया। सोमवार को जिला प्रशासन, नगर निगम, खाद्य सुरक्षा विभाग और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की एक संयुक्त टीम ने गंदे नाले से की जा रही सिंचाई की शिकायतों के बाद मौके पर पहुंचकर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान सिंचाई में उपयोग किए जा रहे दो मोटर पंपों को मौके से जब्त कर लिया गया, जिन्हें नाले के दूषित पानी से सीधे खेतों तक पानी पहुंचाने के लिए लगाया गया था।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने नाले के पानी तथा उन खेतों में उगाई जा रही सब्जियों के सैंपल भी एकत्रित किए। इन सैंपलों को विस्तृत जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। जांच में हानिकारक रसायन, भारी धातु, कीटाणु एवं अन्य विषैले तत्वों की मौजूदगी का परीक्षण किया जाएगा।

सेहत के लिए गंभीर खतरा

विशेषज्ञों के अनुसार गंदे और प्रदूषित पानी से उगाई गई सब्जियों का सेवन मानव शरीर के लिए अत्यंत घातक हो सकता है। इससे लिवर, किडनी, पेट की गंभीर बीमारियां, त्वचा रोग और यहां तक कि कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

भविष्य में और सख्त होगी कार्रवाई

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने साफ शब्दों में निर्देश दिए हैं कि जन-स्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही या खिलवाड़ को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में आगे और कड़ी कार्रवाई, एफआईआर और कानूनी कार्यवाही भी की जाएगी।

अधिकारियों की मौजूदगी में हुई कार्रवाई

इस दौरान अपर आयुक्त वित्त वी.एन. बाजपेयी, स्वास्थ्य अधिकारी सुश्री अंकिता बर्मन, अतिक्रमण प्रभारी मनीष तड़से, सहायक यंत्री संजय कुशवाह, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र राज पोलराव, अर्जुन यादव, सी.एस.आई. रविंद्र सिंह, अनंत दुबे, किशन दुबे एवं अतिक्रमण दल प्रभारी लक्ष्मण कोरी अपनी टीम के साथ मौके पर मौजूद रहे। प्रशासन ने आम जनता से भी अपील की है कि वे सब्जी खरीदते समय सावधानी बरतें और संदिग्ध स्थानों से लाई गई सब्जियों की सूचना तुरंत संबंधित विभागों को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

मप्र अजाक्स संघ की कार्यकारिणी में हुई नियुक्तियां

जबलपुर। मध्यप्रदेश अजाक्स संघ के प्रांतीय अधिवेशन में नगरीय निकाय प्रकोष्ठ, नगर निगम जबलपुर के अध्यक्ष अमित मेहरा उनकी कार्यकारिणी एवं बड़ी संख्या में सदस्यगणों ने भागीदारी की। इस अधिवेशन में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए 21 वर्ष से वरिष्ठ आईएएस जेएन कंसोटिया को संघ का संरक्षक नियुक्त किया गया। साथ ही वरिष्ठ आईएएस संतोष वर्मा को मप्र अजाक्स संघ का प्रांतीय अध्यक्ष सर्वसम्मति से चुना गया, जिसका सभी उपस्थित प्रतिनिधियों ने स्वागत किया। नगरीय निकाय प्रकोष्ठ, नगर निगम द्वारा नवनियुक्त प्रांतीय अध्यक्ष संतोष वर्मा का स्वागत पुष्पगुच्छ, श्रीफल एवं बाबा साहेब डॉ. भीमराव आम्बेडकर की प्रतिमा भेंटकर किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष अमित मेहरा ने कहा कि यह नियुक्ति संगठन को और सशक्त बनाने में मील का पत्थर साबित होगी तथा निकाय कर्मचारियों के हितों के लिए यह नेतृत्व महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

नगर निगम का नवाचार

कबाड़ से बनी आकर्षक आकृतियां बनीं शहर की नई पहचान

जबलपुर। स्वच्छ भारत अभियान के तहत नगर निगम ने कबाड़ से सुंदर और आकर्षक आकृतियाँ बनाकर नया नवाचार प्रस्तुत किया है। महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' के निर्देशानुसार पुराने लोहे, टीन, कील, साइकिल चैन जैसे अनुपयोगी कबाड़ से मां नर्मदा, नंदी भगवान, नृत्य करती मातृशक्ति, डायनासोर, पक्षियों जैसी कई मनमोहक आकृतियाँ तैयार की गई हैं। भंवरताल स्थित कल्चरल स्ट्रीट पर नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, एमआईसी सदस्यों और निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के साथ निरीक्षण करते हुए महापौर ने मां नर्मदा की प्रतिमा के चरणों में माहौर अर्पित किया। महापौर ने कहा कि इन आकृतियों को शहर के प्रमुख चौराहों और सार्वजनिक स्थानों पर स्थापित किया जाएगा, जिससे शहर की रोनक बढ़ेगी और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। निरीक्षण के दौरान महापौर, अध्यक्ष और निगमायुक्त ने कलाकारों के साथ मिलकर पेंटिंग भी की और स्वच्छता का संदेश दिया। महापौर ने नागरिकों से अपील की कि वे अपने घरों के कबाड़ का रचनात्मक उपयोग कर शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में सहयोग करें।

अब 26 नवम्बर को होगी सुनवाई

ई-अटेंडेंस की अनिवार्यता को चुनौती पर राज्य सरकार को विस्तृत रिपोर्ट पेश करने मिली मोहलत

जबलपुर। मप्र के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के लिए ई-अटेंडेंस अनिवार्यता के मामले में सोमवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता शिक्षकों की ओर से हलफनामा प्रस्तुत कर दलील दी गई कि ई-अटेंडेंस दर्ज कराने में कई बार नेटवर्क सहित अन्य तकनीकी समस्याएं आ रही हैं। सुनवाई के दौरान याचिका के मूल मूद्दे और याचिकाकर्ताओं के जवाब पर विस्तृत रिपोर्ट पेश करने सरकार ने मोहलत मांगी। जस्टिस एमएस भट्टी की सिंगल बेंच ने सरकार को 25 नवंबर तक अपना जवाब पेश करने कहा है। अगली सुनवाई 26 नवंबर को होगी। जबलपुर निवासी मुकेश सिंह वरकड़े, सतना के सत्येंद्र तिवारी सहित प्रदेश के अलग-अलग जिलों के 27 शिक्षकों ने याचिका दायर कर ई-अटेंडेंस को चुनौती दी है। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता अंशुमान सिंह ने दलील दी कि शिक्षकों को ई अटेंडेंस के लिए बने 'हमारे शिक्षक एप' के जरिए से उपस्थित दर्ज कराने में बहुत सी समस्याओं को सामना करना पड़ रहा है। याचिकाकर्ताओं ने डेटा प्रोटेक्शन एक्ट 2023 के कानून के आधार पर कहा शिक्षकों के पर्सनल मोबाइल, उनका निजी एकाउंट जो उनके बैंक एकाउंट के साथ पर्सनल उपयोग में लिया जाता है। वहीं शासन की ओर से तर्क दिया गया कि नेटवर्क की समस्या नहीं है क्योंकि उसी स्कूल में अधिकतर शिक्षक अटेंडेंस लगा रहे हैं।

सेवानिवृत्ति दिवस पर किया जाएगा कर्मचारियों को सम्पूर्ण भुगतान

जबलपुर। महापौर एवं आयुक्त की संवेदनशील पहल तथा अजाक्स के निरंतर प्रयासों से महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार द्वारा सुनिश्चित किया गया कि सेवानिवृत्त होने वाले सभी अधिकारी, कर्मचारियों को उनके सेवानिवृत्ति दिवस पर ही सम्पूर्ण भुगतान प्रदान किया जाएगा। नवम्बर में सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को इसी माह में सेवानिवृत्ति से जुड़े सभी भुगतान समय पर प्रदान किए जा रहे हैं। यह कदम पूर्व की समस्याओं को दूर करते हुए अत्यंत बड़ा राहतकारी निर्णय साबित हुआ है। नगरीय निकाय प्रकोष्ठ, नगर निगम अजाक्स संघ के अध्यक्ष अमित मेहरा एवं संगठन के समस्त पदाधिकारियों ने बताया संगठन ने इस मुद्दे को लगातार उठाया, निरंतर मांग और सकारात्मक प्रयासों को गंभीरता से लेते हुए महापौर एवं आयुक्त ने तत्काल आदेश जारी किए। संगठन ने इस निर्णय के लिए महापौर और आयुक्त का आभार व्यक्त किया है।

एसआईआर : अब तक 57 फीसदी गणना पत्रकों का हुआ डिजिटाइजेशन

ग्रामीण विधानसभा की अपेक्षा शहर पिछड़े

जबलपुर। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) के अंतर्गत मतदाताओं से प्राप्त गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन के कार्य में लगातार तेजी आ रही है। जिले में अभी तक 10 लाख 95 हजार 689 मतदाताओं के गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन का कार्य पूर्ण हो चुका है। यह जिले के 19 लाख 25 हजार 472 मतदाताओं का 56.90 फीसदी है।

जिला निर्वाचन कार्यालय से मिली सोमवार की शाम 8 बजे की रिपोर्ट के अनुसार मतदाताओं से प्राप्त भरे हुए गणना पत्रकों के डिजिटाइजेशन के कार्य में पाटन विधानसभा क्षेत्र जिले की आठों विधानसभा क्षेत्र में लगातार पहले स्थान पर बनी हुई है। पाटन विधानसभा क्षेत्र में 68.60 फीसदी गणना पत्रकों का डिजिटाइजेशन पूर्ण हो चुका है। गणना पत्रकों के डिजिटाइजेशन में विधानसभा क्षेत्र सिहोरा 68.56 फीसदी के साथ दूसरे तथा विधानसभा क्षेत्र बरगी 67.52 फीसदी गणना पत्रकों के डिजिटाइजेशन के साथ जिले में तीसरे स्थान पर है। मतदाताओं से प्राप्त गणना पत्रकों के डिजिटाइजेशन में विधानसभा क्षेत्र पनागर 59.44 फीसदी के साथ चौथे, विधानसभा क्षेत्र जबलपुर कैंट 49.21 फीसदी के साथ पांचवे, विधानसभा क्षेत्र जबलपुर उत्तर 48.91 के साथ छटवें, विधानसभा क्षेत्र जबलपुर पश्चिम 46.85 फीसदी के साथ सातवें तथा विधानसभा क्षेत्र जबलपुर पूर्व 43.45 फीसदी गणना पत्रकों के डिजिटाइजेशन के साथ आठवें स्थान पर है।

शहर में अतिक्रमण हटाओ अभियान लगातार जारी, कई प्रमुख क्षेत्रों से हटाए गए अवैध कब्जे

जबलपुर। नगर निगम द्वारा जिला एवं पुलिस प्रशासन के सहयोग से शहर में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई लगातार जारी है। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय और निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने हेतु सड़कों के किनारे बने अवैध अतिक्रमणों को हटाया जा रहा है। निगमायुक्त के निर्देशानुसार अपर आयुक्त अरविंद शाह की उपस्थिति में अतिक्रमण टीम ने छोटी लाइन फाटक स्थित अस्थाई सब्जी मंडी को हटाया। इसके साथ ही बंदरिया तिराहा, रामपुर चौक, बादशाह हलवाई, साउथ एवेन्यू मॉल से भीमनगर होते हुए ग्वारीघाट तक तथा भंवरताल की कल्चरल स्ट्रीट पर लगे अस्थायी अतिक्रमणों को भी हटाया गया।

कार्रवाई अतिक्रमण प्रभारी मनीष तड़से और सहायक अतिक्रमण निरोधक अधिकारी अखिलेश सिंह भदौरिया के नेतृत्व में की गई। इसमें दल प्रभारी जोसफ प्रवीण, लक्ष्मण कोरी, दुर्गा राव, अंकित पारस, वीरेन्द्र मिश्रा, कुलदीप त्रिपाठी, अभिषेक समुद्रे, ब्रज किशोर तिवारी, नदीम अहमद खान एवं सहायक दल प्रभारी आरिफ अहमद खान और शुभम खरे शामिल रहे। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि शहर की यातायात व्यवस्था सुधारने के उद्देश्य से अतिक्रमण हटाने की यह कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

पेंशनर ने लिया विशेष समस्या निवारण शिविर का लाभ

जबलपुर। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी (पीएमसी) के मानव संसाधन व प्रशासन कार्यालय के द्वारा यूनियन बैंक ऑफ इंडिया मदनमहल शाखा के सहयोग से कंपनी के पेंशनर व परिवार पेंशनर के लिए जीवन प्रमाण पत्र व पेंशनरों की समस्याओं के निराकरण के लिए आज एक शर्विर आयोजित किया गया। शर्विर में लगभग 50 पेंशनर व परिवार पेंशनर की वभिन्नि समस्याओं का समाधान किया गया। शर्विर में मुख्यतः जीवन प्रमाण पत्र और अन्य पेंशन संबंधी समस्याओं को निराकृत किया गया। शर्विर के आयोजन में पावर मैनेजमेंट कंपनी के लेखाधिकारी वेतन व पेंशन मनोज कुमरे, अजय नोरिया, प्रतिभा सेन, आरबी रघुवंशी और यूनियन बैंक के शाखा प्रबंधक प्रशांत शुक्ला व प्रीति ठाकुर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हरिभूमि

जन्मदिन उत्सव महाबम्पर ड्रा

सांत्वना पुरस्कार विजेताओं के नाम

रायपुर संस्करण - (1) चन्द्रकला पटेल पिता\पति-परस राम पटेल पता - गोपिया पारा पुरानी बस्ती, (2) कान्त तिवारी पिता\पति- स्व.राम कृष्ण तिवारी पता - 248 समता कॉलोनी रायपुर, (3) तम्मंत पटेल पिता\पति लक्ष्मीकान्त पटेल पता – रायपुर, (4) भारती चंद्राकर पिता\पति दीपक चंद्राकर पता - शिव विहार कॉलोनी संतोषी नगर रायपुर, (5) अनिल जनबंधु पिता\पति-स्व. कुंडलिक जनबंधु पता- बड़ा अशोक नगर गुढ़ियारी रायपुर, (6) लक्ष्मीकान्त वैष्णव पिता\पति संतोष कुमार वैष्णव पता - रायपुरा रायपुर ,(7) चन्द्रकला पिता\पति संतोष कुमार साहू पता - कुरूद रावाभाटा बिरगांव , (8) पुलकित कुमार साहू पिता\पति पवन कुमार साहू पता - शहीद नगर बिरगांव, (9) सूर्यकांत साठे पिता\पति -प्रकाश राव साठे पता - अश्वनी नगर रायपुर, (10) लोकेश कुमार वर्मा पिता\पति-हेमू राम वर्मा पता - तरपोंगी रायपुर, (11) पार्थिव धुवारे पिता\पति ओम प्रकाश धुवारे पता- इंद्रा नगर भिलाई, (12) निशा यादव पिता\पति केशव यादव पता- प्रेम नगर सिकोलाभाठा दुर्ग, (13) रौनक सिंह राजपूत पिता\पति युवराज सिंह राजपूत पता-दुर्गा चौक दीपक किराना स्टोर शंकर नगर दुर्ग, (14) हर्ष राजपूत पिता\पति कौशल सिंह राजपूत पता-बजरंग नगर दुर्ग, (15) वेदांश तम्बोली पिता\पति खुशाल तम्बोली पता - गणेश पान मंदिर इंदिरा मार्केट, (16) चेतन देवांगन पिता\पति ओम प्रकाश देवांगन पता-गायत्री मंदिर दुर्ग, (17) राकेश कुमार यादव पिता\पति राजू यादव पता- गणेश चौक ए.सी.सी. जामुल, (18) आशीष शर्मा पिता\पति राजेंद्र शर्मा पता-बापू नगर खुर्शिपार भिलाई, (19) पोषण देवांगन पिता\पति कमलबी देवांगन पता- खुर्शिपार भिलाई, (20) नीमा साहू पिता\पति केशव साहू पता - सेलूद भिलाई , (21) हेमलता साह पिता\पति दाऊ लाल साहू पता - बेलर, (22) आदित्य यदु पिता\पति आनंद मधु यदु पता- छाती धमतरी, (23) लोकेश कुमार उपाध्याय पिता\पति स्व. राधे प्रसाद उपाध्याय पता- आमा तालाब रोड गौरा चौरा के पास धमतरी, (24) पारख प्रकाश साहू पिता\पति फल्लेश साहू पता-बोडरा स धमतरी, (25) रोहित तिवारी पिता\पति राधेश्याम तिवारी पता -राजनादगांव, (26) साधना ठाकुर पिता\पति केसव सिंह पता-डोंगरगढ़, (27) हेजल साहु पिता\पति मेघकुमार साहु पता - टेड़ेसरा, (28) शोभा राम देवांगन पिता\पति सेवा राम देवांगन पता-बेमेतरा, (29) अनिषा भगत पिता\पति धनमोहन भगत पता-जेल लाइन कांकेर, (30) डीपेश कुमार सेन पिता\पति गौकरण कुमार सेन पता-नवागांव, (31) मिनाक्षी सुधाकर वाकचौके पिता\पति सुधाकर वाकचौके पता-शांति नगर जगदलपुर, (32) शकीला परवीन पिता\पति मोहम्मद परवीन पता-रायपुर(पिथोरा), (33) प्रीति साहू, पिता\पति राम साहू पता-कवर्धा, (34) अखिलेश कुमार यादव पिता\पति सोहनलाल यादव पता-सिविल लाइन षष्ठी मंदिर के पास, (35) भगवती प्रसाद पिता\पति रामचरण प्रसाद पता-कोंडागांव। **बिलासपुर संस्करण -** (36) अनंदिता सूर्यवंशी, पिता का नाम अशोक सूर्यवंशी पता-राजीव गांधी चौक जरहाभाठा बिलासपुर, (37) काव्या पटेल, पिता- मोहन पटेल पता- छोटी कोनी बिलासपुर, (38) अशोक कुमार देवांगन, पिता- केदारनाथ देवांगन, पता – कुम्हारपारा करबला रोड, बिलासपुर (39) अपूर्वा कौशिक पिता- दिलीप कौशिक पता-यदुनंदन नगर तिफरा, बिलासपुर (40) आयुष्मान मिश्रा, पिता - केशव कुमार मिश्रा पता– राजकिशोर नगर, – बिलासपुर (41) केदार नाथ श्रीवास, पिता–बहोरन लाल श्रीवास, – बिलासपुर पता - महर्षि स्कूल रोड मंगला बिलासपुर, (42) मंजू बंजारे, पिता– संतोष कुमार बंजारे पता - मिनी माता नगर तेलीपारा बिलासपुर, (43) सुरेखा गुप्ता, पिता – स्व. रामकुमार गुप्ता पता– सरकंडा कपिल नगर बिलासपुर, (44) अशोक कुमार कौशिक पिता– स्व.श्री बी.आर.कौशिक, पता – ओम नगर जरहाभाठा बिलासपुर, (45) इरम परवीन, पिता– शेख शरीफ, पता बिलासपुर कुदुदण्ड, (46) किशोर कुमार त्रिवेदी पिता–स्व.ए.के.त्रिवेदी, पता – बिलासपुर, (47) श्रीमती रानी मिश्रा, पिता–स्व.सुधीर चंद्र मंडल, पता – फ्रेंड्स रेसीडेंसी सरकंडा, बिलासपुर, (48) प्राची गंधर्व, पिता– कृष्णा गंधर्व, पता- न्यूज सरकंडा जबरापारा, बिलासपुर (49) नवीन पटेल, पिता–भैयाराम पटेल, पता – अभिषेक बिहार फेस-2 मंगला, बिलासपुर (50) नारद कुमार विश्वकर्मा, पिता– श्री राम सिंह, पता – नूतन चौक बिलासपुर, (51) दुष्यंत देवांगन, पिता–हरनारायण देवांगन, पता – मातृ छाया होस्टल बिलासपुर, (52) राजकुमार खरे पिता– स्व.मुन्नालाल खरे पता – साई बिहार कॉलोनी मोपका, बिलासपुर (53) कल्याणी साहू पिता–जगदेव साहू पता – सकरी, बिलासपुर (54) सोम्य साहू, पिता– दीपक कुमार पता – सकरी, बिलासपुर (55) धनीराम टंडन पिता–स्व.बजारू टंडन पता – तालापारा बिलासपुर, (56) चित्रलेखा यादव, श्री श्यामलाल यादव, पता – शांति नगर सकरी, बिलासपुर (57) शाजी थामस पिता– स्व.सी.पी.थॉमस पता – बिलासपुर, (58) गुंजन साहू, पिता–दिलेश कुमार साहू, पता हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी परसदा, जिला–बिलासपुर। **भोपाल संस्करण -** (59) समिक्षा जैन पिता\पति सुभाष जैन पता-बैरसिया, (60) आयशा बी पिता\पति मुईन पता- बैरसिया, (61) चरण सिंह पिता\पति रामनारायण पता- मकान नं 13 ग्राम चंदेरी बैरसिया रोड, (62) नेहा विश्वकर्मा पिता\पति - विश्वकर्मा नगरकरोदभोपाल, (63) ज्योति बंजारा पिता\पति विजय सिंह पता-बंजारा बड़ी उकावद गुना, (64) अमिता पिता\पति उदित गौर पता-वार्ड न 17 तवा कॉलोनी हरदा, (65) साधना गौर पिता\पति रविशंकर गौर पता- तवा कॉलोनी हरदा, (66) विराज घाटे पिता\पति कपिल घाटे जोशी कॉलोनी हरदा, **जबलपुर संस्करण -** (67) आस्था अग्रवाल पिता\पति विजय अग्रवाल पता-कांचघर चौक संजय गांधी बोर्ड घमापुर, (68) हर्ष नाईक पिता\पति नरेश नाईक पता-शिवनगर रेलवे क्रॉसिंग के पास गढ़ा जबलपुर, (69) राजेंद्र सोनकर पिता\पति नारायण प्रसाद सोनकर पता-मोहनी होम्स बिलहरी, (70) मान्यता अहिरवार पिता\पति राजेंद्र अहिरवार पता-ग्वारीघाट रोड, (71) यश नाईक पिता\पति नरेश नाईक पता-शिवनगर रेलवे क्रॉसिंग के पास गढ़ा जबलपुर, (72) अंजना नायक पिता\पति वीरेंद्र नायक पता- पंडित नेहरू वार्ड क्रमांक 8 बाजार मोहल्ला पाटन, (73) वंश यादव पिता\पति राजेश यादव पता-गुरु मोहल्ला पाटन जबलपुर, (74) मयंक मेहरा पिता\पति मिथिलेश कुमार पता-मेहरा पाटन।

नियम एवं शर्तें लागू*

शेष विजेताओं की सूची के लिये पढ़ते रहिए हरिभूमि

दुनिया को जीतने के लिए कोई शस्त्र नहीं मधुर वाणी की आवश्यकता होती है : श्री गिरि बापु जी

श्री शिव समाराधन महायज्ञ एवं श्री शिव महापुराण कथा में गूंजा हरि ऊँ नमः शिवाय

हरिभूमि जबलपुर।

श्री शिव महापुराण कथा में सोमवार को कथाअंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कथा वाचक पूज्य श्री गिरि बापु जी महाराज ने शिव महापुराण कथा का वाचन करते हुए कहा माता सती का वृतांत सुनाते हुए कहा कि एक शब्द बोलने से पहले दो बार विचार करोगे तो सुंदर शब्द बोल पाओगे इसलिए घर को स्वर्ग बनाना है तो मीठे शब्द बोलिए। इसलिए अनावश्यक चीज घर से निकालो। ज्यादातर घर में और दिमाग में जिन चीजों की आवश्यकता नहीं है उसे निकाल देना चाहिए। हम संग्रह बहुत करते हैं कोई संग्रह करने की जरूरत नहीं है। लिए आज से हम दृढ़ संकल्प करें की मीठी वाणी बोलेंगे। मीठी भाषा दुनिया का सबसे बड़ा वशीकरण है। आप मीठा बोलेंगे तो शत्रु के साथ भी मित्रता होने लगेगी। शत्रु भी मित्र बनने लगेगा घर स्वर्ग बनने लगेगा। आपको स्वर्ग का अनुभव होने लगेगा। दुनिया को जीतने के लिए कोई शस्त्र नहीं मधुर वाणी की आवश्यकता होती है। व्यवहार का परिवर्तन करने से ही जीवन का परिवर्तन होता है। धूप लगाने से नहीं दूसरों को सुगंधित करने से भगवान प्राप्त होते हैं। दूसरों को प्रसन्न करने वाला दूसरों की सेवा करने वाला ऐसे लोगों से भगवान प्रसन्न रहते हैं। यह प्रसन्नता और व्यवहार में सद्गुण शिव महाग्रंथ कथा के श्रवण करने से आते हैं। इसलिए कहा गया है कि कथा का श्रवण ही कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है।

स्वामी महेंद्रानंद महाराज ने नर्मदा को प्रदूषण से मुक्त रखने किया आव्हान

स्वामी महेन्द्रानंद महाराज ने कथा समापन के अवसर पर कहा नर्मदा को प्रदूषण से मुक्त रखने के लिए जनमानस को आव्हान किया। उन्होंने जिला प्रशासन और जनता से अपील है कि नर्मदा में मिलने वाली गंदगी को रोका जाए और नर्मदा का संरक्षण किया जाए। इसके लिए समिति के साथ सदस्य बनकर जुड़े और इस पुनीत कार्य में लग जाएं।

आज सुबह 9 बजे से कथा, समापन

स्वामी महेन्द्रानंद महाराज ने बताया कि आज मंगलवार को कथा का आयोजन सुबह 9 बजे से किया गया है। यह कथा 12 बजे तक चलेगी, इसके बाद प्रसाद के रूप में भंडारे का आयोजन किया गया है। सभी शिवभक्तों से अपील है कि वे अधिक से अधिक संख्या में कथा श्रवण कर भंडारे के रूप में प्रसाद को ग्रहण करें।

कुचैनी मंदिर सुनरहाई में श्री राम जानकी विवाह उत्सव शुरू, हुई हल्दी-मेहंदी की रस्म

जबलपुर। श्री ठाकुर बिहारी जी महाराज कुचैनी मंदिर ट्रस्ट जवाहर गंज द्वारा भगवान श्री राम जानकी विवाह उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। जिसकी शुरुआत 22 नवम्बर 2025 दिन शनिवार से महिलाओं द्वारा रामायण पाठ एवं सुन्दर भजनों द्वारा हुई। 24 नवम्बर 2025 को भगवान की हल्दी एवं मेंहदी का कार्यक्रम मंदिर परिसर में आयोजित हुआ। मदिर परिसर में महिलाओं द्वारा रामायण पाठ और सुन्दर भजन के द्वारा हल्दी और मेहंदी का कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में महिलाओं ने विवाह के गीत गाए और हर्षोल्लास के साथ भगवान श्री राम जानकी जी को हल्दी मेहंदी लगायी।

सेंट ज़ेवियर्स हाई स्कूल ने किया पौधारोपण अभियान का आयोजन

जबलपुर। सेंट जेवियर्स हाई स्कूल, शांति नगर द्वारा शिव पार्क, कचनार सिटी, विजयनगर में एक उत्साहपूर्ण पौधारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस पर्यावरणीय पहल में विद्यालय के छात्रों, शिक्षकों के साथ-साथ आसपास के रहवासियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सभी ने मिलकर विविध प्रकार के पौधे लगाए और हरित व स्वच्छ भविष्य का संदेश दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना और समाज में हरियाली के महत्व को रेखांकित करना था। इस मौके पर उपस्थित प्रतिभागियों ने पौधों की देखभाल का संकल्प लेते हुए बताया कि छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े बदलाव ला सकते हैं। अभियान के दौरान छात्रों और स्थानीय लोगों में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी, संवेदनशीलता तथा सतत विकास के मूल्यों को मजबूत किया गया।

मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन की नई कार्यकारिणी गठित

जबलपुर। मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन की नई कार्यकारिणी का गठन आगामी वर्ष के लिए किया गया। सदस्यों और पदाधिकारियों को सामाजिक और देश हित में कार्य करने की शपथ दिलाई गई। स्वदेशी क्रय और विक्रय को बढ़ावा देकर देश के हित में चर्चा की। डॉ. अमित सिसोदिया के मार्गदर्शन में नई कार्यकारिणी में डॉ. अजय वाधवानी (अध्यक्ष), एड. भावना निगम (महिला विंग अध्यक्ष), डा. अभिषेक जैन (उपाध्यक्ष), एड. आशीष त्रिपाठी (सचिव), डा. कमल विश्वास, रोशन मंध्यानी (मार्गदर्शक), एड. आशुतोष चतुर्वेदी, डा. अभिजीत जैन, डा. अशोक मेथवानी, डा. आनंद बहरानी, डा. प्रशांत जैन, डा. दिगंत पाठक, डा. अश्विनी पाठक, डा. राहुल अग्रवाल, डा. श्रीकान्त साहू, डा. एसके जैन, कामरूप इस्लाम खान, डॉ. अमरेन्द्र सिंह, अजय चौहान, बिनिता मैडम, एड. अंकित मिश्रा, एड. विजय बवारिया, एड. विवेक शुक्ला, एड. सूरज गुप्ता, एड. अमित शर्मा, विवेक गुगलियानी आदि सदस्यों ने भी अपने पद की शपथ ली।

कबड्डी खेल स्पर्धा का हुआ आगाज

जबलपुर। क्रीड़ा भारती महानगर जबलपुर द्वारा रामपुर शासकीय स्कूल ग्राउंड में महिला एवं पुरुष वर्ग की कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें आठ टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर भोपाल से पधारे आधार प्रभारी श्री दीपक, डीपीएस योगेश शर्मा, शासकीय स्कूल प्रिंसिपल विशाल झारिया, क्रीड़ा भारती के महाकौशल छत्तीसगढ़ संगठन मंत्री कौशलेंद्र पटेल, महाकौशल क्रीड़ा भारती दिव्यांग प्रमुख प्रीति त्रिपाठी, जबलपुर महानगर सह मंत्री संजय सिंह, विनोद ठाकुर, सुनील पटेल, कैलाश कहार, प्रवीण गुप्ता, सुभाष माझी उपस्थित रहे। बवंडर क्लब विजेता और शासकीय रामपुर स्कूल विजेता रही। प्रतियोगिता के निर्णायक स्पोर्ट्स टीचर चंद्रशेखर स्वामी रहे। खेल कबड्डी खेल प्रतियोगिता पूरे भारतवर्ष में करने का लक्ष्य है उद्देश्य- बर्लिंग ओलंपिक 1936 में कबड्डी का प्रदर्शन किया गया था, लेकिन 100 साल पूरे होने को आ रहे हैं लेकिन कबड्डी प्रतियोगिता को ओलंपिक में अभी तक शामिल नहीं किया गया।

"जय श्री राम" अभिवादन विवाद पर सकल हिंदू समाज का प्रदर्शन

मिस्पा मिशन स्कूल में छात्र से दुर्व्यवहार का आरोप

पाटन। मिस्पा मिशन स्कूल, पाटन में एक छात्र के साथ दुर्व्यवहार के आरोप के बाद स्थानीय स्तर पर तनाव की स्थिति बन गई। जानकारी के अनुसार, छात्र ने स्कूल के गार्ड को "जय श्री राम" कहकर अभिवादन किया था, जिसके बाद विद्यालय के डायरेक्टर राजेश खंडारे पर छात्र से मारपीट और निष्कासन की धमकी देने का आरोप लगाया गया है। यह आरोप परिजनों और सामाजिक संगठनों द्वारा लगाए गए हैं। परिजनों का कहना है कि किसी भी बच्चे को धार्मिक अभिव्यक्ति के आधार पर दंडित करना बच्चों के अधिकारों और RTE अधिनियम की भावना के विपरीत है। इसी मुद्दे पर सकल हिंदू समाज ने पाटन में विरोध प्रदर्शन कर विद्यालय प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस को ज्ञापन सौंपकर मामले में एफआईआर दर्ज करने की अपील की।

प्रदर्शन के दौरान समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में बच्चों को सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण मिलना चाहिए। उन्होंने शिक्षा विभाग से इस घटना की जांच कर स्कूल प्रबंधन पर उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग भी की। पुलिस प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि शिकायत की जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर उचित कानूनी कदम उठाए जाएंगे। वहीं, स्कूल प्रबंधन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। घटना ने क्षेत्र में शिक्षा संस्थानों की जवाबदेही और बच्चों की सुरक्षा को लेकर नए प्रश्न खड़े कर दिए हैं।

पेंशनर्स लंबित मांगों के लिए 27 को करेंगे प्रदर्शन

जबलपुर। प्रमुख पेंशनर्स एसोसियेशन के तत्वावधान में 27 नवम्बर को जबलपुर जिले के पेंशनर्स अपनी पांच सूत्रीय लंबित मांगों को लेकर शाम 04 बजे आयुक्त कार्यालय के समक्ष उपस्थित होकर प्रदर्शन करते हुए अपना मांग पत्र मप्र के मुख्यमंत्री एवं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के नाम प्रेषित करते हुए मांगों की पूर्ति पेंशनर्स हित में शीघ्र करने की मांग करेंगे। प्रदर्शन में मप्र विद्युत मंडल, नगर निगम व विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में एचपी उरमलिया, एमएल चौकसे, डॉ. केपी चतुर्वेदी, उमेश दुबे, शेषमणि पांडेय, गौरीशंकर पांडेय, आरके श्रीवास्तव, सीएल दोहरे, बीएसपी गौर, आनंद कुमार शुक्ला, एसपी शुक्ला, श्रवण कुमार श्रोती, केसी अवस्थी, डॉ. एसपी सिंह, वीपी अवस्थी, नरेश तिवारी सहित अनेक पदाधिकारियों ने सभी पेंशनर्स से उपस्थिति की अपील की है।

नगर निगम आयुक्त के कड़े निर्देशः एस.आई.आर. कार्य शीघ्र पूर्ण करें

जबलपुर। नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने शहर में चल रहे नगर निगम कार्यों की समीक्षा के दौरान सभी विभागों और संभागीय अधिकारियों को कड़े निर्देश जारी किए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि एस.आई.आर. से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों को पूरी ताकत के साथ और शीघ्रता से पूरा किया जाए। आयुक्त ने चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आयुक्त श्री अहिरवार ने राजस्व विभाग को टैक्स कलेक्शन में तेजी लाने और लक्ष्य के अनुरूप वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने साफ-सफाई, स्ट्रीट लाइट व्यवस्था तथा पेयजल आपूर्ति जैसे मूलभूत कार्यों को नियमित रूप से सुचारु बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। स्वच्छता व्यवस्था को लेकर निगमायुक्त ने संभागीय अधिकारियों को सीधे जिम्मेदार ठहराया। बैठक में अपर आयुक्त अरविंद शाह, देवेंद्र सिंह चौहान, अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव सहित सभी सहायक आयुक्त एवं संभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

ठंड से सतर्कता ही बचावः सीजीएचएस डिस्पेंसरी में वरिष्ठ नागरिकों ने की बैठक

जबलपुर। कड़ाके की ठंड के मद्देनज़र केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) डिस्पेंसरी-4 में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर.पी. रावत की अध्यक्षता में वरिष्ठ नागरिक संगठनों के सलाहकार प्रतिनिधियों की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में दिलीप कुंडे, किशन लाल, अर्जुन सिंह और अनिल शुक्ल सहित विभिन्न प्रतिनिधि उपस्थित रहे। डॉ. रावत ने पिछली बैठक में हुए निर्णयों और उनकी कार्यवाही की जानकारी दी, जिसे सभी ने सराहा। ठंड बढ़ने के चलते प्रतिनिधियों ने विशेष रूप से बचाव के उपायों की जानकारी चाही, जिस पर डॉ. रावत ने बुजुर्गों के लिए ठंड से सुरक्षा संबंधी उपयोगी और व्यावहारिक टिप्स साझा किए। उन्होंने कहा कि "सतर्कता ही बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है।" मेडिसिन आपूर्तिकर्ता के प्रतिनिधि पंकज नवाठे की उपस्थिति भी उल्लेखनीय रही। बैठक के सफल संयोजन में डॉ. एलिस सराफ, डॉ. राजीव यादव, डॉ. एस.के. राय, होम्योपैथी चिकित्सक डॉ. उदया माल तथा स्टाफ सदस्यों मनोज कुमार, प्रदीप सिंह, लव डांगी, आनंद कुमार, रवि कुमार, गोपाल भट्ट, हेमराज आर्मो और रंजना का सराहनीय योगदान रहा। अंत में प्रदीप सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

अस्पताल के सामने लगे 50 साल पुराने एमपीईवी के डिब्बा को हटाने की मांग

सिहोरा। खितौला में सरकारी अस्पताल के ठीक सामने रखे एम.पी.ई.बी.के करीब 40–50 वर्ष पुराने डिब्बे को हटाने की मांग स्थानीय नागरिकों ने उठाई है। लोगों का कहना है कि यह डिब्बा अस्पताल के मुख्य मार्ग को अवरुद्ध करता है जिससे एम्बुलेंस की आवाजाही प्रभावित होती है और मरीजों को गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस संबंध में सामाजिक कार्यकर्ता प्रेमलाल यादव ने अनुविभागीय अधिकारी को एक लिखित ज्ञापन सौंपा है। जिसमें कहा गया है कि यह डिब्बा उस समय रखा गया था जब बिजली विभाग की शिकायतें ऑफलाइन दर्ज होती थीं लेकिन अब वर्षों से इस डिब्बे पर कोई कर्मचारी नहीं बैठता और यह पूरी तरह निष्क्रिय होकर सड़क पर कबाड़ की तरह खड़ा है।स्थानीय लोगों का कहना है कि लगभग एक दशक से यह डिब्बा बंद पड़ा है फिर भी इसे हटाने के लिए विभाग की ओर से किसी भी तरह की कार्रवाई नहीं की गई। नागरिकों ने बताया कि इसके कारण न केवल अस्पताल का सामने वाला क्षेत्र सकरा हो गया है बल्कि कई बार एम्बुलेंस भी भीतर नहीं जा पाती। क्षेत्रीय जनों ने प्रशासन से इस डिब्बे को हटाने की मांग की है।

प्रारम्भ करेंगे आमरण सत्याग्रह के पूर्व क्रमिक भूख हड़ताल

सिहोरा जिला के लिए संयुक्त अभियान समिति भी आगे आई

सिहोरा। सिहोरा जिला आंदोलन लगातार जनता की आवाज़ और क्षेत्रीय अधिकारों के सवाल पर मजबूत होता जा रहा है। अब इस आंदोलन में 1999 में सिहोरा जिला हेतु आंदोलित संयुक्त अभियान समिति ने भी साथ आने की घोषणा कर दी है। समिति के जुड़ने से जिला के संघर्ष को नई ऊर्जा,व्यापक समर्थन और संगठित दिशा मिलेगी। यह निर्णय न केवल आंदोलन की शक्ति को बढ़ाता है बल्कि यह दर्शाता है कि सिहोरा और आसपास के क्षेत्रों की जनता अब एक स्वर में सिहोरा जिले की माँग को लेकर खड़ी हो चुकी है। संयुक्त अभियान समिति के पूर्व पदाधिकारी रहे प्रकाश पांडे, रमेश पटेल, दिलीप दुबे, विकास पांडे, अरुण जैन, साधना जैन, बिनोद सेठी, संजय जैन, गजेंद्र खंपरिया, अश्वनी त्रिपाठी,लालबहादुर पाठक,शिशिर पांडे,सुनील जैन,सत्यप्रकाश खरे सहित समस्त पदाधिकारियों ने जिला के संघर्ष में शामिल होने का ऐलान किया। अब 3 दिसंबर से क्रमिक भूख हड़ताल- आंदोलन समिति ने संयुक्त अभियान समिति के साथ आने के बाद घोषणा के बाद अपने आंदोलन में संशोधन किया है। अब सिहोरा जिला के लिए 9 दिसंबर के आमरण अनशन के पूर्व 3 दिसंबर से क्रमिक भूख हड़ताल की शुरुआत की जाएगी। लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति ने घोषणा की कि यह आंदोलन अब सिहोरा जिला बनने पर ही समाप्त किया जाएगा।

गांधी भवन लाइब्रेरी शहर की सबसे बड़ी और उपयोगीः निगमायुक्त

जबलपुर। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने गांधी भवन लाइब्रेरी का औचक निरीक्षण करते हुए इसे शहर की सबसे बड़ी और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। उन्होंने बताया कि लाइब्रेरी में सैकड़ों छात्र-छात्राएं नियमित अध्ययन कर रहे हैं। विद्यार्थियों की सुविधा के लिए अब शनिवार और रविवार को भी लाइब्रेरी खोली जाएगी। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने 1862 ई. तक के सुरक्षित ऐतिहासिक रिकॉर्ड, पुराने गैजेटियर और 18वीं सदी के जबलपुर के नक्शे को देखा। उन्होंने कंप्यूटर कक्ष और अन्य परिसरों का भी निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को और बेहतर व आकर्षक बनाने के निर्देश दिए। छात्रों से संवाद कर उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आवश्यक टिप्स भी साझा किए। विद्यार्थियों की सुविधा हेतु लाइब्रेरी परिसर में जल्द ही आधुनिक कैफेटेरिया बनाने के निर्देश जारी किए गए। साथ ही उद्यान, फाउंटेन रिपेयर, जालियां लगाने और शनिवार को लाइब्रेरी संचालन हेतु अतिरिक्त स्टाफ उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

नाम एवं जन्मतिथि सुधार सूचना

मैं राकेश कुमार पिता जयराम सिंह निवासी प्लॉट नं 62 फेस 1 चैतन्य सिटी तिलहरी जबलपुर मध्य प्रदेश मैं एतद्द्वारा सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करता/करती हूं कि मेरी पुत्री का नाम DEEKSHA RAJPUT तथा जन्मतिथि 31/05/2017 मेरे सेवा अभिलेख में गलत दर्ज है, उसके दस्तावेजों आधार कार्ड तथा मार्कशीट के अनुसार उसका सही नाम DIKSHA RAJPUT है तथा जन्मतिथि 31/03/2017 मेरे सेवा अभिलेख में दर्ज होनी चाहिए। **शपथकर्ता**

BU-929148

श्रीमती लक्ष्मी बाई शुक्ला- करमचंद चौक निवासी श्रीमती लक्ष्मी बाई शुक्ला का 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। वे भाजपा नेता संजय शुक्ला और विजय शुक्ला की माता जी थीं। अंतिम यात्रा आज मंगलवार को सुबह 9.30 बजे करमचंद चौक से गौरीघाट मुक्तिधाम के लिए प्रस्थान करेगी।

श्रीमती सावित्री सिंह- श्री रामराज सिंह की पत्नि श्रीमती सावित्री सिंह का निधन हो गया है। अंतिम यात्रा रांझी स्थित निवास (एस.ए.एफ. डी.आई.जी. निवास, इन्जीनियरिंग कॉलेज, जबलपुर के सामने) से आज मंगलवार को प्रातः 11 बजे गौरीघाट मुक्तिधाम के लिये प्रस्थान करेगी।

श्री संजय मेहता- दीक्षितपुरा निवासी श्री संजय मेहता (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती शांति बाई- शंकर नगर करमेता निवासी श्री बंशीधर की धर्मपत्नी श्रीमती शांति बाई (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया।

श्री बेनी प्रसाद मलिक- अहीर मोहल्ला गोरखपुर निवासी श्री बेनी प्रसाद मलिक (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सुनीता मिश्रा- गुप्तेश्वर निवासी श्री महेंद्र कुमार मिश्रा की धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता मिश्रा (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती लीला वाजपेयी- रानीताल चौक निवासी श्री हर नारायण वाजपेयी की धर्मपत्नी श्रीमती लीला वाजपेयी (101) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रोहित गुप्ता- भोले कुटि शक्ति नगर निवासी श्री कौशल प्रसाद गुप्ता के पुत्र श्री रोहित गुप्ता (32) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री दीपेंद्र श्रीवास्तव- मुस्कान हाइट्स के सामने नेपियर टाउन निवासी श्री दीपेंद्र श्रीवास्तव (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री दीन दयाल राजपूत- द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री दीन दयाल राजपूत (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री राकेश रैकवार- गली नं. 19, सदर निवासी श्री राकेश रैकवार (47) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती भागवती राजपूत- वल्दी कोरी की दफाई सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री नानक राजपूत की धर्मपत्नी श्रीमती भागवती राजपूत (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती राम बाई स्वामी- बंगला नं. 5, नर्मदा रोड निवासी श्री पुन्नू स्वामी की धर्मपत्नी श्रीमती राम बाई स्वामी (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री संतोष यादव- राधाकृष्णन वार्ड सिंधी कैंप निवासी श्री संतोष यादव का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री रोशन पासी- गली नं. 24, सदर पासी मोहल्ला निवासी श्री रोशन पासी (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि बिजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए

अब साइज 40/- प्रति कॉलम से.मी.

फिक्स साइज़:-	8x5 से.मी.	ब्लैक&व्हाईट	300/-
फिक्स साइज़:-	8x5 से.मी.	रंगीन	400/-
फिक्स साइज़	8x10 से.मी.	रंगीन	1100/-

सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:- 9303808294, 9407362160

जबलपुर के छवि कुमार ठाकुर बने ऑल इंडिया ईपीएफ एम्प्लॉई संघ के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष

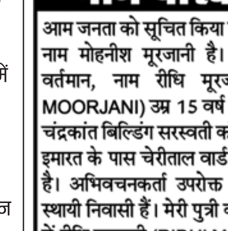

जबलपुर। हैदराबाद में आयोजित ऑल इंडिया ईपीएफ एम्प्लॉई संघ (भारतीय मजदूर संघ से सम्बद्ध) की तीसरी कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें जबलपुर के छवि कुमार ठाकुर को अखिल भारतीय उपाध्यक्ष चुना गया। साथ ही उन्हें मध्य प्रदेश का राज्य सचिव (स्टेट सेक्रेटरी) भी नियुक्त किया गया है। पूर्व में ठाकुर अखिल भारतीय एडिशनल जनरल सेक्रेटरी रहे हैं। अपने कार्यकाल में उन्होंने जबलपुर सहित भोपाल, इंदौर, सागर, उज्जैन में संघ का विस्तार किया, साथ ही जमशेदपुर (झारखंड) और मेरठ (उत्तर प्रदेश) में भी संगठन की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नई कार्यकारिणी में ईपीएफओ इंदौर के लक्ष्मी नारायण साहू को अखिल भारतीय संयुक्त सचिव और ईपीएफओ भोपाल के विक्रम सिंह तोमर को अखिल भारतीय संगठन सचिव बनाया गया।

नाम परिवर्तन

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम मोहनीश मूरजानी है। मेरी पुत्री का वर्तमान, नाम रीधि मूरजानी (RIDHI MOORJANI) उम्र 15 वर्ष निवासी 1594 चंद्रकांत बिल्डिंग सरस्वती कॉलोनी पारिजात इमारत के पास चेरीताल वार्ड जबलपुर म.प्र. है। अभिवचनकर्ता उपरोक्त वर्णित पते के स्थायी निवासी हैं। मेरी पुत्री का नाम वर्तमान में रीधि मूरजानी (RIDHI MOORIANI) है और उसका नाम परिवर्तित कर रिधिमा मूरजानी (RIDDHIMA MOORJANI) किया गया है। यह दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। अभिवचनकर्ता की पुत्री का परिवर्तित नया नाम रिधिमा मूरजानी (RIDDHIMA MOORIANI) भविष्य में सभी शासकीय, अशासकीय दस्तावेजों, शैक्षणिक प्रमाणपत्रों में लिखा पढ़ा एवं दर्ज किया जावे।

पुराना नाम- रीधि मूरजानी
(RIDHI MOORJANI)

नया नाम- रिधिमा मूरजानी
(RIDDHIMA MOORJANI)

आम सूचना

मैं, ब्रम्ह सिंह राजपूत पिता स्व. श्री राजा भैया, उम्र 53 वर्ष, निवासी- म.नं. 89, ग्राम उमरिया जुझारी, जबलपुर (म.प्र.) शपथपूर्वक निम्नलिखित कथन करता हूँ कि मेरा पुत्र अनुराज सिंह राजपूत पिता ब्रम्ह सिंह राजपूत, उम्र 24 वर्ष, जो परिवार के साथ समन्वय बनाकर नहीं रहता है और आये दिन पारिवारिक शांति भंग करता है तथा हम लोगों के कहे अनुसार नहीं चलता तथा आये दिन घर से अलग रहने की जिद करता है व घर में किसी काम में सहयोग नहीं करने व बिना हम लोगों की जानकारी व बताये बगैर लोगों से पैसे आदि लेकर उड़ाता खाता है, घर से व घर के लोगों से कोई मतलब नहीं रखता है इन सब बातों के चलते मुझ शपथकर्ता एवं मेरे पूरे परिवार द्वारा अनुराज सिंह राजपूत से पूर्णरूप से सम्बन्ध समाप्त करते हुए अपनी अच-अचल सम्पत्ति से बेदखल किया जाता है। यह कि, उसके द्वारा की जाने वाली किसी भी गतिविधियों के लिये मैं व मेरा परिवार जिम्मेदार नहीं होगा, उसकी गतिविधियों हेतु वह स्वयं जबावदार होगा। यह कि, आम जनता, समस्त शासकीय, अशासकीय, वित्तीय संस्थाओं, बैंक, शासन प्रशासन को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु यह शपथ पत्र प्रस्तुत कर रहा हूँ।

जबलपुर
दिनांकः 20.11.2025

आम सूचना

मैं अपने पक्षकार के निर्देशानुसार आम जनता को यह सूचित कर रहा हूँ कि आवासीय भूमि जो कि मौजा- जबलपुर, बंदोबस्त क्रमांक 264, प.ह. क्र. 04, जयप्रकाश नारायण वार्ड नं. 28,, तहसील अधारताल और जिला जबलपुर में स्थित खसरा क्रमांक 65 का भाग नामांतरण पश्चात खसरा क्रमांक 65/2/1 मकान क्रमांक 1664/1, सरस्वती कॉलोनी लेआउट प्लाट नं. 196 जिसका कुल प्लॉट रकवा 40X50 = 2000 वर्गफीट है जिसमे से विक्रय किया जा रकवा 20X40 = 800 वर्गफीट है भूतल निर्मित रकवा 800 वर्ग फीट और प्रथम मंजिल निर्मित रकवा 800 वर्ग फीट है को भूमिस्वामी भूस्वामी श्री लक्ष्मी शंकर गुप्ता पिता स्व. श्री शिवचरण लाल गुप्ता ने पूर्व भूमिस्वामी सरस्वती गृह निर्माण समिति मर्यादित जबलपुर से दिनांक 26.10.1985, दस्तावेज क्रमांक 1959 द्वारा क्रय किया है तथा श्री अंकित जैन पिता श्री कमल कुमार जैन एवं श्रीमती रक्षा जैन पति श्री अंकित जैन ने उक्त संपत्ति को क्रय करने का अनुबंध पत्र वर्तमान भूमिस्वामी श्री लक्ष्मी शंकर गुप्ता पिता स्व. श्री शिवचरण लाल गुप्ता से किया है। चूँकि विक्रय पत्र दिनांक 26.10.1985, दस्तावेज क्रमांक 1959 की मूल प्रति वर्तमान भूमि स्वामियों से गुम हो गई है। जिसके सम्बन्ध में श्री लक्ष्मी शंकर गुप्ता द्वारा पुलिस थाना कोतवाली में को प्राथमिक सूचना दर्ज कराई गई है, अतः उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि को किसी प्रकार की कोई आपति हो अथवा किसी प्रकार का कोई विवाद हो तो वह प्रकाशन दिनांक से 7 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालय में लिखित रूप में गय दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर प्रस्तुत करें, समय उपरांत किसी भी आपति पर विचार नही किया जावेगा।

जबलपुर
दिनांकः- 22.11.2025 **भवदीय**

राजेश प्यासी एडवोकेट
319, गली नं. 05, त्रिमूर्ति नगर, दमोहनाका जबलपुर, मो. 9424320068

खबर संक्षेप

पैसालो डिजिटल ने खुले बाजार से बढ़ाई हिस्सेदारी

नई दिल्ली। पैसालो डिजिटल लिमिटेड के प्रवर्तक समूह का हिस्सा इक्विलिब्रेटेड वेंचर ने पिछले सप्ताह खुले बाजार लेनदेन के जरिये गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) के लगभग 54 लाख शेयर खरीदे हैं। शेयर बाजार को दी सूचना के अनुसार इकाई ने 19 नवंबर को पैसालो डिजिटल के 1.4 लाख शेयर, 18 नवंबर को 8.37 लाख शेयर और 13 नवंबर को 43.94 लाख शेयर खरीदे। इस खरीद के साथ इक्विलिब्रेटेड की कुल शेयरधारिता जुलाई-सितंबर तिमाही के 19.94 प्रतिशत से बढ़कर 20.53 प्रतिशत हो गई।

कश्मीर के चूना पत्थर ब्लॉक की होगी नीलामी

नई दिल्ली। जम्मू और कश्मीर में पहली बार चूना पत्थर के कुल सात ब्लॉक की नीलामी की जाएगी। खान मंत्रालय ने यह जानकारी दी।

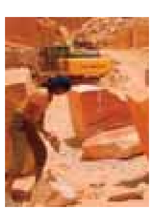

मंत्रालय ने कहा, " यह केंद्र शासित प्रदेश में खनन ब्लॉक की पहली नीलामी भी है, जो पारदर्शिता, प्रतिस्पर्धात्मकता और खनिज क्षेत्र में सतत विकास की दिशा में बदलाव को दर्शाती है।" इन खनिज भंडारों को जी3 और जी4 अन्वेषण चरणों के तहत वर्गीकृत किया गया है।

रबी बुवाई का रकबा पिछले साल से ज्यादा होगा

नई दिल्ली। कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी ने सोमवार को कहा कि सरकार को उम्मीद है कि गेहूं जैसी रबी (सर्दियों) फसलों का कुल रकबा पिछले साल के 655.88

लाख हेक्टेयर से कहीं ज्यादा होगा। उन्होंने यहां एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से कहा, ''रबी की बुवाई पिछले साल के मुकाबले ज्यादा है। अच्छी बारिश हुई है। और कुछ इलाकों में देर से कटाई होने की वजह से इस बार बुवाई में थोड़ी देरी हुई है। लेकिन हमें उम्मीद है कि हम पिछले साल के मुकाबले कहीं अधिक रबी बुवाई करेंगे।''

रुपया 46 पैसे की तेजी के साथ 89.20 प्रति डॉलर

मुंबई। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बीच रुपया सोमवार को 46 पैसे की तेजी के साथ 89.20 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अंतरबैंक

विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 89.46 प्रति डॉलर पर मजबूती के साथ खुला। कारोबार के दौरान 89.05 से 89.50 प्रति डॉलर के दायरे में रहा। अंत में यह 89.20 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 46 पैसे की बढ़त है।

रियल एस्टेट कंपनियों ने बेची 92,500 करोड़ की संपत्ति

नई दिल्ली। देश की 28 प्रमुख सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनियों ने चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में लगभग 92,500 करोड़ रुपये की संपत्तियां बेचीं।

शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में 28 प्रमुख सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनियों की कुल बिक्री बुकिंग लगभग 92,437 करोड़ रुपये रही। बिक्री बुकिंग के मामले में, प्रेस्टिज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-सितंबर अवधि में अग्रणी कंपनी बनकर उभरी, जिसकी पूर्व-बिक्री लगभग 18,143.7 करोड़ रुपये रही। डीएलएफ लिमिटेड दूसरे स्थान पर रही, जिसकी पूर्व-बिक्री लगभग 15,757 करोड़ रुपये रही।

भारत की अर्थव्यवस्था 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था के 6.5 प्रतिशत और अगले वित्त वर्ष 2026-27 में 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान व्यक्त किया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि कर कटौती और मौद्रिक नीति में ढील से उपभोग आधारित वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। भारत का वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) चालू वित्त वर्ष की अप्रैल से जून अवधि में पांच तिमाहियों में सबसे तेज 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के जीडीपी वृद्धि अनुमानों के आधिकारिक आंकड़े 28 नवंबर को जारी होने वाले हैं।

ग्लोबल रेटिंग्स एजेंसी एसएंडपी ने जताया अनुमान

घरेलू वृद्धि मजबूत बनी हुई

एसएंडपी ने अपनी 'इकोनॉमिक आउटलुक एशिया-पैसिफिक रिपोर्ट' में कहा, ''हमारा अनुमान है कि भारत की जीडीपी वित्त वर्ष 2025-26 (मार्च 2026 को समाप्त) में 6.5 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2026-27 में 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी, जिसमें जोखिम दोनों ओर संतुलित होंगे। अमेरिकी शुल्क के प्रभाव के बावजूद मजबूत खपत से प्रेरित घरेलू वृद्धि मजबूत बना हुई है।''

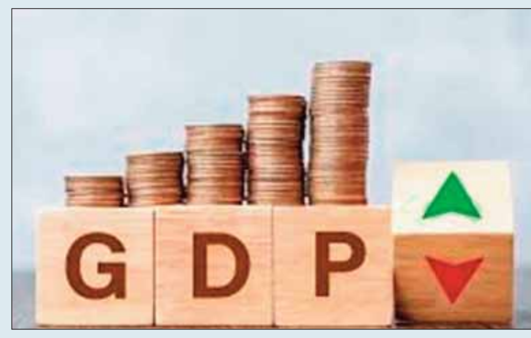

आरबीआई 6.8 फीसदी का अनुमान जता चुका

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है जो गत वित्त वर्ष 2024-25 की 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर से बेहतर है। एसएंडपी ने कहा, माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की कम दरें मध्यम वर्ग के उपभोग को बढ़ावा देंगी और इस वर्ष शुरू की गई आयकर कटौती एवं ब्याज दरों में कटौती का पूरक बनेंगी।

उपभोग वृद्धि बड़ा चालक बन सकता है

इन बदलावों से चालू वित्त वर्ष और अगले वित्त वर्ष में निवेश की तुलना में उपभोग वृद्धि का एक बड़ा चालक बन सकता है। सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में आयकर छूट को सात लाख रुपये से बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दिया है, जिससे मध्यम वर्ग को एक लाख करोड़ रुपये की कर राहत मिली है। आरबीआई ने जून में प्रमुख नीतिगत दरों में 0.5 प्रतिशत की कटौती करके उन्हें तीन साल के निचले स्तर 5.5 प्रतिशत पर ला दिया था। वहीं, 22 सितंबर से करीब 375 वस्तुओं पर जीएसटी दरें घटा दी गईं जिससे दैनिक उपभोग की वस्तुएं सस्ती हुई हैं।

'एफपीओ-हॉस्पिटैलिटी एंड फार्मर्स बेनिफिट' विषय पर कहा

होटल, रेस्तरां सीधे किसान उत्पादक संगठनों से उपज खरीदें: कृषि सचिव

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी ने सोमवार को होटल और रेस्तरां से किसानों की उपज सीधे किसान-उत्पादक संगठनों (एफपीओ) से खरीदने का आग्रह किया ताकि आपूर्ति श्रृंखला से बिचौलियों को हटाकर उत्पादकों के लिए बेहतर लाभ प्राप्त किया जा सके।

- पर्यटकों और लोगों को भोजन का बेहतर अनुभव मिल पाएगा

सचिव ने होटल उद्योग से पर्यटकों और लोगों के भोजन के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए भौगोलिक संकेत (जीआई) वाले खाद्य उत्पादों को बढ़ावा देने का भी आह्वान किया। चतुर्वेदी ने फेडरेशन ऑफ होटल एंड रेस्तरां एसोसिएशंस ऑफ इंडिया (एफएचआरएआई) के एक कार्यक्रम में कहा, ''देशभर में बड़ी संख्या में होटल और रेस्तरां हैं। अगर आप स्थानीय कृषक समुदाय के साथ साझेदारी करके प्रामाणिक भोजन, सब्जियां, मसाले और अन्य चीजें खरीदते हैं, तो यह दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद होगा।''

खास बातें

- आपूर्ति श्रृंखला से बिचौलियों को हटाकर उत्पादकों को बेहतर लाभ दिया जा सके
- जीआई वाले खाद्य उत्पादों को बढ़ावा देने का भी किया आह्वान

मंत्रालय वेब आधारित मंच शुरू करने की योजना बना रहा

सचिव ने कृषि मंत्रालय और होटल एंड रेस्तरां एसोसिएशन ऑफ नार्दर्न इंडिया (एचआरएएनआई) के सहयोग से 'एफपीओ-हॉस्पिटैलिटी एंड फार्मर्स बेनिफिट' विषय पर आयोजित सम्मेलन में कहा कि देशभर में लगभग 35,000 एफपीओ हैं, जिनमें से 10,000 सरकारी योजनाओं के तहत स्थापित हैं। मंत्रालय एक वेब-आधारित मंच शुरू करने की योजना बना रहा है। इसके तहत एफपीओ अपनी अतिरिक्त उपज को व्यवसायों, होटलों और रेस्तरां द्वारा सीधी खरीद के लिए पंजीकृत कर सकते हैं।

कृषि का जीडीपी में 18 फीसदी का योगदान

चतुर्वेदी ने कहा, ''वे (होटल और रेस्तरां श्रृंखला) वैसे भी स्थानीय मंडियों से फल, सब्जियां, मसाले और अनाज खरीद रहे हैं। हम उनसे अनुरोध कर रहे हैं कि वे सीधे संबंधित किसानों से जुड़े एफपीओ से खरीद शुरू करें।'' उन्होंने कहा कि कृषि भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 18 प्रतिशत का योगदान देती है और 46 प्रतिशत कार्यबल को रोजगार देती है। यह कृषि और गैर-कृषि क्षेत्रों के बीच आय असमानता को उजागर करता है।

कृषि क्षेत्र दो प्रमुख चुनौतियों का सामना कर रहा

सचिव ने कहा कि कृषि क्षेत्र दो प्रमुख चुनौतियों का सामना कर रहा है। पहली चुनौती जोत का छोटा आकार है जो बड़े पैमाने पर उत्पादन और मोल-जोल की शक्ति को सीमित करती है। दूसरी चुनौती, किसानों की उगाई फसलों के भाव और उसकी खुदरा कीमतों के बीच एक बड़ा अंतर का होना है। उन्होंने कहा कि कृषक समुदायों के साथ सीधी साझेदारी मूल्य में इस अंतर को पाटने में मदद कर सकती है।

जैविक खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ी

चतुर्वेदी ने कहा कि कीटनाशक-मुक्त और जैविक खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ रही है। जैविक या प्राकृतिक उत्पाद उत्पादित करने वाले किसान समूह प्रमाणित जैविक खरीद के लिए होटल और रेस्तरां के साथ गठजोड़ कर सकते हैं। उन्होंने भौगोलिक संकेत वाले उत्पादों के बारे में कहा कि भारत में बासमती चावल के अलावा कई पंजीकृत खाद्य उत्पाद हैं, जिनमें खाद्यान्न, सब्जियां, फल और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ शामिल हैं।

पीएसयू बैंकों की आवास ऋण में हिस्सेदारी बढ़ी

एजेंसी ⏭ मुंबई

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने सितंबर में प्रतिस्पर्धी आवास ऋण बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ायी है। कुल मूल ऋण में बैंकों की हिस्सेदारी बढ़कर 50 प्रतिशत हो गयी है। एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। क्रेडिट सूचना कंपनी क्रिफ हाई मार्क की रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकारी बैंकों ने आवास ऋण बाजार में निजी क्षेत्र के बैंकों को पीछे छोड़ दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, कुल आवास ऋण में से लगभग 40 प्रतिशत 75 लाख रुपये से अधिक के कर्ज थे। इसमें कहा गया है कि आवास ऋण बाजार, सितंबर के अंत तक सालाना आधार पर 11.1 प्रतिशत और तिमाही आधार पर 2.1 प्रतिशत बढ़कर 42.1 लाख करोड़ रुपये हो गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि कुल उपभोग ऋण 15.3 प्रतिशत बढ़कर 109.6 लाख करोड़ रुपये हो गया। स्वर्ण खंड में तेज वृद्धि के कारण इस श्रेणी में कर्ज बढ़ा है। कंपनी के चेयरमैन सचिन सेठ ने कहा, ''सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने मूल्य और पहुंच दोनों में अपने बाजार नेतृत्व का विस्तार किया है। और नियामक अनुशासन विभिन्न भौगोलिक और जनसंख्या क्षेत्रों में अधिक जिम्मेदार और व्यापक वित्तीय समावेश को प्रोत्साहित कर रहा है।''

- क्रिफ हाई मार्क की रिपोर्ट के अनुसार हिस्सेदारी बढ़कर 50 प्रतिशत

सालाना आधार पर वृद्धि धीमी रही

हालांकि, क्रिफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि 'मांग में नरमी और मौसमी कारकों' के कारण उपभोक्ता टिकाऊ वस्तु श्रेणी में सालाना आधार पर वृद्धि धीमी होकर 10.2 प्रतिशत रही। रिपोर्ट के अनुसार, परिसंपत्ति गुणवत्ता के दृष्टिकोण से, 31-180 दिनों के बीच बकाया उपभोग ऋणों के अनुपात में सुधार हुआ है और यह सितंबर में तीन प्रतिशत हो गया, जो जून में 3.1 प्रतिशत और एक साल पहले की समान अवधि में 3.3 प्रतिशत था।

अदाणी समूह ने पहली छमाही में किया रिकॉर्ड प्रदर्शन

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अदाणी समूह की कंपनियों ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में मजबूत प्रदर्शन किया है। समूह ने बयान में कहा कि उसने पहली छमाही में 67,870 करोड़ रुपये (7.6 अरब अमेरिकी डॉलर) का निवेश किया जिससे उसकी सकल परिसंपत्तियां 6.77 लाख करोड़ रुपये (76 अरब अमेरिकी डॉलर) हो गईं। वह 1.5 लाख करोड़ रुपये के अपने पूरे साल के पूंजीगत व्यय के लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। अदाणी समूह की पिछले 12 महीने की कर पूर्व आय (एबिटा) 92,943 करोड़ रुपये (10.4 अरब अमेरिकी डॉलर) के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गई जो सालाना आधार पर 11.2 प्रतिशत की वृद्धि है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में कर पूर्व आय 47,375 करोड़ रुपये रही जिसमें 83 प्रतिशत योगदान समूह की प्रमुख यूटिलिटी इकाइयों, परिवहन एवं बुनियादी ढांचा परिचालन का रहा। परिसंपत्तियों पर प्रतिफल बढ़कर 15.1 प्रतिशत हो गया जो बुनियादी ढांचा क्षेत्र की कंपनियों के लिए वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक है। निवेश चक्र में तेजी के बावजूद ऋण संकेतक मजबूत बने रहे। शुद्ध ऋण से कर पूर्व आय अनुपात सुधरकर तीन गुना हो गया जो समूह की 3.5-4.5 गुना की निर्देशित सीमा से काफी कम है।

- पहली छमाही में 67,870 करोड़ रुपए का किया निवेश

बुनियादी ढांचा मजबूत वृद्धि दर्ज कर रहा

सीएफओ ने कहा, '' हमारा प्रमुख बुनियादी ढांचा कारोबार लगातार दो अंक की मजबूत वृद्धि दर्ज कर रहा है जबकि हम सबसे बड़े पूंजीगत व्यय कार्यक्रमों में से एक को क्रियान्वित कर रहे हैं।'' सिंह ने कहा कि पूंजीगत व्यय दोगुना होने के बाद भी ऋण 'मीट्रिक' मार्गदर्शन से नीचे बने हुए हैं जो मजबूत वित्तीय अनुशासन को दर्शाता है।

सोना घटकर 125400 रुपए प्रति दस ग्राम

सोना 700 रुपए टूटा चांदी भी कमजोर

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

रुपये में मजबूती और कमजोर वैश्विक रुख के बीच सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमतें 700 रुपये घटकर 1,25,400 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गईं। बाजार के लोगों ने यह जानकारी दी है। लगातार तीसरे सत्र में गिरावट जारी रखते हुए, 99.5 शुद्धता वाले सोने की कीमत 700 रुपये घटकर 1,24,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर मिलाकर) रह गयी। चांदी भी लगातार तीसरे दिन बिकवाली के दबाव में रही, और 1,000 रुपये टूटकर 1,55,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर मिलाकर) रह गई। सोमवार को, वैश्विक कच्चे तेल

की कीमतों में गिरावट के बीच बैंकों और आयातकों द्वारा डॉलर की बिकवाली से रुपया 50 पैसे की तेज बढ़त के साथ 89.16 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। एलकेपी सिक्योरिटीज के जिंस और मुद्रा शोध विश्लेषण विभाग के उपाध्यक्ष जतीन त्रिवेदी ने कहा, ''रुपये के मजबूत होने और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में नरमी की वजह से घरेलू कीमतों पर दबाव पड़ने के कारण सोने की कीमतें कमजोर खुलीं।

शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन गिरावट

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजार में सोमवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में गिरावट आई और दोनों मानक सूचकांक नुकसान में रहे। सतर्क निवेशकों की अंतिम समय में बिकवाली और किसी ठोस संकेतक के अभाव में सेंसेक्स 331 अंक गिर गया जबकि एनएसई निफ्टी 26,000 अंक के नीचे आ गया। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती बढ़त गंवाते हुए 331.21 अंक यानी 0.39 प्रतिशत की गिरावट के साथ 85,000 के नीचे 84,900.71 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 521.81 अंक तक लुढ़क गया था।

एनबीएफसी की एयूएम वृद्धि 18 फीसदी रहने का अनुमान

एजेंसी ⏭ मुंबई

रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने कहा है कि गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) ग्राहक ऋण बोझ बढ़ने से कुछ क्षेत्रों में सतर्क रुख अपनाने के बावजूद प्रबंधन-अधीन परिसंपत्तियों (एयूएम) में 18 प्रतिशत की वृद्धि बरकरार रखेंगी।

- ग्राहक ऋण बोझ बढ़ने से कुछ क्षेत्रों में सतर्क रुख

इसके साथ ही क्रिसिल रेटिंग्स ने अनुमान लगाया है कि उद्योग का कुल एयूएम वित्त वर्ष 2026-27 के अंत तक लगभग 50 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा। क्रिसिल के मुख्य रेटिंग अधिकारी कृष्णन सीतारमण ने कहा, ''एनबीएफसी सूक्ष्म, लघु एवं मझोली कंपनियों (एमएसएमई) और असुरक्षित ऋण श्रेणियों में जोखिम को ध्यान में रखते हुए वृद्धि अपनाएंगी।''

एयूएम का छह प्रतिशत हिस्सा असुरक्षित या बिना गारंटी वाले एमएसएमई ऋण का है लेकिन यह उधारकर्ताओं के अधिक ऋण बोझ के कारण

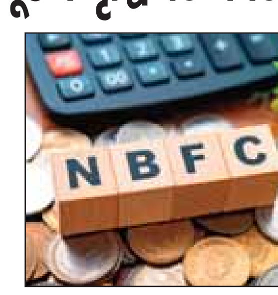

बढ़ती अनियमितताओं से प्रभावित हैं। इस श्रेणी में एयूएम वृद्धि 31 प्रतिशत से घटकर 13–14 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

बैंक वैकल्पिक स्रोतों से पूंजी जुटा रहे

क्रिसिल के वरिष्ठ निदेशक अजीत वेलोनिये ने कहा कि बड़े एनबीएफसी बैंकों के अलावा वैकल्पिक स्रोतों से भी पूंजी जुटा रहे हैं, जबकि छोटे संस्थानों के लिए विकल्प सीमित हैं।

फोन पर नंबर ब्लॉक करने से नहीं रुकेगी स्पैम कॉल

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दूरसंचार नियामक ट्राई ने सोमवार को कहा कि मोबाइल फोन पर केवल नंबर ब्लॉक करने से स्पैम कॉल और धोखाधड़ी वाले संदेशों पर रोक नहीं लगती है। इसके लिए ग्राहकों को 'ट्राई डीएनडी ऐप' के जरिये ही स्पैम की शिकायतें दर्ज करानी चाहिए। 'ट्राई डीएनडी ऐप' भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) का आधिकारिक मंच है, जिसके जरिये मोबाइल उपभोक्ता स्पैम कॉल और स्पैम संदेश की शिकायतें दर्ज कर सकते हैं। यहां पर डीएनडी का मतलब 'डू नॉट डिस्टर्ब' से है। ट्राई ने बयान में कहा कि उपभोक्ताओं की शिकायतों के आधार पर स्पैम और फर्जीवाड़े वाले संदेश भेजने पर अब तक 21 लाख से अधिक मोबाइल नंबर काटे जा चुके हैं और लगभग एक लाख इकाइयों को काली सूची में डाला जा चुका है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

टेस्टिंग और मेज़रिंग इक्विपमेंट का प्रावधान हेतु ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना: EL-G-E-OT-25-26-24
दिनांक: 18.11.2025
कार्य: इलेक्ट्रिकल एसेट्स के लिए टेस्टिंग और मेज़रिंग इक्विपमेंट का प्रावधान।
निविदा मूल्य: ₹ 47,47,139/-,
बिड सेक्युरिटी: ₹ 95,000/-
निविदा प्रस्तुति तिथि: दिनांक **28.11.2025** से **12.12.2025** के **15:00** बजे तक।
निविदा खोलना: दिनांक **12.12.2025** को।
अधिक जानकारी के लिए कृपया वरिष्ठ डीईई (आरएसएंडजी)/नागपुर के कार्यालय से संपर्क करें या वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध दस्तावेज देखें / डाउनलोड करें।

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (RS&G),
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे,
नागपुर
MS/41-189
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

GOVERNMENT OF MAHARASHTRA
WORLD BANK PROJECT DIVISION, AHILYANAGAR
Adders :- Near Ashok Hotel, Ahilyanagar Chhatrapatisambhajinagar- Road, Ahilyanagar
E-mail:- wbpahmednagar.ee@mahapwd.gov.in Phone No. 0241-2428043

E-TENDER NOTICE NO. 1 for 2025-2026 (Online)

Online E-Tenders in B-1 Form for the following works invited by Executive Engineer, World Bank Project Division, Ahilyanagar From Competent and Interested contractors fulfilling all the terms and conditions of tender Globle Company having it's Indian/Sub Company can also Participate in Tender. Tender Document can be Downloaded from Government web site www.mahatenders.gov.in Executive Engineer, World Bank Project Division, Ahilyanagar who reserves the right to reject any or all tenders without assigning any reason therefore. Conditional tender will not be accepted.

Estimated rates does not contains GST Contractors shall also quote their rates without GST (Excluding GST). GST will be paid to Contractors at prevailing rates on bill amount separately.

Sr. No.	Name of work	Estimated Cost put to tender
1	Improvements of four Lanning of Ahilyanagar Chhatrapatisambhajinagar road MSH-05 Km 120/400 to 162/00	4086.67 Lakhs

E-Tender Available period	:-	Date 25/11/2025 to Date 09/12/2025
Pre Bid Meeting	:-	Dt. 03/12/2025 at 15.00 hours in the Office of the Chief Engineer P.W.Region, Bandhakam Bhawan,Trimbak road Nashik
Opeining of E-Tender	:-	Date 11/12/2025

The details of works are provided in the websites as below
1. www.mahapwd.gov.in
2. www.mahatenders.gov.in
(Change if any in above Schedule can be seen on above websites)
3. On Notice Board in the office of Executive Engineer World Bank Project Division, Ahilyanagar

Executive Engineer
World Bank Project Division Ahilyanagar
क्रमांक: आरओसी-2025-26/क्र-5/C ४१९३

M.P. STATE AGRICULTURAL MARKETING BOARD
26-ARERA HILLS JAIL ROAD BHOPAL
Board/Nirman/P.Cell./Assaying/25-26/2013 Date : 24.11.2025

NOTICE FOR REQUEST FOR QUALIFICATION

Notice Inviting Request for Qualification (RFQ) for Empanelment of Manufacturers for SUPPLYING, INSTALLING, COMMISSIONING, TESTING, OPERATION, REPAIR AND MAINTENANCE OF TWO-DIRECTIONAL AUTOMATIC FOOD GRAIN ANALYZER FOR QUALITY ASSAYING OF FOOD GRAINS in Various APMCs of Madhya Pradesh. Online offers are invited for the above-mentioned work (Tender Number : 2025_MPSAM_463885) through Madhya Pradesh e-tender portal **https://mptenders.gov.in/** on or before date 16.12.2025 upto 5:00 PM. The submission of an offer by a manufacturer implies that he has read the detailed RFQ and all other documents. The detailed RFQ is available on **https://mptenders.gov.in/** & Madhya Pradesh State Agricultural Marketing Board website - **https://mpmandiboard.in/**
Note : Any corrigendum in this NIT, if required, shall be displayed only on above portal regarding any matter included in this NIT or otherwise. Other details of project and locations & key dates can also be seen on our website **www.mpmandiboard.gov.in**
M.P. Madhyam/123163/2025 **EXECUTIVE ENGINEER (Project Cell)**

OFFICE OF THE SECTERATY KRISHI UPAJ MANDI KATNI DIST. KATNI
N.I.T. No/Mandi/Nirman/2025-26/2174 Katni dated 24/11/25
Notice Inviting Tender

Online Percentage Rate E Tenders are invited from contractors registered with the Office of the Engineer in Chief, M.P. Public Works Department, Government of Madhya Pradesh (Centralized Registration Cell) for Construction of Covered Auction plateform (30x20 meter) in mandi yard katni with Construction of CC road around 2 sides of CAP (30x20 meter) in mandi yard katni and C.C. Road renewal work in Grain Yard Mandi Yard katni dist. Katni **Tender Number: 2025_MPSAM_464081_1** (PAC Rs. 597.78 lac), and Repair and maintainence work of covered shed, Godown and shop cum godown with Repair and white washing work of old office building **Tender Number: 2025_MPSAM_464474_1** (PAC 79.83 lakhs). The following works Tender to be received online up to 3:30 PM on 16.12.2025. Technical bid documents with EMD & Finacial Offer to be received online only as per Detailed NIT. The tender documents can be obtained online on the **https://mptenders.gov.in** as per the Notice Published on the above Portal and detailed information can also be seen on website **www.mpmandiboard.gov.in.**
Note:- Any corrigendum in this NIT, if published, shall be displayed only in our above portal regarding any matter included in this NIT or otherwise. Other details of Construction/Develpoment works and locations & key dates **can also be seen on our website** www.mpmandiboard.gov.in

Secretary
Krishi Upaj mandi Samiti Katni
Distt. Katni

चिंतन

महिलाओं ने तीन विश्व कप जीतकर लिखा नया अध्याय

आज हम 21वीं सदी में है। कभी वो समय था, जब महिलाओं को केवल घर की चारदीवारी तक ही सिमित रखा जाता था। यहां तक की अनेक देशों में तो उन्हें वोट देने तक का अधिकार नहीं था, लेकिन आधुनिक युग में महिलाएं कहीं भी पुरुषों से पीछे नहीं हैं। वे जितने अच्छे से घर, परिवार और माता -पिता को संभालती हैं, उतने ही अच्छे से हवाई जहाज भी उड़ा रही हैं। बड़ी कंपनी में भी दायित्व निभा रही हैं। यहां तक कि देश की रक्षा में भी उनका अहम योगदान है। उन्होंने अपनी योग्यता का चौतरफा लोहा मनवा लिया है। चांद पर जाने वाली भी महिला है और घर संभालने वाली भी। इसी कड़ी में क्रिकेट विश्व कप जीतने के बाद देश को महिलाओं ने एक बार फिर गर्व का मौका दिया है। अब उन्होंने कबड्डी में दुनियाभर में धाक जमाते हुए वर्ल्ड कप जीत लिया है। बांग्लादेश के ढाका में 2025 का फाइनल भारत और चीनी ताइपे के बीच खेला गया। खिताबी मुकाबले में भारत ने चीनी ताइपे को 35-28 के स्कोर से हरा दिया। भारतीय महिला टीम ने लगातार दूसरी बार महिला वर्ल्ड कप का खिताब जीता है। भारत ने ग्रुप चरण के सभी चार मैचों में जीत हासिल कर और सेमीफाइनल में ईरान को 33-21 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। उनके प्रतिद्वंद्वी चीनी ताइपे भी खिताबी मुकाबले में अपराजित थे और उन्होंने मेजबान बांग्लादेश को 25-18 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। फाइनल मुकाबला काफी जोरदार रहा, जिसमें चीनी ताइपे ने शुरुआती दौर में भारत के डिफेंस को चुनौती दी। हालांकि, भारतीय खिलाड़ियों ने अनुशासित टैकल और सही समय पर किए गए हमलों के जरिए धीरे-धीरे नियंत्रण हासिल किया और मैच के निर्णायक क्षणों में संयम बनाए रखा और कप अपने नाम कर लिया। भारत की बेटियां अपने दम पर दुनिया में देश का नाम रोशन कर रही हैं। पिछले 30 दिन के भीतर इन बेटियों ने 3 वर्ल्ड कप जीत लिए हैं। सबसे पहले भारत की महिला क्रिकेट टीम ने साउथ अफ्रीका को हराकर महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप का खिताब जीता। इसके बाद ब्लाइंड महिला टी20 वर्ल्ड कप में भारत की ब्लाइंड महिला क्रिकेट टीम ने कमाल कर दिया। उन्होंने फाइनल में नेपाल को 7 विकेट से हराया और ब्लाइंड महिला टी20 वर्ल्ड कप का खिताब कोलंबो में जीता। पहली बार ब्लाइंड महिला टी20 वर्ल्ड कप का आयोजन हुआ था। इसके बाद अब भारत की महिला कबड्डी टीम ने भी वर्ल्ड कप जीत लिया है। हमारी सोच चाहे कैसी भी रही हो, सच तो यही है कि आज की महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के बराबर या उनसे आगे हैं, भले ही उन्हें विपरीत परिस्थितियों और सामाजिक बाधाओं का सामना करना पड़े। महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी मेहनत, लगन और बुद्धिमत्ता से पुरुषों को मात दे रही हैं। इतना सब होने के बावजूद आज भी हमारे समाज में दहेज के लिए हत्या, यौन शोषण, कन्या भ्रूण हत्या व महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसी कुरीतियां भी हैं। जिन पर पार पाना अभी शेष है। ऐसे लोग भी हैं जो इतना सब होने के बाद भी महिलाओं को दोयम दर्जे का समझते हैं और उन्हें किसी तरह के अधिकार देने को तैयार नहीं। अगर हम ऐसी मानसिकता से निपटने में कामयाब रहे तो तय है कि ये आधी आबादी न केवल देश को ज्यादा गौरवान्वित करेगी बल्कि विकास की रफ्तार भी तेज होगी।

स्मृति

विवेक शुक्ला

क्यों राजनीति के पर्दे पर हीरो नहीं बन सका हीमैन

धर्मेंद्र लगभग छह दशकों तक बॉलीवुड के महत्वपूर्ण हस्ताक्षर रहे। उन्होंने शोले, सत्यकाम, चुपके-चुपके, फूल और पत्थर, बंदिनी जैसी अनेक फिल्मों में यादगार किरदार निभाए। पर सियासत की दुनिया में उनका सफर छोटा और किसी भी रूप से यादगार नहीं रहा। धर्मेंद्र 2004 का लोकसभा चुनाव राजस्थान के बीकानेर लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर लड़े और आराम से जीत गए। जिस शख्स ने कभी सियासत की बात तक नहीं की, जो इंटरव्यू में भी कहता था कि "मुझे तो बस फिल्में बनानी और करना पसंद है", वही शख्स संसद पहुंच गया। जीत भी बड़ी शानदार मिली- करीब 60 हजार वोटों से। मगर, उन्होंने फिर कभी चुनाव नहीं लड़ा। राजनीति का उनका सफर यहीं खत्म हो गया। दरअसल 2004 के लोकसभा चुनाव के वक्त राजस्थान में बीजेपी की लहर थी। वाजपेयी सरकार के अंतिम वर्ष थे। बीकानेर सीट पर पार्टी को एक ऐसा चेहरा चाहिए था जो जाट बहुल इलाके में पकड़ रखता हो और जिसकी लोकप्रियता से कांग्रेस का पुराना किला ढह जाए। जाट समुदाय में धर्मेंद्र का जबरदस्त प्रभाव था। उनकी फिल्में गांव-गांव में हिट होती थीं। "शोले" का वीरू, "चुपके चुपके" का डॉ. परिमल, "यमला पगला दीवाना" का देसी जवान - ये किरदार राजस्थान के गांवों में आज भी जिंदा हैं। बीजेपी को लगा कि अगर धर्मेंद्र मैदान में उतर आए तो जीत पक्की।

खुद धर्मेंद्र ने कई इंटरव्यू में बताया कि उनके बहुत करीबी दोस्त, बीजेपी के तत्कालीन नेता और राजस्थान के बड़े नेता (नाम उन्होंने कभी सार्वजनिक नहीं किया) बार-बार आग्रह करते रहे। धरम जी, बस एक बार आ जाओ, इलाके के लिए बहुत कुछ कर सकते हो।" पहले तो उन्होंने साफ मना कर दिया। कहा, मैं तो फिल्मों का आदमी हूं, मुझे ये सब नहीं आता। मगर दोस्तों ने जिद पकड़ ली। अंत में धर्मेंद्र मान गए। शर्त सिर्फ एक थी – ज्यादा प्रचार नहीं करना, न ज्यादा भाषण देने। धर्मेंद्र का चुनाव प्रचार देखने लायक था। जहां दूसरे नेता सुबह से रात तक गांव-गांव गली-गली चिल्लाते थे, वहां धर्मेंद्र बस दो-तीन बड़ी सभाएं करते और लौट आते। कभी जीप पर खड़े होकर हाथ हिलाते, कभी मंच पर बैठकर मुस्कुराते। भाषण? वो भी दो-चार लाइन का। "भाइयो-बहनो, मैं आपका अपना हूं। आपने मुझे फिल्मों में इतना प्यार दिया, अब एक बार संसद में भेज दो।" बस। लोगों को भाषण नहीं, उनका चेहरा चाहिए था। उन्होंने 2004 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के पूर्व केंद्रीय मंत्री रामेश्वर लाल दूदी को भारी मतों से हराया। जीत के बाद दिल्ली आकर संसद भवन में पहुंचे तो मीडिया वाले टूट पड़े। पूछा गया, "अब राजनीति में पूरी तरह आ गए न? धर्मेंद्र ने अपना पुराना अंदाज दिखाया, "अरे भाई, मैं तो बस बीकानेर की सेवा करने आया हूं। बाकी फिल्में भी चलती रहेंगी।" एक बार तो सदन में हंसी का माहौल बन गया जब स्पीकर ने उनका नाम पुकारा और धर्मेंद्र जी उठे नहीं। बाद में पता चला कि वो शूटिंग के लिए मुंबई चले गए थे। विपक्ष ने खूब चुटकी ली, लेकिन जनता को इससे कोई फर्क नहीं पड़ा। बीकानेर में लोग कहते थे, "हमारे सांसद तो हीमैन हैं, बोलना क्या जरूरी है?" धर्मेंद्र के पारिवारिक मित्र और वास्तु और ज्योतिष शास्त्र पर कई किताबों के लेखक डॉ. जे.पी. शर्मा लाल धागे वाले कहते हैं कि धरम जी के स्वभाव में राजनीति नहीं थी।

दूसरी बात, वो मुंबई से दूर नहीं रह सकते थे। मुंबई में उनका फार्म हाउस था, मुंबई में परिवार, फिल्में। सांसद बनने के बाद भी वो ज्यादातर समय मुंबई और अपने गांव में ही रहे। बीकानेर भी कम ही गए। स्थानीय कार्यकर्ता शिकायत करते थे कि "धरम जी आते ही नहीं।" लेकिन जनता फिर भी नाराज नहीं हुई क्योंकि उसने उन्हें "अपना" मान लिया था।

कहते हैं कि 2009 के लोकसभा चुनाव में भी बीजेपी ने उन्हें फिर टिकट देने की पेशकश की। धर्मेंद्र ने साफ मना कर दिया। कहा, "बस एक बार काफी है। अब मैं अपने खेतों में, अपने घोड़ों में, अपनी फिल्मों में खुश हूं।"

धर्मेंद्र ने 2009 के बाद कभी राजनीति की तरफ मुड़कर नहीं देखा। न कोई बयान, न कोई रैली, न कोई पार्टी मीटिंग। वो वापस अपने पहले प्यार - फिल्मों और फार्मिंग में लौट गए। "यमला पगला दीवाना" सीरीज बनाई, बेटों सनी और बॉबी के साथ काम किया। जब कोई उनसे राजनीति की बात करता है तो वो हंसकर टाल देते हैं - "अरे छोड़ो यार, वो तो बस एक्टिंग का ही एक रोल था, वो भी खत्म हो गया। अब तो असली जिंदगी जी रहा हूं।"

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

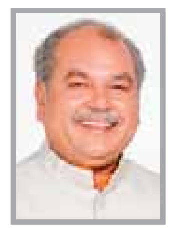

अमृतकाल

नरेंद्र सिंह तोमर

संविधान हमारे लिए सिर्फ पुस्तक नहीं है, यह जन-जन की आशाओं का प्रतिबिंब है। 7 जून 2024 को नरेंद्र मोदी जी ने मोदी-3 सरकार की शुरुआत करते हुए संसद के सेंट्रल हॉल में संविधान की पवित्र पुस्तक को माथे से लगाकर नमन किया था। यही दृश्य पांच साल पहले मोदी-2 के समय भी दृष्टिगत हुआ था। नरेंद्र मोदी जी की भारतीय संविधान में आस्था न केवल इन दृश्यों से अपितु उनके हर निर्णय से स्वतः परिलक्षित हो रही है।

लोकतंत्र की गीता हमारा संविधान

20वीं सदी के पूर्वार्ध अर्थात 1900 से 1950 के बीच पूरी दुनिया में लगभग 150 देश स्वतंत्र हुए। इनमें से अधिकांश ने औपनिवेशिक गुलामी की जंजीरें तोड़ने के बाद आजादी की हवा में सांसे लीं। भारत भी लगभग 200 वर्ष की अंग्रेजों की गुलामी से स्वतंत्र हुआ। यदि समकालीन स्वतंत्र सभी देशों में हम आज की स्थिति का तुलनात्मक अध्ययन करें तो पाते हैं कि भारत अन्य देशों की तुलना में सबसे अधिक लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण राष्ट्र के रूप में विकसित हुआ है। इसके पीछे निहित है हमारे सशक्त संविधान की ताकत। संविधान निर्माताओं ने संविधान की रचना में भारतीय जीवन मूल्यों, आधुनिक शासन, भविष्य की आशाओं की पूर्ति का लक्ष्य और नागरिक केंद्रित शासन व्यवस्था को इतनी कुशलता के साथ समावेशित किया कि साल दर साल यह लोकतंत्र की जड़े मजबूत करता ही चला गया।

26 नवंबर 2025 को हम 76वां संविधान दिवस मनाने जा रहे हैं। एक वर्ष पूर्व हमारे संविधान का अमृतकाल वर्ष प्रारंभ हुआ था। संपूर्ण वर्ष हमने संविधान के सम्मान में 'संविधान गौरव अभियान' मनाया और संविधान निर्माताओं के प्रति अपनी कृतज्ञता को ज्ञापित किया। हमारे लिए संविधान दिवस की तिथि न केवल एक औपचारिक स्मृति है, बल्कि उन मूल्यों, आदर्शों और संकल्पों का वार्षिक पुनर्मूल्यांकन भी है जो हमारे लोकतंत्र की नींव है। संविधान ने भारत को एक आधुनिक, समतामूलक, लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में स्थापित किया और नागरिकों को अधिकार, अवसर और गरिमा की सुरक्षा सुनिश्चित की।

स्वतंत्रता प्राप्ति के तुरंत बाद, एक विकसित, समावेशी और न्यायपूर्ण भारत के निर्माण के लिए एक दूरदर्शी एवं सक्षम संविधान की आवश्यकता थी। संविधान सभा के सदस्यों ने गहन विमर्श, विविध दृष्टिकोणों और भारत की बहुलतावादी परंपरा को समाहित करते हुए ऐसा दस्तावेज तैयार किया जो आज भी विश्व के सर्वश्रेष्ठ संविधानों में अग्रणी है। आज राष्ट्र कृतज्ञ है संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी, और संविधान के मुख्य वास्तुकार संविधान प्रारूपण समिति के डॉ. बी.आर. अंबेडकर एवं अन्य सदस्यगणों का, जिन्होंने अपनी दूरदर्शिता, राष्ट्र के प्रति निष्ठा और जन कल्याण की भावना से एक ऐसा ग्रंथ तैयार किया जिसे हम भारतीय लोकतंत्र की गीता भी कहें तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी।

हमारे संविधान की विशेषता यह है कि यह परिवर्तनशील समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित होने की क्षमता रखता है। यही कारण है कि पिछले सात दशक में संविधान ने अपने मूलभूत सिद्धांतों को अक्षुण्ण रखते हुए समाज, प्रशासन और न्याय व्यवस्था में समयानुकूल परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त किया है। हमारा संविधान जन-जन की भावनाओं, आकांक्षाओं का प्रतीक है। संविधान ने राष्ट्र को राह दिखाई है और समय-समय पर स्वयं में संशोधन करके लोकतांत्रिक मूल्यों को और अधिक सशक्त भी किया है।

संविधान का केंद्रीय बल नागरिकों को न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व प्रदान करने की प्रतिबद्धता है। इन मूल्यों के साथ प्रत्येक भारतीय नागरिक को न केवल अपने अधिकारों का उपभोग करना है,

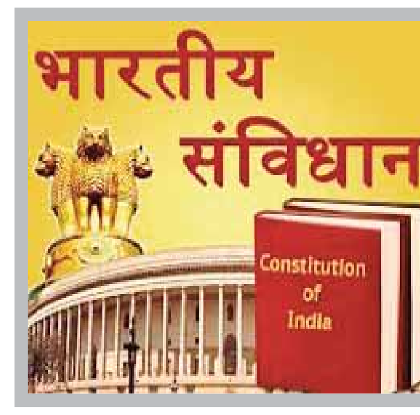

बल्कि अपने कर्तव्यों का भी पालन करना है—क्योंकि मजबूत राष्ट्र नागरिकों की जिम्मेदारियों से बनता है। संविधान के मूलभूत कर्तव्यों की प्रासंगिकता आज और अधिक बढ़ गई है, जब देश अमृतकाल में विकसित भारत के निर्माण के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है।

हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन एवं कुशल नेतृत्व में विगत 11 वर्षों में सरकार ने संविधान में पूर्ण निष्ठा के साथ जन कल्याण की दिशा में तीव्र गति से कार्य किया है। यह दशक संविधान के लोकहित में सशक्त होने का समय था।

संविधान में अब तक 106 संशोधन हो चुके हैं। सबसे हाल में हुआ 106 वां संशोधन इस देश की आधी आबादी अर्थात नारी शक्ति के सशक्तिकरण को समर्पित है। दशकों से लंबित महिलाओं के हक की एक मांग को नरेंद्र मोदी जी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 के माध्यम से साकार किया है। लोकसभा एवं राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटों का आरक्षण भारत में महिला नेतृत्व को एक नया आयाम देता है। वास्तव में यह संविधान की मूल भावना का एक समाचीन विस्तार है।

5 अगस्त 2019 को संविधान में हुआ संशोधन स्वतंत्र भारत का सबसे बड़ा ऐतिहासिक निर्णय माना जा सकता है। जम्मू- कश्मीर और लद्दाख के लिए संविधान में प्रावधानित अनुच्छेद 370 और 35 ए को हटाए जाने से डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी का ' एक देश, एक विधान, एक प्रधान' का संकल्प स्वतंत्रता के 70 वर्ष उपरांत पूर्ण हो पाया। यह शनरेंद्र मोदी जी की दृढ़ निर्णय शक्ति का ही परिणाम है कि धरती का स्वर्ग कहे जाने वाले जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भी देश के बाकी हिस्सों के साथ विकास की राह पर आगे बढ़ रहे हैं।

तीन आपराधिक क़ानून- भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य संहिता को लागू करके भारत सरकार ने दंड के स्थान पर न्याय की अवधारणा को धरातल पर उतारा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के चिंतन में सदैव पहली प्राथमिकता कमजोर वर्ग को सशक्त कर उसे समाज की मुख्यधारा में लाने की रही है। संविधान के 103वें संशोधन के माध्यम से वर्ष 2019 में भारत सरकार ने सामान्य वर्ग के कमजोर आर्थिक वर्ग वाले परिवारों को 10 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। यह समाज के कमजोर वर्ग के सशक्तिकरण में मील का पत्थर है।

संविधान हमारे लिए सिर्फ पुस्तक नहीं है, यह जन-जन की आशाओं का प्रतिबिंब है। 7 जून 2024 को नरेंद्र मोदी जी ने मोदी-3 सरकार की शुरुआत करते हुए संसद के सेंट्रल हॉल में संविधान की पवित्र पुस्तक को माथे से लगाकर नमन किया था। यही दृश्य पांच साल पहले मोदी-2 के समय भी दृष्टिगत हुआ था। नरेंद्र मोदी जी की भारतीय संविधान में आस्था न केवल इन दृश्यों से अपितु उनके हर निर्णय से स्वतः परिलक्षित हो रही है।

7 नवंबर 2025 को संपूर्ण राष्ट्र ने राष्ट्रगीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगाठ को एक महान स्मरणोत्सव के रूप में मनाया। उत्तर से दक्षिण तक और पूर्व से पश्चिम तक समवेत स्वर में स्व. बंकिम चंद्र चटर्जी की अमर रचना वंदे मातरम की गूंज है। वर्ष पर्यंत हम राष्ट्रगीत को समारोह पूर्वक स्मरित करते रहेंगे क्योंकि यह हमारी स्वतंत्रता का जयघोष रहा है।

आज जब भारत विश्व मंच पर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, तब संविधान हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए आधुनिक प्रगति की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा देता है। यह दस्तावेज केवल शासन की रूपरेखा नहीं, बल्कि राष्ट्र के चरित्र और नागरिकों के नैतिक मूल्यों का मार्गदर्शक है।

(लेखक मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

असंयम लक्ष्य विमुख कर देता हैं

संकलित

दर्शन

भगवान श्रीराम हर पल आत्मस्थिति में रहे। वे तनिक भी असंयमित नहीं हुए। असंयम लक्ष्य विमुख कर देता है। जब हम किसी से प्रतिस्पर्धा का भाव रखते हैं, तब उस व्यक्ति के गुण और उसके कार्यों को हम किसी और ढंग से देखते हैं। उसी व्यक्ति से जब हमारा राग होता है, तो हम उसके हर कार्य में श्रेष्ठता ही देखते हैं। द्वेष होने पर हम न्यूनता और दोषों को ही खोजते हैं। आसक्ति होने पर उसके प्रति हम अपना सर्वस्व न्योछावर करने में भी तनिक संकोच नहीं करते हैं। हमारी यह इंद्रधनुषीय दृष्टि और वृत्ति जब किसी पद और अधिकार प्राप्त व्यक्ति के साथ जुड़ जाती हैं, तब वह व्यक्ति विकार को और भी विकृत कर उसे व्यापक बना देता है, तब उस मनःस्थिति में निर्णय देने, सामाजिक व्यवहार करने में वह अपने अधिकारों का दुरुपयोग करता हुआ स्वयं और समाज को गर्त में डाल देता है। रीरामचरितमानस में गुरु वशिष्ठ ने श्रीभरत के अंदर तब इस त्रिपुटी की प्रधानता स्वीकारी, जब श्रीभरत भगवान की पादुकाओं को अपने सिर पर लेकर आए और गुरुदेव वशिष्ठ से पूछा कि यदि आपका मंगलाशासन हो तो मैं पादुका रूप प्रभु को नंदीग्राम जाकर सिंहासनासीन कर वहीं से राज्य का कार्य संभाल लूंगा? तब गुरुदेव ने मानो भरत से यही कहा कि समुझव (समझ) के रूप में तुम्हारे अंदर विधायिका के गुण हैं, कहब (कथन) के रूप में न्यायपालिका के गुण हैं और करब (करनी) के रूप में कार्यपालिका के गुण हैं। भरत ऐसे भक्त हैं, जिन्होंने अपनी समझ, कथन, और करनी का योग भगवान के चरणों में अर्पित कर दिया।

कर्म महत्वपूर्ण है

संकलित

प्रेरणा

एक निक्कमे आदमी की पत्नी ने उसे घर से निकलते हुए कहा आज कुछ न कुछ कमा कर ही लौटना नहीं तो घर में नहीं घुसने दूगीं। आदमी दिन भर इधर-उधर भटकता रहा, लेकिन उसे कुछ काम नहीं मिला। निराश मन से वह जा रहा थी कि उसकी नजर एक मरे हुए सांप पर पड़ी। उसने एक लाठी पर सांप को लटकाया और घर की और जाते हुए सोचने लगा, इसे देखकर पत्नी डर जाएगी और आगे से काम पर जाने के लिए नहीं कहेगीं। घर जाकर उसने सांप को पत्नी को दिखाते हुए कहा, ये कमाकर लाया हूँ। पत्नी ने लाठी को पकड़ा और सांप को घर की छत पर फेंक दिया।वह सोचने लगी कि मेरे पति की पहली कमाई जो कि एक मरे हुए सांप के रूप में मिली, ईश्वर जरुर इसका फल हमें देगें क्योंकिं मैंने सुना हैं कि कर्म का महत्व होता हैं। वह कभी व्यर्थ नहीं जाता। तभी एक बाज़ उधर से उड़ते हुए निकला जिसने चोंच में एक कीमती हार दबा रखा था। बाज़ की नजर छत पर पड़े हुए सांप पर पड़ी उसने हार को वहीं छोड़ा और सांप को लेकर उड़ गया। पत्नी ने हार को पति को दिखाते हुए सारी बात बताई। पति अब कर्म के महत्व को समझ चुका था, उसने हार को बेचकर अपना व्यवसाय शुरू किया। कल का एक गरीब इन्सान आज का सफल व्यवसायी बनकर इज्जत की जिंदगी जी रहा हैं। चलने वाला मंजिल पाता, बैठा पीछे रहता हैं, ठहरा पानी सड़ने लगता, बहता निर्मल रहता हैं। पैर मिले हैं चलने को तो, पांव पसारे मत बैठो आगे-आगे चलना हैं तो, हिम्मत हारे मत बैठो।

सटाका

आज की पाती

आतंक पर निर्णायक सख्ती जरूरी

भारत एक ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहां आतंकवाद का स्वरूप बदलकर और भी जटिल और खतरनाक हो चुका है। राजधानी दिल्ली से लेकर देश के विभिन्न शहरों में हाल की घटनाएं केवल हिंसक वारदातें नहीं, बल्कि यह चेतावनी हैं कि हमारी सुरक्षा संरचनाओं में अभी भी जितनी मजबूती और तत्परता होनी चाहिए, वह नहीं है। हर विस्फोट केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि यह प्रश्न भी है कि एक उभरती वैश्विक शक्ति के रूप में भारत क्या अपनी आंतरिक सुरक्षा को उसी गंभीरता से देख रहा है, जैसी दुनिया के विकसित राष्ट्र देखते हैं? अमेरिका ने 9/11 की भयावहता के बाद आतंकवाद को गंभीर खतरे के रूप में लिया। भारत को भी अब उसी स्तर की संवेदनशीलता और निर्णायकता की आवश्यकता है।

–प्रवीण साहू, बिलासपुर

करंट अफेयर

ताइवान में सैन्य हस्तक्षेप की बात से जापान ने सीमा लांघी

चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने रविवार को कहा कि जापान की नए नेता ने ताइवान पर सैन्य हस्तक्षेप संबंधी टिप्पणी करके सीमा लांघ दी है। चीन के विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर वान ने एक पोस्ट कहा कि इस माह की शुरुआत में जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची की यह टिप्पणी 'स्तब्ध' करने वाली है कि ताइवान पर चीन की नौसेना की नाकेबंदी या कोई और कार्रवाई जापान की जवाबी सैन्य कार्रवाई का आधार बन सकती है। वांग ने कहा, ''यह स्तब्ध करने वाली बात है कि जापान के मौजूदा नेताओं ने ताइवान मामले में सैन्य हस्तक्षेप की बात करके सार्वजनिक तौर पर गलत संकेत दिया है और ऐसी बातें कही हैं जो उन्हें नहीं कहनी चाहिए थीं और इन सबसे उन्होंने ऐसी सीमा लांघी है जहां तक उन्हें जाना ही नहीं चाहिए था।'' वांग ने कहा कि चीन को जापान की हरकतों का ''दृढ़ता से जवाब'' देना चाहिए। ताकाइची के बयान के बाद से पिछले कुछ हफ़्तों से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। बीजिंग ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस को एक पत्र भेजा जिसमें अंतरराष्ट्रीय कानूनों और राजनयिक नियमों के उल्लंघन के लिए ताकाइची की आलोचना की गई।

ऑफ बीट

मातृत्व महिलाओं के खर्च करने का तरीका बदल देता हैं

हमें काफी लंबे समय से ये मालूम हैं कि मातृत्व के चलते महिलाओं को न केवल अपनी आय, पदोन्नति और करियर में तरक्की से हाथ धोना पड़ रहा है बल्कि वे खामोशी के साथ अपनी जमा पूंजी भी खर्च कर रही हैं, रोज़मर्रा के खर्चों का बोझ उठा रही हैं और वित्तीय त्याग भी कर रही हैं, जिससे उन्हें दीर्घकालिक नुकसान हो रहा है। महिलाओं की आय पर मातृत्व के प्रभाव के बारे में हम पहले से ही जानते हैं। स्टैटिस्टिक्स कनाडा द्वारा 2015 में किए गए एक अध्ययन से पता चलता है कि पिता के प्रत्येक डॉलर के मुकाबले माताएं 85 सेंट कमाती हैं। अपने पहले बच्चे के जन्म के दस साल बाद भी, माताओं की कमाई बच्चों के बिना होने वाली कमाई से लगभग 34 .3 प्रतिशत कम है। लेकिन हमारे अध्ययन से यह भी पता चलता है कि मातृत्व के साथ ही महिलाओं का धन के साथ संबंध बदल जाता है और बच्चे होने से उनके वित्तीय निर्णय और खर्च करने की आदतें बदल जाती हैं। अध्ययन में शामिल प्रतिभागी अपने व्यक्तिगत वित्त पर चर्चा करते समय दो परस्पर विरोधी आख्यानों का वर्णन करती हैं। एक ओर, वे मातृत्व को वित्तीय परियोजना के रूप में देखती हैं जिसे उन्हें बजट और लागत-लाभ के दायरे में स्वतंत्र रूप से प्रबंधित करना होता है।

X ट्रेंड

युग का अंत

धर्मेंद्र जी का निधन भारतीय सिनेमा के एक युग का अंत है। वे एक प्रतिष्ठित फिल्मी हस्ती, एक अद्भुत अभिनेता थे जिन्होंने अपनी हर भूमिका में आकर्षण और गहराई भर दी। जिस तरह से उन्होंने विविध भूमिकाएं निभाईं, उसने अनगिनत लोगों के दिलों को छुआ।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

रिश्ता और भी गहरा

कई अन्य लोगों की तरह, मुझे भी धर्मेंद्र जी से तुरंत लगाव हो गया, जिन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा से हमारा मनोरंजन किया। जब मैं उनसे मिला तो पर्दे के पीछे का यह रिश्ता और भी गहरा हो गया। उनकी ऊर्जा अविश्वसनीय रूप से प्रभावशाली थी।

-सचिन तेंदुलकर, क्रिकेटर

जरूर याद आएगा

भारतीय सिनेमा की रोशनी आज मंद पड़ गई है। हम इस दुनिया में धर्मेंद्र जी को मिस करेंगे, लेकिन स्क्रीन पर उनकी चमक हमेशा कायम रहेगी। जब भी दोस्ती के फसाने कहे जाएंगे, 'ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे' ज़रूर याद आएगा।

- गौतम अदाणी, उद्योगपति

उदार हृदय वाले

सबसे दयालु इंसान। धरमजी निस्संदेह भारतीय फिल्म उद्योग के सबसे स्नेही और दयालु व्यक्ति थे। वे अच्छाई की प्रतिमूर्ति थे। उन्हें हीमैन कहा जाता था, लेकिन वे सबसे कोमल और उदार हृदय वाले थे।

- अनुपम खेर, अभिनेता

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

अलविदा धर्मेंद्र

आज सिनेमा का आंगन सूना, 'हीमैन' के निधन से समूचा देश शोक में डूबा
नम आंखों से दी लाखों चाहने वालों ने श्रद्धांजलि, फिल्म इंडस्ट्री में सबके चेहते थे

एजेंसी ▶▶ मुंबई

हिंदी सिनेमा के लिविंग लेजेंड धर्मेंद्र का 89 साल की उम्र में सोमवार को निधन हो गया है। धर्मेंद्र की मौत से न सिर्फ बॉलीवुड इंडस्ट्री बल्कि पूरे देश की फिल्म इंडस्ट्री को गहरा सदमा पहुंचा है। हर बड़ा सितारा, निर्माता, निर्देशक, खेल जगत की हस्तियां और उनके लाखों चाहने वाले सोशल मीडिया पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। धर्मेंद्र के जाने से बॉलीवुड से लेकर साउथ और भोजपुरी इंडस्ट्री तक शोक की लहर है। तमाम सेलेब्स अभिनेता को याद कर सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर की। अभिनेता धर्मेंद्र को श्रद्धांजलि देने वालों में अनिल कपूर, संजय दत्त, अजय देवगन, अनुपम खेर, फरहान अख्तर, मनोज बाजपेयी, गोविंदा, सुनील शेट्टी, सैफ अली खान, जायद खान, रणवीर सिंह, भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार खेसारी लाल यादव, रवि किशन, अभिनेत्रियों में शबाना आजमी, काजोल, करीना कपूर, दिया मिर्जा, सुष्मिता सेना, दीपिका पादुकोण, गीता बसरा, शिल्पा शेट्टी, शामिल रहीं। दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग से जूनियर एनटीआर, अल्लू अर्जुन ने भी उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। निर्माता मनीष मल्होत्रा, दिव्येंदु और सुभाष घई ने भी हीमैन को याद करते हुए भावुक पोस्ट शेयर किए हैं।

धर्मेंद्र की मौत से न सिर्फ बॉलीवुड इंडस्ट्री बल्कि पूरे देश की फिल्म इंडस्ट्री को गहरा सदमा पहुंचा है। हर बड़ा सितारा, निर्माता, निर्देशक, खेल जगत की हस्तियां और उनके लाखों चाहने वाले सोशल मीडिया पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

एक युग का अंतः निर्माता करण जौहर

फिल्म 'रॉकी रानी की प्रेम कहानी' के एक दृश्य में करण जौहर और धर्मेंद्र

फिल्म निर्माता करण जौहर ने धर्मेंद्र को दो साल पहले उनकी फिल्म 'रॉकी रानी की प्रेम कहानी' में डायरेक्ट किया था, उन्होंने एक्टर की मौत को एक युग का अंत बताया है। अपने इंस्टाग्राम पर करण ने लिखा कि ये एक युग का अंत है। एक विशाल मेगा स्टार। मेनस्ट्रीम सिनेमा में एक हीरो का अवतार। हर रूप से सुंदर और सबसे रहस्यमय स्क्रीन प्रेजेंस। वो हमेशा भारतीय सिनेमा के एक लिविंग लीजेंड रहेंगे। सिनेमा के इतिहास के पन्नों में परिभाषित और समृद्ध रूप से मौजूद। लेकिन सबसे बढ़कर वो सबसे अच्छे इंसान थे। हमारी इंडस्ट्री में सभी उन्हें बहुत प्यार करते थे।

दोस्तों ने बताए किस्से

फगवाड़ा की गलियों में बीता था बचपन रामलीला में नहीं मिला था रोल

धर्मेंद्र के निधन से फगवाड़ा शहर के लोग सदमे में हैं क्योंकि यहां धर्मेंद्र ने अपना बचपन बिताया था। उनके बचपन के सबसे करीबी साथियों में समाजसेवक कुलदीप सरदाना, हरजीत सिंह परमार और एडवोकेट शिव चोपड़ा जैसे लोग शामिल रहे हैं, जो उन्हें तब से जानते थे जब वे सिर्फ 'धरम' के नाम से जाने जाते थे।

पुराने दोस्तों की तरह मिलते

धर्मेंद्र के पिता, मास्टर केवल कृष्ण चौधरी, फगवाड़ा आर्य हाई स्कूल में गणित और सामाजिक अध्ययन के शिक्षक थे। धर्मेंद्र ने यहीं से 1950 में मैट्रिक की पढ़ाई पूरी की और 1952 तक रामगढ़िया कॉलेज में अपनी आगे की शिक्षा जारी रखी। उनके सहपाठी, वरिष्ठ एडवोकेट एसएन चोपड़ा ने बताया कि धर्मेंद्र में बचपन से ही एक खास चमक थी और प्रसिद्धि ने कभी उनकी विनम्रता को नहीं बदला। हरजीत सिंह परमार बताते हैं कि जब भी धर्मेंद्र फगवाड़ा आते थे, तो वे एक बड़े स्टार की तरह नहीं, बल्कि एक पुराने दोस्त की तरह व्यवहार करते थे। वे उनके साथ बैठना, पुरानी बातें करना, मजाक करना और बचपन की यादें साझा करना पसंद करते थे। स्वयं धर्मेंद्र ने बताया था किउन्हें कौमी सेवक रामलीला कमेटी द्वारा आयोजित एक रामलीला में भूमिका के लिए अस्वीकार कर दिया गया था।

फगवाड़ा का स्कूल

खेल जगत में शोक

ताकत दयालु हो सकती हैः धवन

धर्मेंद्र के निधन पर खेल जगत में भी शोक छा गया। पूर्व भारतीय बल्लेबाज शिखर धवन ने एक्स पर लिखा, आप सिर्फ कद में ही नहीं, बल्कि हौसले में भी ऊंचे रहे। धर्मेंद्र जी, हमें यह दिखाने के लिए धन्यवाद कि ताकत दयालु हो सकती है। ओम शांति!

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, धर्मेंद्र जी के गुजर जाने की खबर सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ, वे एक लेजेंड थे जिनकी स्क्रीन पर मौजूदगी ताकत, चार्म और हमेशा रहने वाली ग्रेस दिखाती थी। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा, धर्मेंद्र जी को दिल से श्रद्धांजलि।

पैतृक गांव में शोक

पंजाब के लुधियाना जिले में एक-दूसरे से 30 किलोमीटर से भी अधिक दूर होने के बावजूद डांगो तथा साहनेवाल दो गुमनाम गांवों में एक बात समान है और वो है बॉलीवुड के ही-मैन धर्मेंद्र। धर्म सिंह देओल का जन्म 1935 में डांगो गांव में हुआ और उनके पिता केवल किशन सिंह देओल शिक्षक थे, जिनका तबादला होने के बाद वह परिवार के साथ साहनेवाल आकर बस गए थे।

दोबारा अपने पिता को खो दियाः कपिल शर्मा

कॉमेडियन कपिल शर्मा ने धर्मेंद्र के जाने पर कहा कि उन्हें ऐसा लगता है जैसे वो दोबारा अपने पिता को खो चुके हैं।

कपिल ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'अलविदा धरम पाजी आपका जाना बहुत ही दुखदायी है, ऐसा लग रहा है जैसे दूसरी बार पिता को खो दिया है। आपने जो प्यार और आशीर्वाद दिया वो हमेशा मेरे दिल में और यादों में रहेगा।

इंडस्ट्री के असली ही-मैनः अक्षय कुमार

अक्षय ने अपने एक्स पर धर्मेंद्र को याद करते हुए लिखा कि बड़े होते हुए, धर्मेंद्र जी ऐसे हीरो थे जो हर लड़का बनना चाहता था। हमारी इंडस्ट्री के असली ही-मैन। पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए धन्यवाद। आप अपनी फिल्मों और अपने द्वारा फैलाए गए प्यार के जरिए हमेशा जिंदा रहेंगे। ओम शांति।

धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म होगी 'इक्कीस'

89 साल की उम्र में भी धर्मेंद्र एक्टिंग में सक्रिय थे। अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा की आगामी फिल्म 'इक्कीस' इस दिग्गज अभिनेता की आखिरी फिल्म होगी। फिल्म 'इक्कीस' की कहानी एक यंग आर्मी ऑफिसर अरुण खेतरपाल की है। महज 21 साल की उम्र में देश के लिए इस सैन्य अधिकारी ने बलिदान दिया था। फिल्म में अभिनेता धर्मेंद्र ने आर्मी ऑफिसर के पिता का किरदार निभाया। वहीं अरुण खेतरपाल के रोल में अगस्त्य नंदा नजर आएंगे। यह फिल्म 25 दिसंबर को रिलीज होने वाली है।

खबर संक्षेप

कार के तालाब में गिरने से 3 बच्चों की मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के उलुबेरिया में सोमवार को स्कूल से बच्चों को लेकर घर जा रही एक कार के तालाब में गिर जाने से तीन बच्चों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

अरुणाचल की 'याक' को जीआई टैग मिला

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश की सदियों पुरानी पहाड़ी पारंपरिक खाद्य सामग्री 'याक चुरपी' को भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग मिल गया है। राज्य के डिप्टी सीएम चौना मेन ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पंकजा मुंडे का निजी सहायक गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री पंकजा मुंडे के निजी सहायक (पीए) अनंत गर्जे को अपनी पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में सोमवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

देशभर में एसआईआर में मचे बवाल के बीच चुनाव आयोग बोला

12 राज्यों में रफ्तार तेज, 99% से अधिक गणना प्रपत्र वितरित किए

ऑनलाइन प्रक्रिया ने भी तेजी पकड़ी

चुनाव आयोग के अनुसार 12 राज्यों में 4 नवंबर से जारी एसआईआर प्रक्रिया के तहत कुल 50.97 करोड़ से अधिक मतदाताओं में से अब तक कुल 50.50 करोड़ से अधिक गणना प्रपत्र बंट चुके हैं। एसआईआर की ऑनलाइन प्रक्रिया ने भी तेजी पकड़ी है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश के 12 राज्यों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का काम जारी है। इसे लेकर सभी राज्यों में विपक्षी दलों ने बवाल मचाया हुआ है। भारतीय चुनाव आयोग ने सोमवार को जानकारी दी कि लगभग 20 दिन में एसआईआर प्रक्रिया के तहत 99.07 प्रतिशत मतदाता विशिष्ट गणना प्रपत्र का वितरण पूरा हो चुका है। चुनाव आयोग के अनुसार, गोवा और लक्षद्वीप में गणना प्रपत्र का 100 प्रतिशत वितरण सबसे पहले हुआ है। अभी अंडमान और निकोबार में 99.98 प्रतिशत, मध्य प्रदेश में 99.83 प्रतिशत, पश्चिम बंगाल में 99.75 प्रतिशत और गुजरात में 99.69 प्रतिशत गणना प्रपत्र बांटे गए हैं। रविवार के मुकाबले पश्चिम बंगाल व अंडमान और निकोबार के आंकड़ों में कोई फेरबदल नहीं दिखा है। चुनाव आयोग प्रतिदिन एसआईआर प्रक्रिया से जुड़े आंकड़े जारी करता रहा है। जिन 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर प्रक्रिया चल रही है, उनमें अंडमान और निकोबार, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल शामिल हैं।

गणना प्रपत्र का 100 प्रतिशत वितरण सबसे पहले गोवा और लक्षद्वीप में

अंडमान-निकोबार, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, गुजरात में बढ़ी काम की गति

यूपी में 99.62 प्रतिशत गणना प्रपत्र का वितरण पूरा

भारतीय चुनाव आयोग

नए आंकड़ों के अनुसार, मतदाता संख्या के हिसाब से सबसे बड़े राज्य यूपी में 99.62 प्रतिशत गणना प्रपत्र का वितरण पूरा हुआ है, जहां कुल मतदाता 15.44 करोड़ से अधिक हैं। पुडुचेरी में 95.58 प्रतिशत, तमिलनाडु में 96.22 प्रतिशत और केरल में 97.33 प्रतिशत गणना प्रपत्र बांटने का काम हुआ है।

24.13 करोड़ से अधिक फॉर्म अपलोड

चुनाव आयोग के अनुसार, 12 राज्यों में 4 नवंबर से जारी एसआईआर प्रक्रिया के तहत कुल 50.97 करोड़ से अधिक मतदाताओं में से अब तक कुल 50.50 करोड़ से अधिक गणना प्रपत्र बंट चुके हैं। एसआईआर की ऑनलाइन प्रक्रिया ने भी तेजी पकड़ी है और 12 राज्यों में अब तक 24.13 करोड़ से अधिक फॉर्म को अपलोड किया गया है।

बीएलओ ने बंगाल सीईओ कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया

पश्चिम बंगाल में शामिल बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) ने काम के कथित तौर पर अत्यधिक दबाव के विरोध में प्रदर्शन के दौरान यहां सीईओ कार्यालय में घुसने की कोशिश की और पुलिसकर्मियों के साथ हाथापाई की। बीएलओ अधिकार रक्षा समिति के सदस्यों ने उत्तरी कोलकाता के कॉलेज स्क्वायर से जुलूस निकाला, नारे लगाए तथा ताले और बेड़ियां लेकर प्रतीकात्मक रूप से उस भवन के मुख्य द्वार को बंद किया गया।

चेन्नई में एसआईआर के खिलाफ प्रदर्शन

विदुथलाई सिरुथैगल काची (वीसीके) ने एसआईआर के खिलाफ चन्नई में प्रदर्शन किया। वीसीके प्रमुख थोल तिरुमावलवन ने ईसीआई और केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि यह भाजपा की सुनियोजित चाल है, जिसके जरिए दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यक समुदाय के मतदाताओं को निशाना बनाकर उनके नाम हटाने की कोशिश की जा रही है।

बीएलओ नाम पूछे तो बंद करोः मंत्री अंसारी

झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी एसआईआर के मसले पर एक सभा में कहते नजर आ रहे हैं कि यदि कोई बूथ लेवल अधिकारी यानी बीएलओ आपके इलाके में एसआईआर के तहत वोटर लिस्ट से नाम काटने के लिए आए तो उसे घर में बंद कर दें। इस पर भाजपा ने पलटवार किया है तो चुनाव आयोग ने भी झारखंड सरकार से रिपोर्ट तलब की है।

कर्नाटक में सीएम के लिए रस्साकशी

शिवकुमार के लिए विधायकों का एक समूह दिल्ली पहुंचा

कुछ और विधायक भी जाएंगे दिल्ली

डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार व सीएम सिद्धारमैया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कर्नाटक में कांग्रेस के अंदर सीएम पद को लेकर चल रही रस्साकशी अब नई दिल्ली तक पहुंच गई है। इसी क्रम में चर्चा ज्यादा तेज तब हो गई जब कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के समर्थन में एक और विधायकों का समूह रविवार रात नई दिल्ली पहुंचा। इस दल में कम से कम छह विधायक शामिल है। नई दिल्ली पहुंचे विधायकों में एचसी बालकृष्णा (मगड़ी), केएम उदय (मद्दुर), नयना मोतम्मा (मुडिगेरे), इकबाल हुसैन (रमणगर), शरथ बचेगौड़ (होसकोटे) और शिवगंगा बसवराज (चनागिरी) शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार कुछ और विधायक भी जल्द दिल्ली जा सकते हैं।

पावर शेयरिंग की हो रही चर्चा

बता दें कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने 20 नवंबर को अपने पांच साल के कार्यकाल का आधा समय पूरा किया। इसी बीच, सीएम सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच कथित 'पावर शेयरिंग' समझौते की बातें भी सामने आई हैं। ऐसे में चर्चा तेज हो गई कि क्या अब डीके शिवकुमार को अगले ढाई साल के लिए सीएम पद दिया जा सकता है। पिछले हफ्ते भी लगभग दस विधायक शिवकुमार के समर्थन में दिल्ली गए थे और खरगे से मिले थे। वहीं, सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि नेतृत्व पर अंतिम निर्णय पार्टी आलाकमान पर निर्भर करता है।

पार्टी में कोई बगावत नहींः मंत्री केके जॉर्ज

सिद्धरमैया के करीबी माने जाने वाले वरिष्ठ मंत्री केजे जॉर्ज ने शिवकुमार के साथ हाल ही में देर रात हुई बैठक को लेकर सफाई देते हुए कहा कि उस समय केवल सरकारी विषयों और आगामी बेंगलुरु निगम चुनाव पर चर्चा की गई थी। जॉर्ज ने मैंने शिवकुमार के साथ सरकारी मामलों और आगामी बेंगलुरु निगम चुनाव पर चर्चा की है।

'वोट दो, फंड मिलेगा' वाले विवादित बयान पर डिप्टी सीएम पवार की दो टूक

मैं किसी का ऋणी नहीं, दशकों से लगते रहे हैं आरोप, सार्वजनिक जीवन में भूल होना संभव

एजेंसी ▶▶ छत्रपति संभाजीनगर

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने अपने 'वोट दो, फंड मिलेगा' वाले विवादित बयान पर सोमवार को सफाई देते हुए कहा कि उन पर पिछले पैंतीस वर्षों में तरह-तरह के आरोप लगते रहे हैं, लेकिन उन पर 'किसी का कोई कर्ज नहीं' हैं। परभणी जिले के जिंतुर में दो दिसंबर को होने वाले स्थानीय निकाय चुनाव के प्रचार के दौरान उन्होंने कहा कि मीडिया उनकी हर बात पर कड़ी नजर रखता है और किसी भी मुद्दे को तुरंत उनसे जोड़ देता है।

डिप्टी सीएम अजित पवार

आचार संहिता का सम्मान

डिप्टी सीएम ने कहा कि मैं आचार संहिता को समझता हूं और इसका उल्लंघन नहीं होना चाहिए। अनेक आरोपों के बावजूद मैं जानता हूं कि मैं किसी का ऋणी नहीं हूं। उन्होंने चुनाव आयोग से निष्पक्ष कार्रवाई की मांग करते हुए आरोप लगाया कि कुछ गैर-सरकारी समूह मतदाताओं के घर जाकर निजी जानकारी मांग रहे हैं।

चव्हाण के कारण टूटा गठबंधन

शिवसेना विधायक नीलेश राणे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण को सिंधुदुर्ग में होने वाले नगर परिषद और नगर पंचायत चुनाव से पहले महायुति गठबंधन टूटने का दोषी ठहराया है।

महाराष्ट्र सीएम का दावा- ट्रैफिक जाम और भीड़ की समस्या होगी दूर

एक बड़ा भूमिगत सुरंग नेटवर्क बना रहे, मुंबई शहर होगा कवर

80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकेंगे वाहन

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार मुंबई में ट्रैफिक जाम और भीड़ की समस्या को कम करने के लिए एक बड़ा भूमिगत सुरंग नेटवर्क बना रही है। इसे उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में पाताल लोक यानी समानांतर सड़क व्यवस्था बताया। फडणवीस ने इसी शब्द का इस्तेमाल प्रस्तावित भूमिगत सड़क नेटवर्क को समझाने के लिए किया। आईआईएमयूएन (इंडियाज इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस) के यूथ कनेक्ट सत्र में उन्होंने कहा कि प्रस्तावित सुरंगों का जाल कई दिशाओं में फैला होगा और पूरे शहर को कवर करेगा। यहां वाहन की औसत गति 80 किमी प्रति घंटे होगी।

सीएम देवेंद्र फडणवीस और मुंबई शहर का ट्रैफिक

पूर्व-पश्चिम की कनेक्टिविटी सुधरेगी

उन्होंने कहा कि इससे पूर्व-पश्चिम के बीच की कनेक्टिविटी सुधरेगी। बोरीवली और गोरेगांव के बीच समानांतर सड़क और अगले वर्ष तक तैयार होने वाला वर्ली-शिवड़ी कनेक्टर अटल सेतु से बांद्रा-वर्ली सी लिंक तक बिना रुकावट की यात्रा सुनिश्चित करेगा। उअटल सेतु से गिरगांव चौपाटी तक ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे के रास्ते में बनने वाली सुरंग तीन वर्षों में पूरी हो जाएगी।

मुंबई वन एप लॉन्च

सीएम ने बताया कि मुंबई वन नाम की एकीकृत एप लॉन्च की गई है, जो मेट्रो ट्रेन, उपनगरीय लोकल ट्रेन और बेस्ट बसों के लिए एक ही टिकट की सुविधा देगा। उन्होंने कहा कि करीब 90 लाख लोग रोजाना उपनगरीय ट्रेनों से यात्रा करते हैं। इतने बदलावों के बावजूद दूसरी श्रेणी का किराया एक रुपए भी नहीं बढ़ाया जाएगा।

मौजूदा रास्तों के समानांतर व्यवस्था होगी

सीएम ने कहा कि हम मुंबई शहर में पूरी तरह से भीड़भाड़ कम करने के लिए एक पाताल लोक, यानी सुरंगों का नेटवर्क बना रहे हैं। यह व्यवस्था मौजूदा सड़कों के समानांतर चलेगी और बढ़ते मेट्रो कॉरिडोर इस योजना को पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि दक्षिण मुंबई से भायंदर (ठाणे जिले) तक बनने वाली कोस्टल रोड वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे के लिए बिना रुकावट वाला समानांतर मार्ग बनेगी। मुंबई की 60 फीसदी आबादी वेस्टर्न एक्सप्रेसवे पर चलती है। जब तक इस पर भीड़ (वाहनों की) कम नहीं की जाती, समाधान संभव नहीं है।

खबर संक्षेप

पेशावर में धमाका, 3 जवानों की मौत

कराची। पाकिस्तान के पेशावर में एक बड़ा धमाका हुआ है। यह धमाका पाकिस्तानी सेना के ठिकाने के पास हुआ, जिसे आत्मघाती हमलावर के जरिये अंजाम दिया गया. एक सुसाइड बॉम्बर ने गेट पर खुद को उड़ा लिया, जिसके बाद फायरिंग की आवाजें भी सुनी गई हैं. फिलहाल इस हमले की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली है। पाकिस्तान में आतंकी हमलों की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं, हमले की की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली है लेकिन हमले में 3 जवानों और 2 हमलावरों की मौत हुई है।

यूके के पूर्व पीएम डेविड हुए प्रोस्टेट कैंसर के शिकार

नई दिल्ली। यूनाइटेड किंगडम (यूके) के पूर्व प्रधानमंत्री डेविड कैमरन प्रोस्टेट कैंसर का शिकार हो गए हैं और उनका इलाज चल रहा है। स्थानीय मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने ये जानकारी साझा की है। पूर्व प्रधानमंत्री ने बताया कि हाल ही में उन्होंने प्रोस्टेट-स्पेसिफिक एंटीजन (पीएसए) टेस्ट करवाया था, जिसमें बीमारी के प्रकार से जुड़े प्रोटीन की जांच की जाती है। इस रिपोर्ट में उन्हें प्रोस्टेट कैंसर के बारे में जानकारी मिली, बाद में उनकी बायोप्सी हुई।

4.0 तीव्रता का हल्का भूकंप, कोई हताहत नहीं

काठमांडू। नेपाल के गंडकी प्रांत के कास्की जिले में रविवार शाम 4.0 तीव्रता का हल्का भूकंप महसूस किया गया। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, भूकंप का केंद्र अन्नपूर्णा-2 पर्वत क्षेत्र के पास था। शाम 5:17 बजे आए इस झटके को आसपास के बालुंग, लामजुंग और स्यांगजा जिलों में भी महसूस किया गया। राहत की बात यह है कि किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। उथले भूकंप, गहरे भूकंपों की तुलना में अधिक खतरनाक होते हैं।

वार्ता का मुख्य उद्देश्य सीमा शुल्क की प्रक्रियाओं को आसान बनाना

भारत-इजराइल के बीच एफटीए वार्ता फिर शुरू हुई, जीटीआरआई ने कहा- व्यापार नहीं, दोनों देशों के रणनीतिक साझेदारी है मुख्य लाभ

जीटीआरआई की रिपोर्ट के अनुसार भारत-इजराइल के बीच चल रहे एफटीए वार्ता का मुख्य फोकस रणनीतिक रिश्तों को मजबूत करना होगा। दोनों देशों के बाजार छोटे हैं और उनकी मांग भी सीमित है। इसलिए अगर एफटीए पूरा हो भी जाता है, तो सामानों के व्यापार में बहुत बड़ी बढ़ोतरी की उम्मीद नहीं है।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत-इजराइल के बीच चल रहे एफटीए वार्ता का सबसे बड़ा फायदा माल-व्यापार को नहीं, बल्कि दोनों देशों के रणनीतिक रिश्तों को मजबूत करने में होगा। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने अपने रिपोर्ट में यह दावा किया है।

- माल और सेवाओं के व्यापार में बाजार पहुंच
- शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं को हटाना
- निवेश प्रक्रिया में सुगमता

फाइल फोटो

दोनों देशों के बाजार में है सीमित मांग

जीटीआरआई के मुताबिक, दोनों देशों के बाजार छोटे हैं और उनकी मांग भी सीमित है। इसलिए अगर एफटीए पूरा हो भी जाता है, तो सामानों के व्यापार में बहुत बड़ी बढ़ोतरी की उम्मीद नहीं है। संस्था ने अपनी रिपोर्ट में लिखा कि दोनों देशों के लिए यह समझौता असल में रणनीतिक सहयोग बढ़ाने का मौका है। एफटीए के बाद भी सामानों के व्यापार में तेज बढ़ोतरी होना मुश्किल है। इजराइल, एक उच्च आय और प्रौद्योगिकी-संचालित अर्थव्यवस्था है। इसकी जनसंख्या 10 मिलियन से भी कम है। यह देश भारत के कपड़ा, ऑटोमोबाइल और सामान्य इंजीनियरिंग वस्तुओं जैसे बड़े पैमाने पर निर्यात के लिए सीमित संभावनाएं प्रदान करता है। जीटीआरआई का कहना है कि कृषि, जेनेरिक दवाइयां, इस्पात और रसायन जैसे क्षेत्रों में भारत प्रतिस्पर्धी है, लेकिन इसजराइल या तो आत्मनिर्भर है, सख्त गुणवत्ता और पादप स्वच्छता मानकों का पालन करता है।

भारत-इजराइल के आर्थिक संबंधों को गहरे करने के नए प्रयास

भारत ने इजराइल के साथ आर्थिक संबंधों को गहरा करने के लिए एक नए प्रयास की शुरुआत की है। इसके तहत उसने लंबे समय से लंबित मुक्त व्यापार समझौते के लिए वार्ता को पुनर्जीवित किया है। यह वार्ता पहली बार शुरू होने के एक दशक से भी अधिक समय बाद हुई है। नई दिल्ली और यरुशलम ने 2010 में एफटीए पर चर्चा शुरू की, 2012-13 तक कई दौर की बातचीत की, और फिर 2014 के बाद संवेदनशील उत्पादों के लिए टैरिफ, मानकों और बाजार पहुंच पर मतभेदों के बीच इस प्रक्रिया को स्थगित कर दिया। 2024-25 में कई उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान के बाद, दोनों सरकारों ने अब बातचीत फिर से शुरू करने के लिए नए संदर्भ-बिंदुओं को अंतिम रूप दिया है।

आईएनएस माहे भारतीय नौसेना की नई ताकत और देश की बढ़ती स्वदेशी क्षमता का प्रतीक

भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल हुआ आईएनएस माहे जनरल उपेंद्र द्विवेदी बोले- 'बिल्डर्स नेवी' बन चुका है भारत

माहे को बेहतरीन गुणवत्ता में तैयार करने के लिए बधाई दी

उपेंद्र द्विवेदी की मौजूदगी में जहाज नौसेना में शामिल किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

'साइलेंट हंटर' यानी एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शेलो वॉटर क्राफ्ट 'माहे' को सोमवार को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। नौसेना का यह एंटी-सबमरीन जहाज गोपनीय मिशन, सतर्कता और अटूट संकल्प का प्रतीक है। नौसेना के मुताबिक 'माहे' को तटीय इलाकों में उच्च जोखिम वाले मिशनों के लिए डिजाइन किया गया है। इसकी क्षमताएं इसे एक शक्तिशाली व उथले पानी का बेहतरीन योद्धा बनाती हैं। यह जहाज पनडुब्बी रोधी जैसे बड़े व खतरनाक अभियानों को अंजाम देने में सक्षम है।

रक्षा मंत्रालय से मिली जानकारी के मुताबिक भारतीय नौसेना के इस जहाज में इस्तेमाल की गई 80 प्रतिशत से अधिक सामग्री स्वदेशी है। माहे को अत्याधुनिक व उन्नत सेंसर्स से लैस किया गया है। इसके साथ ही इसमें हथियार और आधुनिक इंटीग्रेशन सिस्टम मौजूद हैं।

थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी की मौजूदगी में यह जहाज नौसेना में शामिल किया गया। इस अवसर पर वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन समेत अन्य अधिकारी, कर्मचारी, वेटरन्स और अन्य अतिथि मौजूद रहे। भारतीय नौसेना के मुताबिक 'माहे' नाम मालाबार तट स्थित ऐतिहासिक नगर 'माहे' पर रखा गया है। माहे को सांस्कृतिक समृद्धि और समुद्री इतिहास के लिए जाना जाता है। भारतीय नौसेना का यह पहला माहे क्लास, एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शेलो वॉटर क्राफ्ट आज आधिकारिक रूप से नौसेना में शामिल किया गया।

माहे का निर्माण भारत में ही कोचीन शिपयार्ड द्वारा किया गया

मुंबई। थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी कमीशनिंग समारोह के दौरान।

यह स्वदेशी रक्षा निर्माण क्षमता का प्रतीक है। माहे का निर्माण भारत में ही कोचीन शिपयार्ड द्वारा किया गया है। यही कारण है कि 'माहे' ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत का सशक्त उदाहरण भी पेश किया है। इस श्रेणी के कुल 8 एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शेलो वॉटर क्राफ्ट जहाज नौसेना में शामिल किए जाएंगे। माहे इनमें पहला है। नौसेना के 'माहे' को तटीय इलाकों में उच्च जोखिम वाले मिशनों के लिए विशेष तौर पर डिजाइन किया गया है। इसकी क्षमताएं इसे एक शक्तिशाली उथले जल का योद्धा बनाती हैं। इसकी मुख्य परिचालन भूमिकाओं की बात करें तो यह एंटी-सबमरीन वॉरफेयर में उथले समुद्र में दुश्मन पनडुब्बियों की खोज और उन्हें नष्ट करेगा। कोस्टल पेट्रोलिंग व तटीय सुरक्षा और निगरानी में तैनात किया जाएगा।

आधुनिक युद्धों में 'जॉइंटनेस' और 'इंटीग्रेशन' की बड़ी भूमिका

मुंबई। भारतीय नौसेना के नए पोत आईएनएस माहे के औपचारिक कमीशनिंग के मौके पर भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि आधुनिक युद्ध अब मल्टी-डोमेन और हाइब्रिड हो चुके हैं। ऐसे में भारतीय सेना ने भी 'दशक परिवर्तन' के तहत कई बड़े कदम उठाए हैं, जिनमें संयुक्तता और एकीकरण मुख्य आधार हैं आईएनएस माहे भारतीय नौसेना का पहला ' है। इसे सोमवार को मुंबई के नेवल डॉकयार्ड में जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने भारतीय नौसेना में शामिल किया। यह पोत कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा बनाया गया है और भारत की आत्मनिर्भरता का एक मजबूत प्रतीक माना जा रहा है।

तीनों सेनाओं की शक्ति ही देश की सुरक्षा को मजबूत बनाती है:द्विवेदी

उन्होंने कहा कि तीनों सेनाओं-थलसेना, नौसेना और वायुसेना की संयुक्त शक्ति ही देश की सुरक्षा को मजबूत बनाती है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का उदाहरण देते हुए बताया कि समुद्र से लेकर पहाड़ों तक सभी क्षेत्रों में सेनाओं की संयुक्त कार्रवाई ही भारत की रणनीतिक ताकत है।

नागरिकता कानून को आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम

नागरिकता कानून पर कनाडा का बड़ा फैसला भारतीय मूल के परिवारों को होगा लाभ

फाइल फोटो

एजेंसी ▶▶ टोरंटो

कनाडा सरकार ने नागरिकता कानून को लेकर बड़े कदम उठा रही है। सरकार की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि नए कानून के लागू होते ही, उन सभी लोगों को कनाडाई नागरिकता प्रदान की जाएगी, जो विधेयक के प्रभाव में आने से पहले पैदा हुए हैं।

बता दे कि कनाडा ने वंश-आधारित नागरिकता कानून को आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम बढ़ाया है। संसद में पेश बिल सी-3 को अब रॉयल असेंट मिल गया है, जिसके बाद यह कानून लागू होने के एक कदम और करीब पहुंच गया है। इस कदम से का असर भारतीय मूल के हजारों परिवारों पर पड़ने की संभावना है।

कनाडा सरकार ने जारी की प्रेस विज्ञप्ति

कनाडा सरकार की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि नागरिकता अधिनियम (2025) में संशोधन करने वाले विधेयक सी-3 को शाही स्वीकृति मिल गई है। इसमें कहा गया कि यह नागरिकता अधिनियम को और अधिक समावेशी बनाने और कनाडाई नागरिकता के मूल्य को बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

नया कानून के लागू होते ही नागरिकता प्रदान की जाएगी

समाचार विज्ञप्ति में कहा गया है, नए कानून के लागू होते ही, उन सभी लोगों को कनाडाई नागरिकता प्रदान की जाएगी, जो विधेयक के प्रभाव में आने से पहले पैदा हुए हैं और जो प्रथम-पीढ़ी की सीमा या पिछले कानूनों के पुराने प्रावधानों के कारण नागरिक नहीं बन पाए थे।

क्या है नया कानून?

विज्ञप्ति में कहा गया है कि नया कानून विदेश में जन्मे या गोद लिए गए कनाडाई माता-पिता को इस विधेयक के लागू होने की तिथि या उसके बाद कनाडा के बाहर जन्मे या गोद लिए गए अपने बच्चे को नागरिकता देने की अनुमति देगा, बशर्ते कि उनका कनाडा से पर्याप्त संबंध हो।

व्यापार मंत्री नूरुद्दीन अजीजी प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोले

भारत के शुक्रगुजार हैं... तालिबानी मंत्री ने की तारीफ, बोले- रिश्ते मजबूत करेंगे

एजेंसी ▶▶ काबुल

अफगानिस्तान के इस्लामिक अमीरात के इंडस्ट्री और कॉमर्स मिनिस्टर नूरुद्दीन अजीजी ने भारत का शुक्रिया अदा किया है। उन्होंने यह बात अपने भारत दौरे को आसान बनाने, अफगानिस्तान के विकास में सहयोग करने और आपसी व्यापार को बढ़ाने पर सहमति के लिए कही है। दरअसल, तालिबान सरकार में इंडस्ट्री और व्यापार मंत्री नूरुद्दीन अजीजी भारत के दौरे पर हैं। उन्होंने अपने दौरे के अंतिम दिन एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और भारत की यात्रा को सफल बताया।

जयशंकर और नूरुद्दीन अजीजी

यात्रा का मकसद द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूत करना

प्रेस कॉन्फ्रेंस में नूरुद्दीन अजीजी ने कहा कि उनकी यात्रा का मकसद द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूत करना और ट्रेड, इन्वेस्टमेंट और दूसरे सेक्टर्स में पुराने रिश्तों को फिर से जिंदा करना है।

पाकिस्तान को लगा बड़ा झटका

पाकिस्तान कभी तालिबान को अपना दोस्त और भारत के दुश्मन के तौर पर देखता था। जब अगस्त 2021 में तलिबान ने काबुल पर कब्जा किया, तब भी पाकिस्तान ने इसे अपनी जीत के तौर पर देखा। पाकिस्तानी सेना, राजनेता और सामरिक विशेषज्ञों ने इस पर खुशी जताई। लेकिन, बीतते समय के साथ पाकिस्तान और तालिबान के संबंध खराब होते चले गए। वहीं, इसके ठीक उलट भारत के साथ तालिबान के संबंध मजबूत हुए। आज तालिबान लगातार भारत के साथ संपर्क बढ़ा रहा है। वहीं, तालिबान की पाकिस्तान के साथ सीमा पर सैन्य झड़पें हो रही हैं।

सभी अस्पताल में भर्ती, हालत स्थिर

जम्मू-कश्मीर में फूड प्वॉइजनिंग से एक ही परिवार के 12 लोगों की बिगड़ी तबीयत

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा के नौगाम इलाके के एक परिवार के 12 सदस्यों को रात में बेहोश होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार गुलाम मोम्मद भट नामक एक व्यक्ति के परिवारवालों (परिवार में भट सहित 12 सदस्य हैं) की रात का खाना खाने के बाद फौरन तबीयत बिगड़ गई।

बताया जाता है कि उन्होंने रात के खाने के लिए जंगल से लाई एक सब्जी पकाई थी जिसे खाने के तुरंत बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्होंने किसी तरह अपने पड़ोसियों को सूचित किया। पड़ोसियों ने उनके अन्य परिजनों को जानकारी दी और

अस्पताल में भर्ती परिवार के सदस्य

साथ ही उन्हें फौरन एनटीपीएचसी पहुंचाया गया।

जहां उनकी प्राथमित स्वास्थ्य जांच के बाद उन्हें उन्नत उपचार के लिए जीएमसी हंदवाड़ा शिफ्ट किया गया जहां उनका इलाज चल रहा है। इधर चिकत्सा अधिकारियों का कहना है कि इसकी वजह फूड पाइजनिंग है। अस्पताल के एक अधिकारी ने बताया कि सभी 12 सदस्यों की हालत स्थिर है और उन्हें आवश्यक उपचार मिल रहा है।

गुरु तेग बहादुर की शहादत की 350वीं वर्षगांठ मनाई

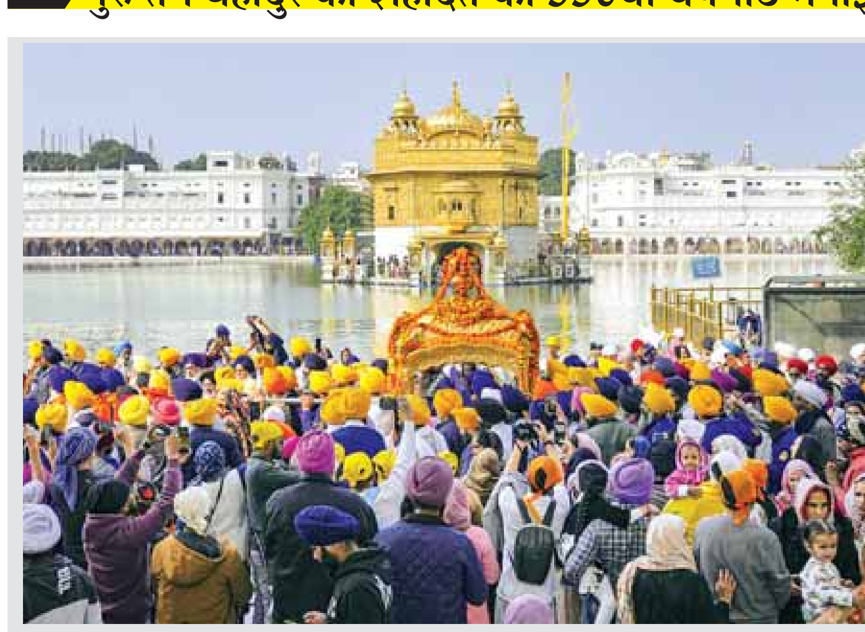
अमृतसर। सोमवार को अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में 9वें सिख गुरु, गुरु तेग बहादुर की शहादत की 350वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में नगर कीर्तन जुलूस में भाग लेते हुए।

डोज का काम और ज़िम्मेदारियां, कार्मिक प्रबंधन को सौंपी

बंद हुआ सरकारी खर्चों को घटाने वाला ट्रंप का डोज विभाग

अमेरिका में एलन मस्क की लीडरशिप में बनाए गए डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी को बंद कर दिया गया

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार अमेरिका का राष्ट्रपति बनने पर एलन मस्क की लीडरशिप में एक नए विभाग का गठन किया था। इसका नाम डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी रखा गया था। शुरुआत में विवेक रामास्वामी को भी इस डिपार्टमेंट में शामिल किया गया था, लेकिन बाद में उन्होंने इसे छोड़ दिया था। कुछ समय पहले मस्क ने भी इस विभाग को छोड़ दिया था। अब इस डिपार्टमेंट पर बड़ा अपडेट सामने आया है।

खास बातें

- मस्क की लीडरशिप में हुआ विभाग का गठन
- 10 माह बाद बंद हुआ डोज विभाग
- कुछ समय पहले मस्क ने विभाग को छोड़ा था

ट्रंप-मस्क के संबंधों में दरार बनी वजह?

एलन मस्क और डोनाल्ड ट्रंप।

डोज को किस वजह से बंद किया गया, इसका खुलासा नहीं हुआ है। हालांकि इसके बंद होने की वजह ट्रंप और मस्क के संबंधों में आई दरार को माना जा रहा है। इसी वजह से मस्क ने डोज को छोड़ दिया था और इसका कामकाज भी प्रभावित हुआ था। ट्रंप ने भी इस विभाग पर ध्यान देना बंद कर दिया था और अब इसका अंत हो गया है। हालांकि पिछले कुछ समय में ट्रंप और मस्क के संबंधों में सुधार देखने को मिला है।

ट्रंप ने तय समय से पहले ही बंद किया डोज

ट्रंप ने तय समय से पहले ही डोज को चुपचाप बंद कर दिया है। डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी का गठन जुलाई 2026 तक के लिए किया गया था, लेकिन एक साल से भी कम समय में इसे बंद कर दिया गया। अमेरिका के कार्मिक प्रबंधन कार्यालय के निदेशक स्कॉट कुपोर ने इसकी पुष्टि की है। डोज का काम और ज़िम्मेदारियाँ, कार्मिक प्रबंधन कार्यालय को सौंप दी गई हैं।

क्या था डोज का लक्ष्य?

डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी का लक्ष्य सरकारी नौकरशाही को खत्म करना, अतिरिक्त नियमों को कम करना, फिजूल खर्चों में कटौती करना और संघीय एजेंसियों के पुनर्गठन में मदद करना तय किया गया था। मस्क के साथ ही ट्रंप ने भी इन सुधारों को बेहद ज़रूरी बताया था।

शिखर सम्मेलन में भारत आने का निमंत्रण स्वीकार किया

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी अगले साल भारत यात्रा पर आएंगे

एजेंसी ▶▶ जोहानिसबर्ग

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी अगले साल भारत की यात्रा करेंगे। दक्षिण अफ्रीका में जी-20 शिखर सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय वार्ता के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कार्नी को भारत आने का निमंत्रण दिया, जिसे उन्होंने स्वीकार किया। कनाडा के प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा रविवार को जारी एक बयान में कहा गया, प्रधानमंत्री कार्नी ने 2026 की शुरुआत में भारत आने के प्रधानमंत्री मोदी के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है। इसमें कहा गया कि दोनों नेताओं ने वार्ता के दौरान व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में संबंधों को

कनाडा पीएम मार्क कार्नी एवं मोदी

आगे बढ़ाने के अलावा रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्रों में गहन सहयोग की संभावनाएं तलाशने पर सहमति व्यक्त की। बयान में कहा गया, दोनों नेताओं ने वस्तुओं, सेवाओं, निवेश, कृषि, डिजिटल व्यापार और सतत विकास को शामिल करते हुए एक महत्वाकांक्षी व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते के लिए औपचारिक रूप से बातचीत शुरू करने पर सहमति व्यक्त की।